सूर्योदय 5:23 सूर्यास्त 7:29
आज का तापमान
शिमला 17.6 न्यू 24.0 अधि
धर्मशाला 17.6 न्यू 29.0 अधि
बाजार
सेंसेक्स 77,764
निफ्टी 24,270
सोना 1,46,003 चांदी 2,33,354

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | शनिवार, 4 जुलाई 2026 | 20 आषाढ़, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 186, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

MODGIL DIAGNOSTIC LAB 24 घंटे सेवा
Sample Collection Service From Home
KANGRA (TANDA) CHAMBA PAPROLA
MODGIL DIAGNOSTIC LAB
CHAMBA, (Near Pt. JLN Govt. Medical College)
Contact No.: 01899-350129
62305-18484, 70189-50289
Email: modgildiagnosticlabchamba@gmail.com

न्यूज शॉर्ट्स

केतन मर्डर: सिया-चेतन को न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी, पुणे। केतन अग्रवाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद शुक्रवार को एक बार फिर वडगांव मावल कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान अदालत परिसर और उसके आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सुनवाई के बाद अदालत ने दोनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दोनों आरोपियों को पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद शुक्रवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एएम विभूते की अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने दोनों की तीन दिन की अतिरिक्त पुलिस रिमांड मांगी थी। (अनंत ज्ञान)

चलते ई-रिक्शे रोकने वाले चाइनीज ऐप्स बंद

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-रिक्शा को दूर से बंद करने में इस्तेमाल हो रहे चीनी मोबाइल ऐप्स पर कार्रवाई शुरू कर दी है। सरकार ने बीएटी-बीएमएस, लॉसिजी और इपोच ली-आयन जैसे ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर से हटाने के निर्देश दिए हैं। सोशल मीडिया पर इन ऐप्स के जरिए ब्लूटूथ आधारित लिथियम बैटरी वाले ई-रिक्शा को चलते-चलते बंद करने के वीडियो वायरल होने के बाद यह कदम उठाया गया। सरकार के अनुसार, ये ऐप्स बैटरी की निगरानी और सर्विसिंग के लिए बनाए गए थे, लेकिन इनका दुरुपयोग किया जा रहा था। आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा कि ऐप स्टोर संचालकों को ऐसे ऐप्स की कड़ी जांच करनी होगी। सरकार भविष्य में सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बनने वाले ऐप्स पर भी सख्त कार्रवाई करेगी। (अनंत ज्ञान)

5.65 अरब डॉलर घटा देश का विदेशी मुद्रा भंडार

एजेंसी, नई दिल्ली। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 26 जून को समाप्त सप्ताह के दौरान 5.654 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 666.933 अरब डॉलर रह गया, जबकि इससे पिछले सप्ताह यह 672.58 अरब डॉलर था। गिरावट की प्रमुख वजह स्वर्ण भंडार और विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी रही। इस दौरान विदेशी मुद्रा आस्तियां 15 करोड़ डॉलर घटकर 541.07 अरब डॉलर और स्वर्ण भंडार 5.39 अरब डॉलर घटकर 102.54 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 8.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.56 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, आईएमएफ में भारत का आरक्षित कोष घटकर 4.77 अरब डॉलर रह गया। (अनंत ज्ञान)

सीएम सुक्खू की वन विकास निगम कर्मियों को सौगात, 3 प्रतिशत मिलेगा महंगाई भत्ता

बोले-अनुबंध कर्मचारियों का नियमितीकरण और श्रमिकों की बढ़ेगी न्यूनतम मजदूरी

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वन विकास निगम के कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए उनके हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आयोजित हिमाचल प्रदेश राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के निदेशक मंडल की 216वीं बैठक में कर्मचारियों के लिए 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता, 175 कर्मचारियों को बोनस, दैनिक वेतनभोगियों और अनुबंध कर्मचारियों के नियमितीकरण के साथ-साथ श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निगम को आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनाने के लिए भी कई रणनीतिक कदमों पर सहमति बनी।

बैठक में पहली अप्रैल, 2026 की अधिसूचना के अनुसार उन दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की सेवाएं नियमित करने का निर्णय लिया गया, जिन्होंने पिछले चार वर्षों में प्रत्येक वर्ष 240 दिन का कार्य पूरा किया है। साथ ही प्रदेश सरकार की नीति के तहत पात्र अनुबंध कर्मचारियों के नियमितीकरण को भी हरी झंडी दी गई। इसके अतिरिक्त विभिन्न श्रेणियों के श्रमिकों की न्यूनतम दैनिक मजदूरी 425 रुपए से बढ़ाकर 450 रुपए करने को मंजूरी दी गई, जो पहली अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगी।

बैठक में बिलासपुर स्थित रेजिन एवं टरपेंटाइन फैक्ट्री के आधुनिकीकरण से राजस्व में हुई उल्लेखनीय बढ़ोतरी की समीक्षा की गई। सकारात्मक परिणामों को देखते हुए निदेशक मंडल ने अब नाहन स्थित आरएंडटी फैक्टरी के आधुनिकीकरण का भी निर्णय लिया, ताकि उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ निगम की आय में और अधिक वृद्धि सुनिश्चित की जा सके।

राज्य वन विकास निगम के निदेशक मंडल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीएम सुक्खू।

राजस्व बढ़ाने को लेकर हुआ मंथन

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने निगम की वित्तीय स्थिति मजबूत बनाने के लिए प्रबंधन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को राजस्व बढ़ाने, कार्यकुशलता में सुधार लाने तथा निगम की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए नवाचार आधारित कदम लगातार उठाने के निर्देश दिए। बैठक में उपाध्यक्ष केहर सिंह खाची, मुख्य सचिव केके पंत, वन बल प्रमुख एवं प्रबंध निदेशक संजय सूद सहित निदेशक मंडल के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

किन्नौर में बादल फटा, एनएच-05 बंद

कुल्लू-चंबा समेत हिमाचल की 60 सड़कें बाधित, बिजली-पानी आपूर्ति प्रभावित

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार मानसूनी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, प्रदेश में कुल 60 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। किन्नौर जिले में बादल फटने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-05 (एनएच-05) भी बाधित हो गया है, जिससे आवागमन पर व्यापक असर पड़ा है।

मानसून सीजन की शुरुआत से अब तक राज्य में कई लोगों की मौत हो चुकी है और कई अन्य घायल हुए हैं, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचा है।

वहीं, कुल्लू सबसे अधिक प्रभावित है, जहां 30 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा सिरमौर में 14, चंबा में 7, मंडी में 5, लाहौल-स्पीति में 2, ऊना में 2 और किन्नौर में 1 सड़क बंद है। किन्नौर के चोलिंग मिडल स्कूल के पास बादल फटने से एनएच-05 अवरुद्ध हो गया है, जिससे पूरे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई है। वहीं, लाहौल-स्पीति में अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल से सरचू तक युमरंग के पास भी मार्ग बंद है। उधर, भारी बारिश का असर बिजली आपूर्ति पर भी पड़ा है। मंडी जिले में सबसे अधिक 38 बिजली ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा चंबा में 8, किन्नौर में 1 और लाहौल-स्पीति में 1 ट्रांसफार्मर बंद हैं, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली संकट गहरा गया है। पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। विशेष रूप से चंबा जिले में 27 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं।

मकानों और गोशालाओं को भी नुकसान

क्षति के आंकड़ों के अनुसार, एक कच्चा मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गया है, जबकि सात कच्चे मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा दो गोशालाएं भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। राज्य सरकार ने प्रभावित लोगों के लिए अब तक लगभग 44 लाख रुपए की अनुग्रह राशि स्वीकृत की है। वहीं, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने, नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने तथा प्रशासन और मौसम विभाग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। लगातार बारिश को देखते हुए आने वाले दिनों में भी स्थिति गंभीर बनी रहने की आशंका जताई गई है

जून के बिजली बिल में नहीं लगेगा फ्यूल चार्ज

अनंत ज्ञान

- विद्युत बोर्ड की नई याचिका पर नियामक आयोग करेगा फैसला
- फिलहाल उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा अतिरिक्त बोझ

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के लाखों बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। जुलाई में जारी होने वाले जून माह के बिजली बिलों में इस बार किसी भी प्रकार का फ्यूल चार्ज नहीं जोड़ा जाएगा।

हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड ने अप्रैल 2026 के बाद अतिरिक्त बिजली खरीद पर हुए खर्च की वसूली के लिए हिमाचल प्रदेश विद्युत नियामक आयोग में नई याचिका दायर की है। जब तक आयोग इस पर अंतिम निर्णय नहीं लेता, तब तक घरेलू, व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को अतिरिक्त भुगतान नहीं करना पड़ेगा। इससे फिलहाल उपभोक्ताओं के बिजली बिलों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं बढ़ेगा और उन्हें तत्काल राहत मिलेगी।

जानकारी के अनुसार, हालांकि यह राहत स्थायी नहीं मानी जा रही है। अब पूरा मामला विद्युत नियामक आयोग के निर्णय पर निर्भर करेगा। आयोग यह तय करेगा कि अतिरिक्त लागत की भरपाई उपभोक्ताओं से अलग से फ्यूल चार्ज के रूप में वसूली जाए या फिर आगामी टैरिफ आदेश में एरियर के रूप में समायोजित किया जाए। यदि आयोग फ्यूल चार्ज लगाने की अनुमति देता है तो यह राशि भविष्य के बिजली बिलों में अलग मद के रूप में दिखाई देगी, जबकि एरियर टैरिफ लागू होने की स्थिति में इसका असर आगामी बिजली दरों पर पड़ सकता है। ऐसे में फिलहाल राहत जरूर मिली है, लेकिन अंतिम तस्वीर आयोग के फैसले के बाद ही साफ होगी।

आरएसएस बोला-चढ़ावा चोरी से रामभक्त आहत

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने वीडियो संदेश में कहा कि यह घटना श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने वाली है और मंदिर की व्यवस्था में मौजूद कमियों को गंभीरता से सुधारने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मंदिर प्रबंधन और जांच एजेंसियों को मिलकर पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

होसबाले ने यह भी कहा कि इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (स्ढ्ढ) गठित किया गया है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने समाज से संयम बनाए रखने और किसी भी तरह के भ्रम या अफवाह से बचने की अपील की। (अनंत ज्ञान)

सीएम सुक्खू को जान से मारने की धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

- सोशल मीडिया में आपत्तिजनक वीडियो डाल कर दी थी धमकी

हमीरपुर। सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के खिलाफ कथित आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आने के बाद हमीरपुर पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद युवक को गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। अब पुलिस वीडियो बनाने के उद्देश्य, उसके प्रसारण और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की गहन जांच में जुट गई है। अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच के दौरान किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार, शिवनगर निवासी विश्व शामा ने बुधवार को पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि एक व्यक्ति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से ऐसा वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें मुख्यमंत्री सुक्खू के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया है। शिकायत के अनुसार वीडियो में मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। इसके अलावा वीडियो में एक विशेष समुदाय के खिलाफ भी कथित रूप से अभद्र टिप्पणियां की गई थीं, जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका जताई गई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी और युवक को गिरफ्तार कर लिया।

एटीएस ने गुजरात-मध्य प्रदेश से जैश के 8 संदिग्ध आतंकी किए गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

गुजरात आतंकवाद निरोधक (एटीएस) दस्ते ने गुजरात और मध्य प्रदेश से प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैसे मोहम्मद के आठ संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है इनमें साथ को गुजरात के पतन एवं नवसारी से पड़ा है, जबकि एक बिलाल दुर्रानी घाघरा को मध्य प्रदेश के देवास से गिरफ्तार किया है। गुजरात में जैश ऐ मोहम्मद का आतंकी नेटवर्क खड़ा करने के लिए यह स्लीपर सेल की तैयारी कर रहे थे।

इंटरनेट मीडिया के माध्यम से यह पाकिस्तान स्थित अपने आंखों से जुड़े हुए थे और उनसे आतंकी गतिविधियों और स्लीपर सेल के बारे में जानकारी साझा करते थे। आतंकवाद निरोधक दस्ते इसे प्रारंभिक पूछताछ के बाद बताया कि वह गुजरात में जैश ए मोहम्मद का एक आतंकी नेटवर्क बनाना चाहते थे, ताकि किसी बड़ी साजिश को अंजाम दे सके अधिकारियों ने बताया कि यह संगठन पर नए सदस्य बनाने, चरमपंथी विचारधारा फैलाने और आतंकी गतिविधियों के लिए सपोर्ट नेटवर्क तैयार करने का काम कर रहा था। ये आरोपी गुजरात के बनासकांठा, पाटन और नवसारी जिलों और मध्य प्रदेश के देवास के रहने वाले हैं। (अनंत ज्ञान)

52 हजार करोड़ की मेगा डिफेंस डील को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

- ड्रोन और टैंकों से निपटने की ताकत होगी मजबूत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में करीब 52 हजार करोड़ रुपए की रक्षा खरीद योजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई। इन योजनाओं के तहत थल सेना, नौसेना और वायुसेना को अत्याधुनिक हथियार, मिसाइलें, ड्रोन रोधी प्रणाली, हवाई सुरक्षा प्रणाली और निगरानी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे देश की युद्ध तैयारी और सुरक्षा क्षमता पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी।

थल सेना के लिए ड्रोन रोधी इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली आकाश तरंग, कंधे से दागी जाने वाली टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की हवाई सुरक्षा मिसाइल प्रणाली, बेहद कम दूरी की हवाई सुरक्षा प्रणाली, टैंकों की सुरक्षा प्रणाली और जेट आधारित आत्मघाती ड्रोन प्रणाली की खरीद को मंजूरी दी गई है। इससे सेना की मारक क्षमता और सुरक्षा दोनों बढ़ेंगी।

आकाश तरंग सेना को दुश्मन के ड्रोन हमलों से प्रभावी सुरक्षा देगा। कंधे से दागी जाने वाली टैंक रोधी मिसाइल दुश्मन के टैंक और बख्तरबंद वाहनों को नष्ट करने में मदद करेगी। वहीं मध्यम दूरी की हवाई सुरक्षा मिसाइल प्रणाली दुश्मन के हवाई खतरों को समय रहते रोकने में सक्षम होगी। (अनंत ज्ञान)

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की निजी बिजली कंपनियों के कैग ऑडिट पर लगाई रोक

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार द्वारा तीन प्राइवेट बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के कैग ऑडिट के आदेश पर रोक लगा दी। यह मामला उपभोक्ताओं से वसूले जाने वाले 'रेगुलेटरी एसेट्स' (आरए) के तौर पर वर्षों में जमा हुए भारी-भरकम 38,500 करोड़ रुपए से जुड़ा है। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस चंद्रशेखर की बेंच ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। बेंच ने कहा कि बिजली रेगुलेटर 'दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन' (डीईआरसी) के कैग को नियुक्त करने के फैसले की कानूनी वैधता पर सवाल उठते हैं, जिन पर न्यायिक निर्णय की जरूरत है। (अनंत ज्ञान)

ABHILASHI
GROUP OF INSTITUTIONS
NER CHOWK, TEHSIL BALH, DISTT. MANDI (H.P.)
COURSES OFFERED 2026-27
Approved By: AICTE, PCI, NCTE, INC, HPNRC, Affiliated to: HPU/SPU, HPTU, HPTSB & HPBOSE
T.R. ABHILASHI MEMORIAL INSTITUTE OF ENGG. & TECH.
B.TECH (CE/EE/CSE) DIPLOMA (CE/EE)
T.R. ABHILASHI MEMORIAL ITI INSTITUTE
ITI in SANITARY HEALTH INSPECTOR ELECTRICIAN, FITTER
ABHILASHI COLLEGE OF PHARMACY
B. PHARMACY
ABHILASHI P.G. INSTITUTE OF SCIENCES
M.Sc in CHEMISTRY/ BOTANY
ABHILASHI COLLEGE OF NURSING
B.Sc. NURSING | M.Sc. NURSING
POST BASIC B.Sc. NURSING
GNM
ABHILASHI COLLEGE OF EDUCATION
B.Ed
D.EL.Ed
Accredited by NAAC with B++ Grade
SCHOLARSHIP available to SC/ST STUDENTS T & C Apply
H.O. NER CHOWK, TEHSIL BALH, DISTT. MANDI, HIMACHAL PRADESH
9459052533, 9816242139, 9816102238
Website: www.tramiet.in, www.abhilashi-edu.in Email: abhilashigroup@gmail.com

उपलब्धि: मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में बेहतर प्रदर्शन से प्रदेश को मिली राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

सुमन रोडमैप-2030 की हाई-फोकस सूची से हिमाचल बाहर

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, शिमला। मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा तैयार किए गए सुमन रोडमैप 2030 में देश के 13 राज्यों के 130 हाई-फोकस जिलों की पहचान की गई है। इन जिलों में मातृ मृत्यु दर नवजात मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर में सुधार के लिए विशेष रणनीति के तहत कार्य किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश का एक भी जिला इस हाई-फोकस सूची में शामिल नहीं है, जिसे प्रदेश के बेहतर स्वास्थ्य संकेतकों का सकारात्मक प्रमाण माना जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि हिमाचल प्रदेश ने पिछले वर्षों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। संस्थागत प्रसव में वृद्धि, गर्भवती महिलाओं की नियमित प्रसवपूर्व जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान, नवजात शिशुओं के लिए विशेष देखभाल इकाइयों का विस्तार, पूर्ण टीकाकरण, पोषण कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में शिशु एवं नवजात मृत्यु दर में लगातार कमी आई है।

प्रदेश में वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए जिला एवं क्षेत्रीय अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत बनाने तथा दूरदराज़ क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों पर भी दिखाई दे रहा है।

सुमन रोडमैप 2030 के लिए जिन जिलों का चयन किया गया है, वहां मातृ एवं नवजात मृत्यु दर अपेक्षाकृत अधिक है अथवा स्वास्थ्य सेवाओं में अतिरिक्त सुधार की आवश्यकता है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश के किसी भी जिले का इस सूची में शामिल न होना इस बात का संकेत है कि प्रदेश के अधिकांश स्वास्थ्य संकेतक राष्ट्रीय स्तर पर संतोषजनक स्थिति में हैं।

हालांकि, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि यह उपलब्धि अंतिम लक्ष्य नहीं है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को और कम करने, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने तथा हर गर्भवती महिला और नवजात तक समय पर उपचार पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक रहेंगे।

बेहतर स्वास्थ्य का हिमाचल मॉडल

केंद्र सरकार का सुमन रोडमैप-2030 वर्ष 2030 तक रोकी जा सकने वाली मातृ एवं नवजात मौतों में उल्लेखनीय कमी लाने का राष्ट्रीय विजन है। हिमाचल प्रदेश का हाई-फोकस सूची से बाहर रहना इस दिशा में राज्य के बेहतर प्रदर्शन का संकेत है। वहीं, प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाकर इस उपलब्धि को बनाए रखने की दिशा में कार्य कर रही है।

एचपीयू की सहायक प्रोफेसर भर्ती पर रद्द करने की मांग

सहायक प्रोफेसर भर्ती मामले में शिकायत पत्र सौंपते एसएफआई के पदाधिकारी।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर, कॉमर्स की भर्ती को लेकर एसएफआई ने गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। संगठन ने कुलपति को कुलसचिव के माध्यम से शिकायत सौंपते हुए दावा किया कि विज्ञापन संख्या 17/2019 के तहत हुई नियुक्ति में अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन को स्वीकार किया गया तथा आवश्यक शैक्षणिक योग्यता पूरी न होने के बावजूद अभ्यर्थी को चयनित किया गया। एसएफआई ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय के विभागीय निर्णयों और वैधानिक प्रावधानों की अनदेखी कर भर्ती प्रक्रिया पूरी की गई, जिससे पात्र अभ्यर्थियों के समान अवसर के अधिकार प्रभावित हुए। एसएफआई ने पूरे मामले की स्वतंत्र जांच, नियुक्ति रद्द करने, संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत एफआईआर दर्ज करने तथा तत्कालीन कुलपति की भूमिका की न्यायिक जांच की मांग की है। संगठन का कहना है कि यदि निर्धारित समय के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार किया गया और नियमों के विपरीत नियुक्ति की गई, तो यह गंभीर जवाबदेही का मामला है।

◆ एसएफआई ने लगाए अनियमितताओं के आरोप

एसएफआई ने चेतावनी दी कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिकायत पर समयबद्ध और पारदर्शी कार्रवाई नहीं की तो छात्र समुदाय के साथ व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन चलाया जाएगा तथा मामला राज्य सरकार, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सहित अन्य सक्षम संस्थाओं के समक्ष भी उठाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के जज से कराई जाए राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच : कुलदीप

कहा- दोषियों को बचाने को नहीं, बल्कि जेल भेजने के लिए हो कार्रवाई

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के कथित मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति भी गर्मा गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं ठियोग के विधायक कुलदीप राठौर ने शुक्रवार को शिमला स्थित राजीव भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि इस संवेदनशील मामले में वास्तविक दोषियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस प्रकरण की निष्पक्षता पर किसी प्रकार का संदेह नहीं रहना चाहिए, इसलिए इसकी जांच सर्वोच्च न्यायालय के सिटिंग जज की निगरानी में कराई जाए। राठौर ने कहा कि यदि सरकार पारदर्शी है तो उसे उच्चस्तरीय न्यायिक जांच से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मामले में संलिप्त सभी लोगों की तत्काल गिरफ्तारी कर कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि देशभर के श्रद्धालुओं का विश्वास कायम रह सके।

शिमला में पत्रकार वार्ता करते कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुलदीप राठौर। अनंत ज्ञान

राठौर ने कहा कि धार्मिक संस्थानों से जुड़े मामलों में जवाबदेही और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता को संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस पूरे मामले में गंभीरता दिखाने के बजाय आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी और निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग करती रहेगी। उन्होंने कहा कि आस्था के नाम पर किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या चोरी को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता और सच सामने लाने के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट की कमान ऐसे लोगों को सौंपी गई जिन पर अब सवाल उठ रहे हैं। राठौर ने दावा किया कि यह मामला केवल 200 करोड़ रुपए का नहीं, बल्कि हजारों करोड़ रुपए के चढ़ावे से जुड़ा है। उनका आरोप था कि जांच के लिए गठित एसआईटी उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार के इशारों पर काम कर रही है तथा वास्तविक दोषियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

◆ कहा- सिफ 200 करोड़ नहीं, हजारों करोड़ रुपए के चढ़ावे से जुड़ा है मामला

भाजपा की गलत नीतियों के कारण छोड़ी पार्टी : बृजलाल

अनंत ज्ञान

आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर। बीजेपी छोड़ कर कांग्रेस में हुए पूर्व भाजपा नेता एवं पूर्व कैलाश फेडरेशन अध्यक्ष बृजलाल ने आज एक प्रेस वार्ता में अपने दिल के राज साझा किए। उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा पर आरोप लगाया कि वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की पार्टी में कोई पूछ नहीं है उन्हें सम्मान नहीं दिया जाता है। इन्हीं गलत नीतियों के कारण उन्होंने बीते रोज अपने करीब ढाई सौ से ज्यादा समर्थकों के साथ बिना शर्त भाजपा छोड़ कर कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की, इनमें 30 से ज्यादा रामपुर विधानसभा के भाजपा पदाधिकारी भी मौजूद हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा उनके खिलाफ की गई टिप्पणी का कड़ा संज्ञान लेते हुए उन्हेंने उन्हें आड़े हाथों लिया।

उन्होंने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज और गणेश दत्त को चेतावनी दी कि मुझ पर टिप्पणी करने के बजाय वे अपने गिरेबान में झांके। एक वरिष्ठ नागरिक के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करना कहां तक तर्क संगत है। यदि अब भी वे अनाप-शनाप बयान बाजी से बाज नहीं आए तो उनके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने इस बात से साफ इनकार किया कि वे रामपुर से कांग्रेस के टिकट के इच्छुक हैं, उन्होंने कांग्रेस में बिना शर्त वापसी की है। बृजलाल ने प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी दी कि उन्होंने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह व मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मांग रखी की प्रदेश में जब भी नए जिले बनाने का प्रस्ताव होगा तो रामपुर को भी जिला बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने इस मांग को सहानुभूति पूर्वक हल करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने रामपुर में भाजपा द्वारा बाहरी व्यक्ति को पार्टी प्रत्याशी बनाने पर भी कड़ी आपत्ति जाहिर की है। प्रेस वार्ता के दौरान ब्राह्मण समाज सुधार सभा के अध्यक्ष राम रतन शर्मा विशेष तौर पर मौजूद रहे।

रामपुर में प्रेस वार्ता करते बृजलाल।

◆ कहा- टिप्पणी करने वाले पहले अपने गिरेबान में झाकें

प्रशासन सेब सीजन से पहले दुरुस्त करे सड़कें

जिला परिषद सदस्य अतुल शर्मा ने अतिरिक्त उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। सेब सीजन शुरू होने से पहले ऊपरी शिमला की सड़क व्यवस्था व प्रशासनिक तैयारियों को लेकर चौपाल विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या-15 गोरली मडावग से जिला परिषद सदस्य अतुल शर्मा ने अतिरिक्त उपायुक्त शिमला को विस्तृत ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार सेब उत्पादन है और हजारों किसान-बागवान पूरे वर्ष की आय के लिए इसी फसल पर निर्भर रहते हैं। पिछले वर्ष प्रशासनिक तैयारियों के अभाव में एचपीएमसी के गोदामों, बगीचों और सड़कों पर हजारों टन सेब फंसने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। इस वर्ष भी 15 जुलाई से सेब सीजन शुरू होने वाला है, लेकिन बरसात के बीच अभी तक सड़कों की मरम्मत और परिवहन व्यवस्था को लेकर संतोषजनक तैयारियां नजर नहीं आ रही हैं। उन्होंने करगोली नाला-देहा मुख्य मार्ग, देहा-चौपाल सड़क, सरांह-जोड़ना-पुलबाहल-नेरीपुल मार्ग तथा बमटा-मडावग-खिड़की सड़क सहित कई महत्वपूर्ण मार्गों की खराब स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि समय रहते इन्हें दुरुस्त नहीं किया गया तो सेब परिवहन गंभीर रूप से प्रभावित होगा। उन्होंने पंचायत स्तर पर लिंक रोड खोलने के लिए विशेष फंड जारी करने, एचपीएमसी का किसानों पर लंबित भुगतान शीघ्र जारी करने तथा आढ़तियों द्वारा किसानों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई।

शिमला में एडीसी को ज्ञापन सौंपते जिला परिषद सदस्य अतुल शर्मा एवं अन्य।

पांच साल पुराने मामले में उद्घोषित अपराधी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

शिमला। शिमला पुलिस ने उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रामपुर उपमंडल से एक उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी को पुलिस थाना रामपुर और पीओ सेल रामपुर की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को जाहू डीम क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उसे अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रामपुर की अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक यह मामला पुलिस थाना ननखड़ी में 4 फरवरी 2021 को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। इस मामले में आरोपी भगत राम (46), पुत्र शेर सिंह, निवासी तहसील ननखड़ी, जिला शिमला पर घर में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने, मारपीट करने, गाली-गलौज करने, जान से मारने की धमकी देने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। मामला भारतीय दंड संहिता की धाराओं 452, 504, 506 और 427 के तहत दर्ज किया गया था।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मामला अदालत में विचाराधीन है। सुनवाई के दौरान लगातार अनुपस्थित रहने पर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रामपुर ने 17 फरवरी 2026 को आरोपी को उद्घोषित अपराधी घोषित कर दिया था। शिमला पुलिस का कहना है कि उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। न्यायालय की प्रक्रिया से बचने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी कर उन्हें कानून के दायरे में लाना पुलिस की प्राथमिकता है।

अधर में लटका पुंगरिश-चैंथला पुल

दो महीने से रुका निर्माण कार्य, सामग्री की कमी बनी बड़ी वजह

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिला शिमला के कोटखाई उपमंडल के तहत पुंगरिश-चैंथला संपर्क सड़क पर क्षतिग्रस्त पुल का निर्माण कार्य पिछले कुछ दिनों से अधूरा पड़ा है। पुल टूटने के बाद विभाग ने इसका पुनर्निर्माण शुरू तो किया, लेकिन अब निर्माण सामग्री की कमी के कारण काम पूरी तरह रुक गया है। बरसात का दौर शुरू होने के बीच पुल का निर्माण अधर में लटकने से क्षेत्र के लोगों और विशेषकर बागवानों की चिंता बढ़ गई है। आने वाले सेब सीजन में हजारों पेटियों को मंडियों तक पहुंचाने के लिए यही मुख्य मार्ग है, लेकिन पुल बंद होने से लोगों को बदहाल और लंबे वैकल्पिक मार्ग का सहारा लेना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द पुल निर्माण दोबारा शुरू नहीं हुआ तो सेब सीजन के दौरान बागवानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार फिलहाल निर्माण सामग्री उपलब्ध नहीं होने के कारण कार्य रोकना पड़ा है और सामग्री पहुंचने के बाद ही काम दोबारा शुरू किया जाएगा। हालांकि बरसात शुरू होने से अब यह भी चिंता बढ़ गई है कि निर्माण कार्य कब तक पूरा हो पाएगा। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन व संबंधित विभाग से पुल निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने की मांग की है।

पुंगरिश-चैंथला संपर्क सड़क पर निर्माणाधीन पुल। अनंत ज्ञान

अब प्रशासन की निगरानी में रहेगा सनराइज पैराडाइज स्कूल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। संजौली स्थित सनराइज पैराडाइज पब्लिक स्कूल में जिला प्रशासन की ओर से नियुक्त प्रशासक एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (प्रोटोकॉल) ज्योति राणा ने शुक्रवार को विद्यालय का विस्तृत प्रशासनिक निरीक्षण कर शैक्षणिक और व्यवस्थागत हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और पढ़ाई, शिक्षकों की उपलब्धता, कक्षाओं के संचालन तथा विद्यालय में मिल रही सुविधाओं को लेकर उनकी राय जानी।

विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं और सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए ज्योति राणा ने भरोसा दिलाया कि उनकी शिक्षा और भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होने दिया जाएगा तथा विद्यालय में नियमित और व्यवस्थित रूप से शैक्षणिक गतिविधियां संचालित कराई जाएंगी। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था और शिक्षण वातावरण का भी गहन अवलोकन किया गया। ज्योति राणा ने विद्यालय प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन लगातार विद्यालय की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है और समय-समय पर निरीक्षण जारी रहेंगे, ताकि किसी भी छात्र की पढ़ाई प्रभावित न हो। साथ ही अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और किसी भी समस्या या सुझाव को प्रशासन के साथ साझा करने की अपील करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशासन, शिक्षक, विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों के सामूहिक सहयोग से विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार होगा।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के भरोसे आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी पीरन

वर्षों से रिक्त पड़े हैं डॉक्टर और फार्मासिस्ट के पद, स्टाफ न होने से मरीज परेशान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। मशोबरा के तहत पीरन पंचायत में संचालित आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी आज स्टाफ की भारी कमी के कारण अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। वर्तमान में पूरी डिस्पेंसरी का संचालन केवल एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के भरोसे हो रहा है। करीब दो वर्ष पहले यहां से आयुर्वेदिक चिकित्सक का तबादला बिलासपुर किए जाने के बाद से चिकित्सक का पद रिक्त पड़ा है, जबकि फार्मासिस्ट का पद पिछले तीन वर्षों से खाली है। प्रशिक्षित दाई का पद भी लगभग 30 वर्षों से नहीं भरा गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि एक समय इस डिस्पेंसरी में चिकित्सक सहित चार कर्मचारी सेवाएं देते थे, लेकिन आज आवश्यक स्टाफ के अभाव में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि राज्य सरकार द्वारा बिना स्टाफ वाले आयुर्वेदिक संस्थानों को बंद करने की प्रक्रिया के बीच पीरन डिस्पेंसरी भी कहीं बंद न कर दी जाए। पहले इस संस्थान में पीरन पंचायत के साथ-साथ सतलाई, बलोग और सिरमौर जिले की सीमा से सटी कोटला बांगी पंचायत के लोग भी उपचार के लिए पहुंचते थे। वर्तमान में भी यहां प्रतिमाह लगभग 250 मरीज ओपीडी में उपचार के लिए आते हैं, जिसकी जानकारी डिस्पेंसरी के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कमल वर्मा ने दी।

पीरन पंचायत स्थित आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी भवन। अनंत ज्ञान

सरकार से खाली पद जल्द भरने की गुहार

पीरन पंचायत के पूर्व प्रधान दयाराम वर्मा, दौलत राम मेहता, पूर्व प्रधान कमलेश ठाकुर, प्रीतम सिंह ठाकुर, प्रेमदास शर्मा और रामगोपाल मेहता सहित अन्य ग्रामीणों ने सरकार से चिकित्सक और फार्मासिस्ट के रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि स्टाफ की कमी के कारण डिस्पेंसरी को बंद किया गया तो पंचायत के लोगों को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उनका कहना है कि यह स्वास्थ्य संस्थान दशकों से क्षेत्र के हजारों लोगों को आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध करा रहा है और इसे कमजोर करना ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। उधर, जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. अश्वीन शर्मा ने बताया कि चिकित्सक का पद भरने का मामला उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाया जा चुका है और सरकार से जल्द रिक्त पदों को भरने की उम्मीद है।

एचआरटीसी कंडक्टर का इंस्पेक्टर पर जबरन रिपोर्ट बनाने का आरोप

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल पथ परिवहन निगम के तारादेवी डिपो में तैनात एक परिचालक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में परिचालक गीतानंद ने आरोप लगाया है कि बस की नियमित जांच के दौरान विभागीय इंस्पेक्टर ने बिना किसी गलती के उसके खिलाफ रिपोर्ट तैयार कर दी। परिचालक का दावा है कि बस में मौजूद सभी 48 यात्रियों से उसने बार-बार पूछा कि कहीं कोई बिना टिकट तो यात्रा नहीं कर रहा, लेकिन जांच के दौरान एक यात्री के पास टिकट नहीं मिलने पर पूरी जिम्मेदारी उस पर डाल दी गई। गीतानंद का कहना है कि गलती यात्री की थी, फिर भी कार्रवाई उसके खिलाफ की जा रही है। वीडियो में बस में मौजूद कई यात्री भी परिचालक के समर्थन में दिखाई देते हैं और उनका कहना है कि परिचालक ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से निभाई थी। परिचालक ने यह भी आरोप लगाया कि इससे पहले नेरवा में भी उसके खिलाफ 280 रुपए की कथित गलत रिपोर्ट बनाई गई थी, जिसके आधार पर उस पर 14 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया और बाद में उसे वहां से हटाकर तारादेवी डिपो भेज दिया गया। मामला सामने आने के बाद एचआरटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक ने पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आरएम ने यह भी बताया कि नेरवा में हुई पूर्व कार्रवाई भी विस्तृत जांच के बाद ही की गई थी और उसके बाद ही संबंधित परिचालक पर जुर्माना लगाया गया था।

◆ वायरल वीडियो में परिचालक के पक्ष में सवारियां, जांच के आदेश

खलीनी में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान में मनाया पार्वती जन्मोत्सव

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला के खलीनी में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा आयोजित सात दिवसीय भगवान शिव कथा के चौथे दिन माता पार्वती का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कथा वाचन करते हुए डॉ. सर्वेश्वर ने बताया कि महाराज हिमवान और महारानी मैना ने 27 वर्षों तक कठोर तपस्या कर आदिशक्ति जगदंबिका से पुत्री रूप में जन्म लेने का वरदान प्राप्त किया, जिसके फलस्वरूप माता पार्वती का अवतार हुआ। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में पुत्री को देवी स्वरूप मानकर उसका सम्मान किया जाता है, लेकिन वर्तमान समय में समाज में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध चिंता का विषय हैं।

डॉ. सर्वेश्वर ने कहा कि नारी को अपनी आंतरिक शक्ति और आत्मस्वरूप की पहचान करनी होगी। उन्होंने कहा कि बाहरी सौंदर्य से अधिक महत्वपूर्ण आत्मा का तेज है, जिसे ब्रह्मज्ञान और आत्मदर्शन से जागृत किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि दिव्य ज्योति जागृति संस्थान अपने संतुलन प्रकल्प के माध्यम से महिलाओं को आत्मबोध और आध्यात्मिक ज्ञान देकर उन्हें सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा, सूद सभा शिमला के अध्यक्ष राजीव सूद, विकास कपूर, विशाल शर्मा और लितेश कुमार ने आरती एवं पूजन में भाग लिया।

खलीनी में भगवान शिव कथा सुनते श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

पर्यटन

गोबिंदसागर से चंबा तक जलाशयों में होंगे अंतरराष्ट्रीय स्तर के एडवेंचर स्पोर्ट्स : राज्यपाल

'चलो हिमाचल' अभियान से साहसिक पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश को साहसिक पर्यटन और जल क्रीड़ा गतिविधियों का राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्यपाल ने शुक्रवार को राजभवन स्थित लोक भवन में 'चलो हिमाचल' अभियान का पोस्टर जारी किया। इस अवसर पर गोबिंदसागर एडवेंचर एंड वाटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की और अभियान की विस्तृत रूपरेखा से अवगत कराया। राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक सौंदर्य, विशाल जलाशयों और साहसिक गतिविधियों की अपार संभावनाओं से समृद्ध राज्य है। यदि इन संसाधनों का योजनाबद्ध और प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए तो प्रदेश देश-विदेश के पर्यटकों की पहली पसंद बन सकता है। राज्यपाल ने एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यटन प्रदेश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है और ऐसे अभियान न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेंगे, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित करेंगे। उन्होंने कहा कि साहसिक पर्यटन के विस्तार से स्थानीय व्यवसाय, होटल उद्योग, परिवहन, हस्तशिल्प तथा अन्य सेवाओं को भी व्यापक लाभ मिलेगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े संगठनों और स्थानीय समुदायों से मिलकर हिमाचल को एक सुरक्षित, आकर्षक और विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य बनाने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।

लोक भवन में 'चलो हिमाचल' अभियान का पोस्टर जारी करते राज्यपाल व अन्य। अनंत ज्ञान

एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य ईशान अख्तर ने राज्यपाल को चलो बिलासपुर, चलो हिमाचल अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि वर्षभर गोविंद सागर झील और कोल डैम जिला बिलासपुर, पोंग डैम जिला कांगड़ा तथा चमेरा डैम जिला चंबा में विभिन्न साहसिक खेल प्रतियोगिताओं और पर्यटन गतिविधियों का आयोजन प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रमों में वाटर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप, पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिताएं, कार एवं मोटरसाइकिल रेसिंग चैंपियनशिप के साथ-साथ बिलासपुर से भाखड़ा बांध तक लगभग 50 किलोमीटर की अंतरराष्ट्रीय ओपन वाटर स्विमिंग चैंपियनशिप का आयोजन भी शामिल है।

हिमाचल में साहसिक पर्यटन की असीम संभावनाएं

राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में साहसिक पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं और इनके विकास के लिए सरकार तथा निजी संस्थाओं के साझा प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि चलो हिमाचल अभियान प्रदेश की पर्यटन पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

न्यूज ब्रीफ

शाहपुर में दो युवकों से 6 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शाहपुर क्षेत्र में दो व्यक्तियों को 6 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना शाहपुर की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सिहोलपुरी के पास कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा। उनकी पहचान अभिनाश पटियाल और मान सिंह राणा, दोनों निवासी शाहपुर, के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। एसपी कांगड़ा कुलभूषण वर्मा ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

देवा नंद ने संभाला थाना प्रभारी का कार्यभार

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। फतेहपुर में पुलिस विभाग के फेरबदल के तहत देवा नंद शर्मा ने 30 जून को थाना प्रभारी का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने सेवानिवृत्त थाना प्रभारी पवन गुप्ता का स्थान लिया। कार्यभार संभालने के समय वे सब-इंस्पेक्टर थे, लेकिन 1 जुलाई को पदोन्नति मिलने के बाद उन्हें इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत कर दिया गया। पदोन्नति के बाद उन्होंने औपचारिक रूप से थाना प्रभारी के रूप में कार्य शुरू किया। देवा नंद शर्मा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत करना, नशे और विशेषकर चिट्टा तस्करी पर सख्त कार्रवाई करना रहेगा। उन्होंने जनता से पुलिस का सहयोग करने की अपील की और कहा कि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने शांति, सुरक्षा और अपराध मुक्त वातावरण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

सत्येंद्र कुमार गौतम बने प्रदेश उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन ने शाहपुर के गांव धडम्ब निवासी सत्येंद्र कुमार गौतम को हिमाचल प्रदेश में प्रदेश उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय संयोजक संजय अरोड़ा, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता शर्मा अरोड़ा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रवीण तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की अनुमति और प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी गुप्ता की संस्तुति पर की गई है। सत्येंद्र गौतम को कांगड़ा, चंबा, हमीरपुर और ऊना जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वर्तमान में वह ब्राह्मण समाज जिला कांगड़ा के अध्यक्ष, रोटरी फाउंडेशन सोसायटी शाहपुर के अध्यक्ष, सोसायटी फॉर एजुकेशन एंड अपलिफ्टमेंट के अध्यक्ष, रोटरी क्लब शाहपुर के पूर्व अध्यक्ष तथा भाजपा किसान मोर्चा जिला कांगड़ा के महासचिव सहित कई सामाजिक एवं संगठनात्मक दायित्व निभा रहे हैं।

छात्रों को नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ

अनंत ज्ञान, राकेश डोगरा, डरोह। शिवनगर कॉलेज में शुक्रवार को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन आईक्यूएसी संयोजक प्रो. राजेश कुमार ने किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता सिंह ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया तथा नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर प्राध्यापकों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों, परीक्षा प्रणाली, पुस्तकालय, छात्रवृत्ति, एनएसएस, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों सहित महाविद्यालय की अन्य सुविधाओं की जानकारी दी और विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

108 एंबुलेंस में करवाया सफल प्रसव

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। देहरा से डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर की गई एक गर्भवती महिला का शुक्रवार सुबह 108 एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया गया। 18 वर्षीय गीता पत्नी सूरजपाल को प्रसव पीड़ा होने पर पहले सिविल अस्पताल देहरा लाया गया, जहां से बेहतर उपचार के लिए टांडा रेफर किया गया। रानीताल के पास प्रसव पीड़ा तेज होने पर एंबुलेंस में तैनात फार्मासिस्ट दिनेश ने सूझबूझ और कुशलता का परिचय देते हुए महिला का सफल प्रसव कराया। महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। इसके बाद एंबुलेंस चालक ऋषि कुमार और फार्मासिस्ट दिनेश ने जच्चा और नवजात को सुरक्षित मेडिकल कॉलेज टांडा पहुंचाया, जहां दोनों को भर्ती कर आवश्यक चिकित्सा देखभाल दी जा रही है। इस मानवीय सेवा और तत्परता की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

32 एनसीसी कैडेट्स को मिला 'बी' प्रमाण पत्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला की एनसीसी विंग (1 एचपी गर्ल्स बटालियन, ऊना) के कैडेट्स ने योल कैंट और पपरोला में आयोजित दो संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में कैडेट्स ने बेस्ट कैडेट, बेस्ट पायलटिंग, एथलेटिक्स, शतरंज, निबंध लेखन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और ड्रिल स्क्वायर टेस्ट सहित कई सम्मान अपने नाम किए। शिविरों में प्रदेशभर के 500 से अधिक कैडेट्स ने भाग लिया। इसी क्रम में राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला में आयोजित समारोह में एनसीसी 'बी' प्रमाण पत्र परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 32 कैडेट्स को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. राकेश पठानिया, कैप्टन डॉ. मोनिका शर्मा सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे। प्राचार्य ने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

गढ़जमूला स्कूल में एनएसएस शिविर शुरू

अनंत ज्ञान, राकेश डोगरा, डरोह। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़जमूला में शुक्रवार से सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ। यह शिविर 3 से 9 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। शिविर का उद्घाटन बद्दी यूनिवर्सिटी ऑफ इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी के वाइस चांसलर जतिंदर कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्हें एनएसएस कैप और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक सेवा, अनुशासन और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान पौधारोपण, स्वच्छता अभियान और विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रधानाचार्य मीनू सूद ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। एनएसएस प्रभारी विकास नाग और ऊषा कुमारी ने विद्यार्थियों को शिविर की रूपरेखा से अवगत कराया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

नौकरी लेने के लिए सात को आएं नगरोटा

अनंत ज्ञान, कपिल वासुदेवा, नगरोटा बगवां। जिला रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने बताया कि सिस इंडिया लिमिटेड हमीरपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड एवं सुपरवाइजर के 150 पदों को भरने के लिए साक्षात्कार आयोजित किया जा रहा है। यह साक्षात्कार 7 जुलाई 2026 को सुबह 11 बजे उप रोजगार कार्यालय नगरोटा में होगा। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं या उससे अधिक निर्धारित की गई है तथा आयु सीमा 19 से 40 वर्ष रखी गई है। चयनित उम्मीदवारों को ₹17,500 से ₹23,000 प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को दो पासपोर्ट साइज फोटो, मूल प्रमाण पत्र, बायोडाटा, अनुभव प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज साथ लाने होंगे। साथ ही उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए 8558062252 पर संपर्क किया जा सकता है तथा आवेदन https://eemis.hp.nic.in पोर्टल पर किया जाएगा।

दो सप्ताह में सभी सहायक अभियंता कार्यालय होंगे डिजिटाइज : डॉ. जैन

तकनीक से मजबूत होगी जल शक्ति विभाग की कार्यप्रणाली, प्रधान सचिव के निर्देश

अनंत ज्ञान

अजय पाल, पालमपुर। जल शक्ति विभाग के प्रधान सचिव डॉ. अभिषेक जैन ने विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से सभी सहायक अभियंता (एई) कार्यालयों को आगामी दो सप्ताह के भीतर पूर्ण रूप से डिजिटाइज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सहायक अभियंता एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली तथा अधिशाषी अभियंता पांच करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली योजनाओं का स्वयं निरीक्षण करेंगे और इसकी रिपोर्ट नियमित रूप से प्रधान सचिव कार्यालय को भेजेंगे।

पालमपुर के विला केमेलिया होटल में आयोजित इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) एवं जल प्रबंधन में तकनीक के उपयोग विषयक कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. जैन ने कहा कि प्रत्येक माह योजनाओं के निरीक्षण की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक दो माह में एक दिन सभी अधिशाषी अभियंता अपने क्षेत्र के सबसे दूरस्थ गांव का दौरा कर पेयजल एवं अन्य योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन करेंगे और इसकी रिपोर्ट भी प्रधान सचिव कार्यालय को भेजेंगे।

डॉ. अभिषेक जैन को सम्मानित करते हुए। अनंत ज्ञान

डॉ. जैन ने बताया कि विभाग के 75 से अधिक अधिशाषी अभियंता कार्यालय, 23 अधीक्षण अभियंता कार्यालय, चार मुख्य अभियंता कार्यालय तथा प्रमुख अभियंता कार्यालय पहले ही डिजिटल हो चुके हैं। अब सहायक अभियंता कार्यालयों को भी पूर्ण रूप से डिजिटल किया जाएगा, जिससे कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और गति सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम में पालमपुर की महापौर राधा सूद, उप महापौर नीलम मलिक, प्रमुख अभियंता (प्रोजेक्ट जल शक्ति विभाग मंडी) डॉ. धर्मेंद्र गिल, मुख्य अभियंता धर्मशाला जोन दीपक गर्ग सहित विभाग के धर्मशाला जोन के सभी अधीक्षण अभियंता, अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता, विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी, पंचायती राज प्रतिनिधि और स्वयं सहायता समूह के पदाधिकारी मौजूद रहे।

17.46 ग्राम चिट्टे के साथ दो युवक गिरफ्तार, बाइक भी जब्त

अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, इंदौरा। नूरपुर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए बाईं इंदौरा के पास मोटरसाइकिल सवार दो युवकों से 17.46 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया गया।

गुप्त सूचना के आधार पर काठगढ़ से इंदौरा रोड के पास नाका लगाया गया था। जांच के दौरान एक काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल (एचपी 97ए 8273) को रोका गया, और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में तलाशी लेने पर दोनों आरोपियों के कब्जे से मादक पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही दोनों युवकों को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल व चिट्टा कब्जे में ले लिया। एएसपी धर्म चंद वर्मा ने बताया कि आरोपियों की पहचान साहिल कुमार उर्फ लब्बी (25), निवासी वार्ड नंबर 3, इंदौरा तथा नितिन कुमार उर्फ नन्नू (26), निवासी वार्ड नंबर 3, इंदौरा के रूप में हुई है।

दोनों के खिलाफ थाना इंदौरा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25 और 29 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा सके।

गगल एयरपोर्ट विस्तार : रछियालू में घर खाली करने के आदेश, 37 लाख मुआवजा ले चुके परिवारों को नोटिस तामील

अनंत ज्ञान

गगल (कांगड़ा)। गगल एयरपोर्ट विस्तार परियोजना के तहत विस्थापन प्रक्रिया अब तेज हो गई है। मोहाल रछियालू में प्रशासन ने उन परिवारों को घर खाली करने के आदेश जारी कर दिए हैं, जिन्हें भूमि, पेड़ों, मकानों के मुआवजे और पुनर्वास (R&R) के तहत प्रति परिवार लगभग 37 लाख रुपए की राशि पहले ही दी जा चुकी है। इन परिवारों को अब औपचारिक रूप से घर खाली करने के नोटिस तामील कराए गए हैं।

रछियालू पंचायत घर में इस संबंध में अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें एसडीएम कांगड़ा, एसडीएम शाहपुर, पुनर्वास विभाग के डीटीडीओ विनय धीमान, आर एंड आर टीम के सदस्य, स्पेशल लैंड एक्विजिशन विभाग के ओएसडी सहित अन्य अधिकारियों ने पंचायत प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा अक्टूबर 2024 में भूमि का अनिवार्य अधिग्रहण (Compulsory Acquisition) पहले ही पूरा किया जा चुका है।

प्रशासन के अनुसार, जिन परिवारों को पूरी मुआवजा राशि मिल चुकी है, उनके मकान खाली होते ही क्षेत्र को निर्माण एजेंसी को सौंप दिया जाएगा, ताकि परियोजना कार्य तेजी से आगे बढ़ सके। प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर रंजीत ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि पुनर्वास और पुनर्स्थापन (R&R) प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है और अब साइट क्लियर होते ही 3,010 मीटर लंबे रनवे के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए समय पर मकान खाली करने की अपील की है, ताकि एयरपोर्ट विस्तार कार्य बिना बाधा आगे बढ़ सके। प्रशासन ने यह भी बताया कि इसी क्रम में आगामी चरण में मोहाल क्योडिया में भी इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई जाएगी और संबंधित परिवारों को नोटिस जारी किए जाएंगे।

ढलियारा के पास फिर हादसा, बेकाबू कार ने गाड़ी को मारी टक्कर, दो गंभीर घायल

अनंत ज्ञान

डाडासीबा। नेशनल हाईवे-503 पर ढलियारा के समीप शुक्रवार सुबह एक बार फिर सड़क हादसा हो गया। चिंतपूर्णी की ओर से आ रही एक बेकाबू कार ने विपरीत दिशा से आ रहे वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए नागरिक अस्पताल देहरा भेजा गया। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार का ब्रेक सिस्टम ठीक से काम नहीं कर रहा था, जिसके चलते चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और सामने से आ रही गाड़ी से टक्कर हो गई।

गौरतलब है कि इसी स्थान पर एक दिन पहले भी राजस्थान से श्रद्धालुओं को लेकर आ रही एक बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई थी। लगातार दूसरे दिन हुए हादसे ने इस क्षेत्र की सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से इस ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

सालगिरह मुबारक

पंचरूखी (घरलूं) के केहर सिंह टंडन व उर्मिला टंडन को शादी की 40वीं सालगिरह पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

सुमन कुमारी को मिली प्रधान की कमान

अनंत ज्ञान, प्रागपुर। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बढल ठोर में नई स्कूल प्रबंधन समिति का गठन किया गया। इस अवसर पर सुमन कुमारी को सर्वसम्मति से प्रधान तथा शमशेर सिंह को उपप्रधान चुना गया।विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार ने बताया कि नवगठित एसएमसी विद्यालय के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।उन्होंने नव-निर्वाचित प्रधान एवं उपप्रधान को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

सीडब्ल्यूसी ने पुलिस से स्टेट्स रिपोर्ट तलब की

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा के थाना जवाली के तहत आने वाली पंचायत धेवा में नवीं कक्षा की छात्रा और उसकी मां की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में जिला बाल कल्याण समिति, धर्मशाला ने संज्ञान लेते हुए पुलिस से मामले की स्टेट्स रिपोर्ट तलब करते हुए उचित कानूनी कार्यवाही किए जाने के निर्देश जारी किए हैं। शुक्रवार को इस घटना का पता चलते ही जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष विक्रमजीत शर्मा एवं सदस्यों विजय शर्मा और नरेष्ठा कुमारी ने मामले पर गौर करते हुए आवश्यक जानकारी जुटाई। समिति के अध्यक्ष विक्रमजीत शर्मा ने बताया कि उन्हें विभिन्न मीडिया माध्यमों से मिली जानकारी के अनुसार ज्वाली की पंचायत धेवा में रहने वाले एक परिवार के सदस्यों ने रात को खाना खाया और इसके बाद मां और उसकी नाबालिग बेटी एवं बेटा अपने घर में सो गए और महिला का पति दूसरे कमरे में सोने के लिए चला गया।

◆ मां और बेटी मौत मामला

बताया जा रहा है कि इस बीच सुबह जब महिला का पति उठा तो महिला और बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी थी, जबकि नबालिग बेटा भी गंभीर हालत में उल्टियां करता पाया गया। बेटे को उसके पिता ने ग्रामीणों की मदद से जवाली अस्पताल में दाखिल करवाया जहां वह उपचाराधीन है। विक्रमजीत ने बताया कि इस मामले में प्रभावित परिवार की नवीं कक्षा में पढ़ने वाली बेटी की मौत हो गई है, जबकि बेटा गंभीर है। नबालिग बच्चों से जुड़ा मामला होने के चलते इस घटना पर जिला बाल कल्याण समिति ने संज्ञान लिया है और पुलिस थाना जवाली से इस मामले में की गई प्रारंभिक जांच की स्टेट्स रिपोर्ट तलब की है। साथ ही पुलिस को उचित कानूनी कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं।

'जीवनदायिनी वृक्ष' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता में सिद्धबाड़ी की छात्राएं छाई

चित्रकला प्रतियोगिता में सिद्धबाड़ी की छात्राएं छाई। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

इंटैक द्वारा फरवरी 2026 में आयोजित 'जीवनदायिनी वृक्ष' विषयक राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में राजकीय उच्च विद्यालय सिद्धबाड़ी की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और जिला स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन किया।

जून 2026 में घोषित परिणामों में विद्यालय की छात्रा शमीमा खातून ने राष्ट्रीय स्तर पर टॉप-15 में स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के लिए उन्हें 10 जुलाई को दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। जिला स्तर पर जोया ने प्रथम तथा निशा ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि केंद्रीय विद्यालय योल की वाणी डोगरा तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं कक्षा नौवीं की छात्रा खुशी ने नॉर्थ ज़ोन में जीत दर्ज की। कांगड़ा चैप्टर के प्रभारी एल.एन. अग्रवाल एवं सदस्य प्रधानाचार्य डॉ. जनमेजय सिंह गुलेरिया ने विजेता छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

विद्यालय की इस उपलब्धि का श्रेय कला अध्यापिका रूमी सैनी के मार्गदर्शन, छात्राओं के निरंतर अभ्यास और अथक परिश्रम को दिया गया। शिक्षा उपनिदेशक (निरीक्षण) भाग सिंह सहित सभी शिक्षाविदों ने विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सलाबग वॉटरफॉल में फंसे पर्यटकों को बीड़ पुलिस ने सुरक्षित निकाला

अनंत ज्ञान

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। मानसून की पहली ही बारिश के साथ नदी-नाले और झरने उफान पर हैं। प्रशासन की चेतावनी और प्रतिबंध के बावजूद वीरवार को बड़ी संख्या में पर्यटक सलाबग (बनगोडू) वॉटरफॉल पहुंच गए। अचानक जलस्तर बढ़ने से कई पर्यटक तेज बहाव के बीच फंस गए।

सूचना मिलने पर थाना प्रभारी बीड़ आदर्श बर्याल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सभी पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें प्रशासन के आदेशों की जानकारी देते हुए भविष्य में प्रतिबंधित क्षेत्रों में न जाने की चेतावनी दी।

उल्लेखनीय है कि एसडीएम बैजनाथ संकल्प गौतम ने 24 जून 2026 को सलाबग वॉटरफॉल को मानसून के दौरान पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए प्रतिबंधित घोषित किया था, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। डीएसपी बैजनाथ संदीप शर्मा ने कहा कि ये आदेश लोगों की सुरक्षा के लिए जारी किए गए हैं। उन्होंने सभी से मानसून के दौरान नदी-नालों और झरनों से दूर रहने तथा प्रशासन और पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

सलाबग वॉटरफॉल से सुरक्षित पर्यटकों को निकालते हुए। अनंत ज्ञान

बच्चों ने विद्यालय परिसर में लगाए सजावटी पौधे

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। अवर ऑन इंग्लिश स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह, श्रद्धा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता के साथ पौधारोपण किया। इस अवसर पर बच्चों ने विद्यालय परिसर में फलदार एवं सजावटी पौधे लगाकर अपनी माताओं के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता का सुंदर संदेश दिया। विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या रविंदा कुमारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वृक्षारोपण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे न केवल हमें शुद्ध वायु, छाया, फल और औषधियाँ प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बच्चों को यह भी समझाया कि अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी नियमित देखभाल करना हम सभी की जिम्मेदारी है। रविंद्रा कुमारी ने जलवायु परिवर्तन के कारणों और उसके दुष्प्रभावों पर भी बच्चों को जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

जीवन प्रमाण पत्र की पुरानी परंपरा रखी जाए बहाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाने की प्रक्रिया प्रथम जुलाई 2026 से तीस सितंबर 2026 तक रहेगी। हिमाचल प्रदेश सरकार के वित विभाग के पत्र संख्या नंबर 1155 दिनांक 1-7-2026 के अनुसार हिमाचल प्रदेश के पेंशनर्स अपना अपना जीवन प्रमाण पत्र प्रथम जुलाई 2026 से तीस सितंबर 2026 तक जमा करवाए। ये प्रमाण पत्र अब ऑनलाइन लोक मित्र केन्द्रो, जीवन प्रमाण ऐप से तथा जो पेंशनर्स बिमारी की हालत में हैं वे जीवन प्रमाण पत्र फार्म पर डाक्टर के हस्ताक्षर करवा कर जमा करवा सकते हैं।

प्रधान जिला कांगड़ा पेंशन कृष्ण स्वरूप शर्मा ने सरकार से मांग की है कि जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाने की पुरानी परंपरा को जारी रखा जाए, क्योंकि बहुत से पेंशनर्स आन लाइन प्रणाली से अनभिज्ञ हैं तथा उनको इससे मुश्किलें आएंगी। प्रधान ने आशा व्यक्त की है हिमाचल प्रदेश सरकार इस में पुरानी परंपरा को बहाल करके पेंशनर्स को राहत प्रदान करेगी।

बरसात में डायरिया का बढ़ा खतरा, बुखार को न करें नजरअंदाज : डॉ. सतीश फोतेदार

अनंत ज्ञान

कमल, डाडासीबा। बरसात का मौसम शुरू होते ही डायरिया (दस्त) सहित कई संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। आदर्श स्वास्थ्य संस्थान सिविल अस्पताल डाडा सीबा के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतीश फोतेदार ने लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि दस्त, उल्टी या बुखार जैसे लक्षणों को बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। समय पर जांच और उपचार से गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है।

डॉ. फोतेदार ने बताया कि बरसात के मौसम में दूषित पानी और अस्वच्छ भोजन के कारण डायरिया (दस्त) के मामले सबसे अधिक सामने आते हैं। बार-बार दस्त लगना, उल्टी, पेट दर्द, बुखार और शरीर में पानी की कमी इसके प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तुरंत नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में जाकर जांच व उपचार करवाना चाहिए। साथ ही ओआरएस का घोल, पर्याप्त स्वच्छ पानी और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपचार लेना जरूरी है। उन्होंने बताया कि बरसात में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, वायरल बुखार, टाइफाइड, हैजा, पीलिया (हेपेटाइटिस-ए एवं ई), लेप्टोस्पायरोसिस तथा त्वचा संबंधी संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। मलेरिया संक्रमित मादा एनोफिलीज और डेंगू एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। सरकारी अस्पतालों में मलेरिया की जांच और उपचार नि:शुल्क उपलब्ध है। बीएमओ ने लोगों से घरों और आसपास पानी जमा न होने देने, कूलर, गमलों व पानी की टंकियों की नियमित सफाई करने, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने, भोजन को ढककर रखने, हाथों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने तथा मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी की सलाह दी। डॉ. फोतेदार ने कहा कि बरसात के मौसम में थोड़ी-सी सावधानी डायरिया सहित कई गंभीर बीमारियों से बचा सकती है।

फतेहपुर में निकली जागरूकता रैली

अनंत ज्ञान, रविंद्र चौधरी, फतेहपुर। मुख्यमंत्री के चिट्टा विरोधी अभियान के तहत तहसील कल्याण विभाग फतेहपुर द्वारा शुक्रवार को राजकीय वरिष्ठ मॉडल सीबीएसई स्कूल फतेहपुर में नशा विरोधी जागरूकता रैली आयोजित की गई। रैली को एसडीएम विश्रुत भारती ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें विद्यालय के लगभग 300 छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अधिकारियों ने भाग लिया। रैली स्कूल परिसर से सिविल अस्पताल, तहसील कॉम्प्लेक्स, मुख्य बाजार और हाड़ा चौक होते हुए मिनी सचिवालय पहुंची, जहां विद्यार्थियों ने नशे और विशेषकर चिट्टे के खिलाफ लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर सभी ने नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ ली। एसडीएम विश्रुत भारती ने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, अनुशासन और अच्छे संस्कार अपनाने का आह्वान किया। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत कोटला
विकास खंड सदर जिला बिलासपुर हि.प्र.

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत कोटला विकास खंड सदर जिला बिलासपुर (हि.प्र.) द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न विकास कार्यों के निष्पादन हेतु आवश्यकता अनुसार अधिकृत विक्रेताओं से निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदाएं दिनांक 09-07-2026 को सांय पांच बजे तक पंचायत कार्यालय में बंद लिफाफे में पंहुच जानी चाहिए। निविदाएं तिथि 10-07-2026 को सुबह 11 बजे पंचायत समक्ष खोली जाएंगी।

1. रेत क्रशर ऊना (मोटा रेत) M3, **2.** रेत क्रशर लोकल M3, **3.** बजरी क्रशर 10,20,40 एमएम M3, **4.** पत्थर सोलिंग M3, **5.** कट पत्थर M3, **6.** ईंट 1st class प्रति ईट, **7.** ईट 2nd class प्रति ईट, 8. शटरिंग स्टील प्लेट प्रतिवर्ग फुट, **9.** शटरिंग लकड़ी प्रतिवर्ग फुट, **10.** जेसीबी प्रति घंटा, **11.** जेसीबी ब्रेकर प्रति घंटा, **12** . पानी टैंकर प्रति टैंकर **13.** स्टील प्रति क्विंटल, **14.** पीवीसी पाइप (2, 3, 4, 6, इंच आईएसआई मार्क)- प्रति पीस, **15.** बेल्डिंग व फिटिंग स्टील वर्क किराया लेवर सहित-प्रति किलोग्राम, **16.** सीमेंट किराया बिलासपुर से कार्य स्थल तक जहां तक वाहन जाता है। लोडिंग-अनलोडिंग सहित प्रति बैग, **17.** चाय पान पंचायत बैठक/ग्राम सभा बैठक-प्रति कप।

शर्तें:-1. निविदादाता के पास जीएसटी नंबर होना अनिवार्य है। **2.** सामग्री पूरी पंचायत क्षेत्र में जहां तक ट्रैक्टर जाता है देनी होगी। **3.** धरोहर राशि 25000/-रुपए कुटेशन स्वीकृत होने के तुरंत बाद कार्यालय में जमा करवानी होगी। **4.** कम दर वाली जीएसटी धारक की निविदाएं ही मान्य होगी। **5.** समय पर सामग्री न देने पर तीन नो तीन नोटिस मिलने के पश्चात स्वीकृत कोटेशन रद्द कर दी जाएगी। **6.** सामग्री की अदायगी तकनीकी कर्मचारी द्वारा पास करने पर दी जाएगी। **7.** स्वीकृत निविदा को पंचायत कभी भी रद्द कर समय अवधि कम या ज्यादा कर सकती है। **8.** सामग्री की पूर्ति करने पर 50 प्रतिशत अदायगी की जाएगी तथा अंतिम अदायगी कार्य के मूल्यांकन के उपरांत की जाएगी। **9.** कोटेशन पर कटिंग ओवर राइटिंग निविदाएं मान्य नहीं होंगी। **10.** सप्लायर को सभी मदों की जैसे मनरेगा आदि की सामग्री भी समय पर देनी होगी। **11.** सभी दरें जीएसटी सहित देनी होंगी। **12.** सामग्री की समान दरों पर निर्णय लेने का अधिकार पंचायत के रहेगा व निविदाओं की दरों पर नेगोसेशिएसन करने का अधिकार पंचायत के पास रहेगा। **13.** निविदादाता आपूर्तिकर्ता के पास अपना पंजीकरण टिन नंबर/सीएसटी/जीएसटी होना आवश्यक है। **14.** रेत/बजरी व पत्थर आपूर्तिकर्ता को खनन विभाग से जारी एम/एक्स फार्म पंचायत में जमा करवाना होगा। **15.** सामग्री का अंतिम मूल्य जीएसटी व एम/एक्स फार्म सहित होगा।

प्रधान/सचिव
ग्राम पंचायत कोटला
विकास खंड सदर जिला बिलासपुर

तलाई गांव में निर्माणाधीन नालियां बनी मुसीबत

पानी निकासी की गलत व्यवस्था से सड़क बनी दुर्घटना का कारण, ग्रामीणों में आक्रोश

अनंत ज्ञान

जाहू। भोटा से जाहू वाया कलखर सुपर हाई वे सड़क पर तलाई गांव में करीब नौ लाख रूपए से बन रही नालियां वाहन चालकों के साथ ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। सड़क पर फैली बजरी और रेता की बजह से वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय लोगों द्वारा विभागीय अधिकारियों को समस्या के अवगत करवाने पर भी कोई कार्रवाही नहीं हो रही है। इससे लोगों का गुस्सा फुट रहा है।

सड़क के एक ओर पानी की निकासी के लिए जाहू बाईपास से तलाई गांव की ओर दो माह अधिक समय से नालियों को निर्माण कार्य जारी है जोकि अब 10 दिन से बंद पडा है। यहां पर संबंधित कार्य में लगे ठेकेदार की बजह से निर्माण सामग्री सड़क पर ही फैंकी गई है और सड़क पर फैली हुई है। तलाई गांव के पास पानी को आर-पार करने के लिए तीन ईंच की सीमेंट की फाइप डाली गई है। इसे डालने में करीब 6 फुट गहराई की गई है। जिससे बारिश का पानी नालियों में न जाकर पाइप में ही भर रहा है। इससे सड़क के दोनों ओर बड़े-बडे गडढ़े डाले गए है। जिससे यहां पर बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है।

इसी तरह इन गडढ़ों के पास सात दिन पहले रेत व बजरी के दो टिप्पर उतारे गए हैं और सामग्री सड़क पर फैली हुई हैं। जिससे वाहन चालकों को यहां पर ब्रेक लगाना भी मुश्किल हो रहा है। दूसरी ओर इस स्थान पर लावारिस पुश भी रेत फैलने की बजह से खड़े हो रहे हैं। जिससे वाहनों का जाम भी लग रहा है और कोई अप्रिय घटना हो सकती है। स्थानीय निवासी पवन रांगड़ा का कहना है कि उनके घर के सामने नालियों के निर्माण के लिए 20 दिन पहले खुदाई की गई है। जिससे परिवार के सदस्यों को घर में आना-जाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि इस समस्या से सहायक अभियंता भोरंज, कनिष्ठ अभियंता जाहू व निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार को भी अवगत करवाया गया है लेकिन आज दिन तक समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। इसी तरह नालियों के खुला रहने से वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे है। एक कार नाली में घूसने के कारण दुर्घटना का शिकार हुई है। जिससे उसमें बैठे चार लोग बाल-बाल बचे है। स्थानीय लोगों ने विधायक सुरेश कुमार से मांग की है कि नालियों को उपर से बंद करवाया जाए तथा पानी की निकासी के लिए सही व्यवस्था विभागीय अधिकारियों से करवाई जाए।

उधर सहायक अभियंताउप मंडल भोरंज राजेश कुमार ठाकुर का कहना है कि यह समस्या ध्यान में है। इसके बारे में ठेकेदार को पाइप बदलने के लिए कहा गया है।

तलाई गांव में नाली में घुसी कार और निकासी के लिए डाली पाइप में भरा पानी और पड़ा गड्ढा। अनंत ज्ञान

न्यूज ब्रीफ

आईटीआई वेल्डर और फिटर के साक्षात्कार आज

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जीएमपी टैक्निकल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में वैल्डर ट्रेड के 20 और फिटर ट्रेड के 10 पदों को भरने के लिए 4 जुलाई को सुबह 10 बजे जिला रोजगार कार्यालय हमीरपुर में साक्षात्कार लिए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इन पदों के लिए वैल्डर या फिटर ट्रेड में आईटीआई डिप्लोमाधारक 18 से 35 वर्ष तक के युवा पात्र होंगे। चयनित उम्मीदवारों को 15,059 रुपये मासिक वेतन के अतिरिक्त 1200 रुपए उपस्थिति प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि अगर कोई युवा उपरोक्त योग्यता रखता है और उसका नाम किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है तो वह अपने मूल प्रमाण पत्रों तथा हिमाचली प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकता है।

मुस्कान का नवोदय विद्यालय डुंगरी में चयनित

अनंत ज्ञान, भोटा। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोटा की 10+1 (कला संकाय) की छात्रा मुस्कान जसवाल, पुत्री विपिन कुमार, का चयन नवोदय विद्यालय, डुंगरी में होने पर विद्यालय में हर्ष का माहौल है इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सनम ने छात्रा को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया तथा छात्रा एवं उसके अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि मुस्कान भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करेगी। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ ने मुस्कान जसवाल को शुभकामनाएं दीं।

सेवानिवृत्त कैप्टन अनिल को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, बडसर। बड़सर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बल्ह बिहाल के निवासी कैप्टन अनिल कुमार ने 30 वर्षों तक सेवा करने के बाद कैप्टन के पद से सेवानिवृत हुए। सेवानिवृत्ति के बाद, कैप्टन अनिल शर्मा का करहा गांव में पहुंचने पर फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। कैप्टन अनिल कुमार ने भारतीय सेना में एक जांबाज सैनिक के रूप में देश के प्रति निष्ठा और समर्पण के साथ सेवा की। वह 1996 में भारतीय सेना में शामिल हुए थे।

नशे का विरोध करने की शपथ ली

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। मटन सिद्ध स्थित पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशे के विरुद्ध भी जागरूक किया गया। संस्थान के निदेशक अजय कुमार कतना ने महिलाओं को 'नशामुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान' का संदेश दिया और अपने-अपने क्षेत्रों में नशे का कड़ा विरोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिलाओं को नशे का विरोध करने की शपथ भी दिलाई।

बड़ेई पंचायत में विकास योजनाओं को मंजूरी

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। ग्राम पंचायत बड़ेई में ग्राम सभा की बैठक ग्राम पंचायत कार्यालय में आयोजित हुई। उपप्रधान गोल्डी धीमान ने बताया कि बैठक में गत कार्यवाही और आय-व्यय की अनुमोदिति, विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा, स्वच्छ भारत मिशन, नशा निवारण एवं रोकथाम, प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रतीक्षा सूची से संबंधित विषयों के अनुमोदन सहित सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि पंचायत क्षेत्र के सभी ग्राम सभा सदस्यों सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

वन विभाग में रखे जाएंगे सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार, कानूनगो और पटवारी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। वन वृत्त हमीरपुर में वन भूमि के सर्वे, निशानदेही और राजस्व रिकॉर्ड के अद्यतन कार्यों के लिए राजस्व विभाग से सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार, कानूनगो और पटवारियों की सेवाएं ली जाएंगी। अरण्यपाल निशांत मंढोत्रा ने बताया कि एक नायब तहसीलदार, एक कानूनगो और तीन पटवारियों को फिक्स मासिक मानदेय पर रखा जाएगा। नायब तहसीलदार को ₹60,000, कानूनगो को ₹50,000 और पटवारियों को ₹40,000 प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। आवेदनकर्ता की आयु 1 जुलाई 2026 को 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए तथा कम से कम 5 वर्ष की राजस्व सेवा अनिवार्य है। किसी भी प्रकार का लंबित मामला या अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। इच्छुक अभ्यर्थी 20 जुलाई तक वन वृत्त कार्यालय हमीरपुर में आवेदन कर सकते हैं। साथ ही मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र संलग्न करना आवश्यक है। चयनित कर्मियों की तैनाती हमीरपुर, ऊना और देहरा वन मंडलों में की जाएगी।

टौणी देवी के 68 विद्यार्थियों को मिली 9.35 लाख की एसबीआई आशा छात्रवृत्ति

अनंत ज्ञान, संजीव चौहान, टौणी देवी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टौणी देवी ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के 68 मेधावी विद्यार्थियों को पिछले तीन वर्षों में एसबीआई आशा छात्रवृत्ति के तहत कुल ₹9,35,000 की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। प्रधानाचार्य रजनीश रांगड़ा के नेतृत्व में छात्रवृत्ति योजनाओं को मिशन मोड में लागू किया गया, जिसके तहत पात्र विद्यार्थियों की पहचान, आवेदन प्रक्रिया और दस्तावेजीकरण में विशेष सहयोग प्रदान किया गया। वर्ष 2023-24 में 17 विद्यार्थियों को ₹1,70,000, वर्ष 2024-25 में 33 विद्यार्थियों को ₹4,95,000 तथा 2025-26 में 18 विद्यार्थियों को ₹2,70,000 की छात्रवृत्ति स्वीकृत हुई। विद्यालय में नियमित करियर काउंसलिंग और प्रेरणा से छात्रों में प्रतिस्पर्धात्मक माहौल बना है। शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग से यह उपलब्धि संभव हुई, जिससे सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता और अवसरों को लेकर सकारात्मक संदेश गया है।

डॉ. सुशील बस्सी पदोन्नत, उच्च शिक्षा संयुक्त निदेशक बने

अनंत ज्ञान, नादौन। राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय नादौन के प्रधानाचार्य डॉ. सुशील कुमार बस्सी को पदोन्नत कर संयुक्त निदेशक (उच्च शिक्षा), निदेशालय उच्च शिक्षा, हिमाचल प्रदेश, शिमला के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने 23 अगस्त 1993 को राजकीय महाविद्यालय चंबा से अपने अध्यापन करियर की शुरुआत की थी और प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्यापन एवं प्रशासनिक दायित्वों का सफल निर्वहन किया। 17 जुलाई 2017 को उन्होंने राजकीय महाविद्यालय मझीन में प्रधानाचार्य के रूप में कार्यभार संभाला, इसके बाद 2021 में ज्वालाजी और नवंबर 2025 में नादौन महाविद्यालय में सेवाएँ दीं। लगभग 33 वर्षों की समर्पित सेवा के बाद उनकी यह पदोन्नति हुई है। अब वे शिमला में उच्च शिक्षा के प्रशासन एवं गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनकी पदोन्नति पर शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी वर्गों ने शुभकामनाएं दी हैं।

सुनील बिट्टू ने चमनेड में सुनीं जनसमस्याएं

समस्याओं पर कार्रवाई का दिया आश्वासन, विकास योजनाओं की दी जानकारी

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने ग्राम पंचायत चमनेड का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने पंचायत वासियों की समस्याएं सुनीं और प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों ने पुल, उचित मूल्य से संबंधित समस्याएं सुनील शर्मा बिट्टू के समक्ष रखीं।

राजनीतिक सलाहकार ने लोगों को इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया तथा संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी जारी किए। सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने बताया कि जिला हमीरपुर के चहुमुखी विकास के लिए मुख्यमंत्री ने कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। इस दौरान हमीरपुर में विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों के राज्य स्तरीय कार्यालय स्थापित किए गए हैं। जिला की सभी मुख्य सड़कों को डबल लेन बनाया जा रहा है। इनमें हमीरपुर-लंबलू-बस्सी-जाहू सड़क भी शामिल है। इस सड़क पर सभी पुलों को भी डबल लेन बनाया जा रहा है। हमीरपुर के मेडिकल कालेज, नए बस स्टैंड, वर्तमान बस स्टैंड की जगह सिटी सेंटर और जसकोट में हैलीपोर्ट के निर्माण सहित कई बड़े प्रोजेक्टों के लिए मुख्यमंत्री ने बजट दिया है। इससे जिला हमीरपुर के विकास को बहुत बड़ा बल मिला है। इससे पहले, चमनेड पहुंचने पर पंचायत उपप्रधान प्रकाश चंद, पंचायत के अन्य सदस्यों, स्थानीय निवासी ज्ञान चंद शास्त्री, किरपा राम, रमेश चंदेल, मान चंद शर्मा, गोरख नाथ, विधि चंद, अमरनाथ शर्मा, सोम दत्त और अन्य लोगों ने सुनील शर्मा बिट्टू का स्वागत किया। इस अवसर पर एपीएमसी के अध्यक्ष अजय शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कुमार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश आनंद, होशियार सिंह और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

सुनील शर्मा बिट्टू ने चमनेड में सुनीं जनसमस्याएं। अनंत ज्ञान

सेवानिवृत्त कर्नल बलदेव का लंबी बीमारी के बाद निधन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला के बमसन ब्लॉक की नाडसी पंचायत के सेवानिवृत कर्नल बलदेव कौंडल ने लंबी बीमारी के बाद मिलिट्री अस्पताल अम्बाला मे अंतिम सांस ली आज उनके पैतृक गांव नाडसी मे अंतिम संस्कार से पहले भारी संख्या मे भूतपूर्व सैनिकों सहित राजपूत कल्याण सभा के पदाधिकारियों ने भावभीनी श्रधांजलि अर्पित करते हुए इसे समाज के लिए बड़ा नुकसान बताया। कर्नल कौडल ने सेना मे 31 साल की सेवा मे अनेक सैन्य अभियानों का नेतृत्व करके अपने अदम्य साहस का परिचय दिया था। उनकी अंतिम यात्रा मे राजपूत कल्याण सभा के अध्यक्ष जोगिंदर ठाकुर, राजपूत सभा के पूर्व सैनिक विंग के पदाधिकारी कैप्टन ओंकार देव, कैप्टन नरेश, कैप्टन सुरेश, सूबेदार ओंकार, सूबेदार रमेश, तारा चंद, राजेश सहित सैकड़ो गांव वासी अंतयेष्टि मे शामिल रहे।

डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी मामले में राशि वापस मिलने पर जताया आभार

अनंत ज्ञान

नादौन। डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी के एक मामले म 90,000 की ठगी गई राशि वापस मिलने पर पीड़ित भागीरथ शर्मा ने थाना नादौन के एसएचओ निर्मल सिंह एवं उनकी पूरी पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई, सतर्कता और समर्पित प्रयासों के कारण ठगी गई राशि की सफल रिकवरी संभव हो सकी। उन्होंने पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रभावी कार्रवाई से आम जनता का पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत होता है।

इस अवसर पर एसएचओ निर्मल सिंह ने नागरिकों से अपील की कि वे डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी और अन्य ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध कॉल, वीडियो कॉल या संदेश की स्थिति में घबराने के बजाय उसकी सत्यता की जांच करें। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में तुरंत स्थानीय पुलिस या राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। पीड़ित भागीरथ शर्मा ने अंत में एक बार फिर पुलिस टीम का धन्यवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

◆ **भागीरथ शर्मा ने एसएचओ नादौन निर्मल सिंह को कहा थैंक्स**

17 दिन, 430 किमी सफर : अंगदान संदेश लेकर निकले अनिल कुमार की प्रेरक यात्रा

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। समय पर आर्गेन न मिलने के कारण अभाव में आज कई लोग जहां असामयिक मृत्यू का शिकार हो जाते हैं वहीं कई लोग कष्ट भरा जीवन जीते हैं। यदि लोगों को जागरूक किया जाए तो कई बेहतर जीवन जी सकते हैं। इसी उद्देश्य को लेकर भोरंज के अनिल कुमार ने लोगों को अंगदान के प्रति जागरुक करने की दिशा में ट्रैकर अंगदानी अनिल कुमार ने बीड़ा उठाते हुए लगभग 430 किलोमीटर का पैदल सफर किया । जिसमें लोगों को अंगदान करने के लिए प्रेरित किया गया। अनिल कुमार ने मनाली से लेह (हाल ऑफ फेम) का यह 430 किलोमीटर का सफर 17 दिन में तय किया। इस बीच कुछ लोगों को उन्होंने अंगदान के लिए मोटिवेट किया जोकि अंगदान के लिए तैयार हुए है हालांकि उन्होंने अपनी पहचान न बताने का अनुरोध किया है। दिलचस्प बात यह है कि लोगों की इस तरह इतना लंबा पैदल सफर तय कर अंगदान के प्रति जागरुक करने वाले अनिल प्रदेश के पहले अंगदानी बन गए है। अनिल कुमार के अनुसार उन्हें रास्ते में लोगों का काफी स्पोर्ट मिला। सबने उनके इस कदम को सराहा। हालांकि रास्ते में कठिन भौगोलिक परिस्थितियों होने के कारण उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी. उनका कहना है कि अंगदान किसी भी व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा और महादान है। एक व्यक्ति के अंगदान करने से कई जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में देश और दुनिया में लाखों ऐसे मरीज हैं जो अंग प्रत्यारोपण का इतजार कर रहे हैं, लेकिन अंगों की कमी के कारण उन्हें समय पर सहायता नहीं मिल पाती। उन्होंने बताया कि एक दिन में कई 49 किलोमीटर सफर भी करना पड़ा। उन्होंने बताया कि अब आगे की यात्रा पीर पंजाल 5500 फीट ऊंची चोटी के सबमिट करूंगा।

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि हम अपने अंगों के दान का संकल्प ले तो अनेक लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि अंगदान किसी धर्म या समुदाय विशेष से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि यह मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम है।

जेनवी डूंगरी में एनसीसी के 3 सीएटीसी शिविर संपन्न, 1800 कैडेटों ने लिया प्रशिक्षण

कैडेटों को सैन्य व व्यक्तित्व विकास का मिला प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान

भोरंज। उपमंडल भोरंज के जेनवी डूंगरी स्थित एनसीसी प्रशिक्षण परिसर में 4 जून से 3 जुलाई तक तीन संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी) सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। इनमें सीएटीसी-229, सीएटीसी-234 तथा सीएटीसी-239 शामिल रहे। तीनों शिविरों में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के लगभग 1800 एनसीसी कैडेटों ने भाग लेकर सैन्य अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त किया।

पहला शिविर 4 जून से 13 जून, दूसरा 14 जून से 23 जून तथा तीसरा 24 जून से 3 जुलाई तक आयोजित किया गया। शिविरों के दौरान कैडेटों को ड्रिल, हथियारों का प्रारंभिक प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व कौशल, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार तथा शारीरिक दक्षता का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा कैडेटों ने माउंटेन प्रशिक्षण, हाइकिंग और साइक्लिंग जैसी साहसिक गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। सांस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान किया गया। शिविर के दौरान 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कैडेटों एवं स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन का संदेश दिया गया।

कैडेटों के करियर मार्गदर्शन और जागरूकता के लिए आर्मी रिक्रूटिंग ऑफिस, हमीरपुर (एआरओ हमीरपुर) की ओर से दो प्रेरणादायक व्याख्यान आयोजित किए गए। वहीं बलबीर सिंह, पुलिस अधीक्षक (एसपी) हमीरपुर ने भी दो अवसरों पर कैडेटों को संबोधित करते हुए नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा, अनुशासन, कानून के प्रति जागरूकता तथा युवाओं की सामाजिक जिम्मेदारियों जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

तीनों शिविरों का समापन समारोह 4 एचपी बटालियन एनसीसी, हमीरपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जी. पी. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। उन्होंने कैडेटों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेटों की सराहना की तथा अधिकारियों, एएनओ, पीआई स्टाफ और सहयोगी कर्मचारियों के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

जेनवी डूंगरी में एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित करते हुए। अनंत ज्ञान

हमीरपुर भाजपा ने अभियानों की समीक्षा कर संगठन को मजबूत करने पर दिया जोर

अनंत ज्ञान

बड़सर। भारतीय जनता पार्टी जिला हमीरपुर द्वारा बड़सर में आयोजित लंचबॉक्स बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने को लेकर विस्तृत मंथन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा बड़सर मंडल अध्यक्ष संजीव शर्मा ने की, जबकि भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बैठक में बीते लगभग दो सप्ताह के दौरान जिला भाजपा हमीरपुर द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। इनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के अभियान, डिजिटल इंडिया के 11 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित जनजागरण कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक सप्ताह के उपलक्ष्य में फिट इंडिया और स्वस्थ भारत के संदेश के साथ आयोजित जागरूकता दौड़ में संगठन की भागीदारी तथा विभिन्न मंडलों में आयोजित संगठनात्मक बैठकों एवं जनसंपर्क अभियानों की समीक्षा शामिल रही। साथ ही इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। मुख्य अतिथि राकेश ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन निरंतर जनसंपर्क, सेवा और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को पार्टी की नीतियों और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बैठक में जिला महामंत्री अजय रिंटू एवं राजेश सहगल, बड़सर मंडल महामंत्री अश्विनी बन्याल एवं अनिल व्यास, सुरेन्द्र अग्निहोत्री सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। सभी ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक में संगठनात्मक रणनीति पर मंथन करते हुए। अनंत ज्ञान

आक्रोश सीएम को ज्ञापन भेजकर केंद्र सरकार की उपभोक्ता विरोधी योजना को बंद करने का किया आग्रह

बिजली के स्मार्ट मीटरों को लेकर किया विरोध-प्रदर्शन

अनंत ज्ञान

नादौन। बिजली बोर्ड द्वारा केंद्र सरकार की योजना के तहत लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के विरोध में शुक्रवार को बिजली उपभोक्ताओं ने नादौन शहर में रैली निकालकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया तथा केंद्र सरकार व बिजली बोर्ड मैनेजमेंट के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। साथ ही मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से आग्रह किया गया कि केंद्र सरकार की स्मार्ट मीटरिंग योजना केवल मात्र बड़े कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने के मकसद से की जा रही है। यह उपभोक्ताओं के हित में नहीं है, इसलिए हिमाचल प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने के इस कार्य को बंद किया जाए।

बिजली उपभोक्ता मंच ने एसडीएम नादौन निशांत शर्मा के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी भेजा है। इससे पहले बिजली उपभोक्ताओं की जैन मंदिर नादौन में बैठक भी आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आई.एस. अधिकारी जेएम पठानिया ने की, जिसमें विद्युत बोर्ड पेंशनर्स फोरम के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह खरवाड़ा, जेके धीमान, राज कुमार चौधरी, विधि चंद सनौरिया, कैलाश चंद शर्मा, मदन लाल शर्मा, जितेंद्र ठाकुर, ई. एसएस चम्बयाल, केएल शर्मा के अलावा सैकड़ों उपभोक्ताओं ने भाग लिया। बैठक में उपस्थित सभी वक्ताओं ने स्मार्ट मीटर का पुरजोर विरोध किया।

इस मौके पर कुलदीप सिंह खरवाड़ा ने बिजली उपभोक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के तहत जोर-जबरदस्ती बिजली कानून 2003 के प्रावधानों को नजरअंदाज करते हुए की जा रही स्मार्ट मीटरिंग केवल मात्र बड़े कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने के मकसद से की जा रही है, जिसका बिजली उपभोक्ताओं के हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ना निश्चित है। उन्होंने कहा कि विद्युत वितरण व्यवस्था को मेंटेन करने, अपग्रेड करने व उपभोक्ता के घर के आखिरी पोल तक बिजली पहुंचाने का जिम्मा सरकारी कंपनी विद्युत बोर्ड लिमिटेड का रहेगा। निजी निवेशक सिर्फ मलाई खाने के लिए आएंगे और उपभोक्ताओं को मिल रही सब्सिडी व क्रॉस सब्सिडी खत्म हो जाएगी, जिसके चलते उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में भारी-भरकम बढ़ोतरी होना निश्चित है।

खरवाड़ा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 1800 करोड़ रुपये की स्मार्ट मीटरिंग योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है, जबकि हिमाचल बिजली बोर्ड लिमिटेड के उच्च अधिकारियों द्वारा स्मार्ट मीटरिंग के लिए लगभग 2500 करोड़ रुपये के टेंडर करके प्रदेश के उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाला गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार टेंडर प्रक्रिया की जांच करवाए कि स्वीकृत योजना राशि से अधिक राशि के टेंडर क्यों किए गए हैं।

नादौन में स्मार्ट मीटरों को लेकर विरोध प्रदर्शन एवं रैली निकालते बिजली उपभोक्ता। अनंत ज्ञान

बिजली उपभोक्ता मंच का गठन, पठानिया चुने मुख्य संरक्षक

बैठक में बिजली उपभोक्ता मंच का गठन भी किया गया, जिसका मुख्य संरक्षक सेवानिवृत्त अधिकारी कैप्टन जेएम पठानिया और संयोजक कुलदीप सिंह खरवाड़ा, सहसंयोजक सुरेश राठौर, सचिव जेके धीमान, कोषाध्यक्ष राजकुमार चौधरी और इसके साथ 51 सदस्यों की कार्यकारिणी मनोनीत करने का अधिकार निर्वाचित पदाधिकारी को दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

कोटली, धनयारा व आसपास आज पावर कट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। सहायक अभियंता, विद्युत उपमंडल साईगलू ई. विनीत कुमार ने बताया कि 22केवी कोटली, बीर, तल्याहड़ तथा रंधाड़ा फीडर के अंतर्गत कोटली, धनयारा, सुराड़ी, डंढाल, लागधार, कड़कोह, भरगांव, माहन, कोट, ढ्रुबल, डवाहण, कसाण, साईगलू, साई, सेहली, सदयाणा, गोखड़ा, बग्गी, नागण-बटाहर, बीर, सदोह, तरनोह, धन्यारी, बरयारा, रंधाड़ा, लुहारडी, गजनोहा, बनायट, तांदी, बटाहण, पतरौण, बैहल पैड़ी, सैणी मोहरी, जनेड, देवधार, तल्याहड़, पधियूं, मराथू तथा आसपास के क्षेत्र में 4 जुलाई को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दिन विद्युत विभाग 33/22 केवी उप-केंद्र साईगलू में आवश्यक मरम्मत तथा पुनर्गठन का कार्य करेगा। मौसम खराब होने की स्थिति में यह कार्य अगले दिन किया जाएगा। उन्होंने आमजन से सहयोग की अपील की है।

मिनी सचिवालय पधर की कैंटीन की नीलामी 8 को

अनंत ज्ञान, पधर। मिनी सचिवालय पधर स्थित कैंटीन को एक वर्ष के लिए खुली बोली के माध्यम से ठेके पर आवंटित किया जाएगा। यह जानकारी उपमंडलाधिकारी (ना.) पधर सुरजीत सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि नीलामी 8 जुलाई को दोपहर 12:30 बजे एसडीएम कार्यालय पधर में आयोजित होगी। इच्छुक बोलीदाताओं को उसी दिन सुबह 11 बजे तक 3,000 रुपए की धरोहर राशि नकद जमा करवानी होगी। इसके बिना बोली में भाग लेने की अनुमति नहीं मिलेगी। कैंटीन के लिए आरंभिक मासिक बोली 4,000 रुपए निर्धारित की गई है। सफल बोलीदाता को 24 घंटे के भीतर दो माह का अग्रिम किराया जमा कराना होगा तथा 10 दिनों के भीतर 11 माह के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने होंगे। प्रथम वर्ष सेवाएं संतोषजनक रहने पर अनुबंध अधिकतम एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकेगा। ठेकेदार को बिजली, पानी, फर्नीचर, साफ-सफाई और रखरखाव की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। कैंटीन में धूम्रपान, तंबाकू एवं नशीले पदार्थों की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। चाय व खाद्य सामग्री निर्धारित दरों पर उपलब्ध करानी होगी। इच्छुक आवेदकों को आधार कार्ड, स्थायी निवासी प्रमाण-पत्र और पैन कार्ड की प्रतियां भी जमा करनी होंगी। अधिक जानकारी के लिए एसडीएम कार्यालय पधर से संपर्क किया जा सकता है।

60 पद भरने के लिए साक्षात्कार 6 और 7 को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। जिला रोजगार अधिकारी अरविंद सिंह चौहान ने यहां बताया कि पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज़ लिमिटेड द्वारा सेल्ज ऑफिसर एवं माइक्रो मार्केटिंग मैनेजर के 60 पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए 12वीं से स्नातक तक के पुरुष अभ्यर्थी साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। इसके लिए आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित है। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को 16,000 रुपए से 25,000 रुपए प्रतिमाह वेतन निर्धारित किया गया है। इनका कार्यस्थल मण्डी रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की मूल एवं छायाप्रति, आधार कार्ड, रोजगार पंजीकरण कार्ड, बैंक पासबुक की प्रति तथा पासपोर्ट आकार के फोटो व नवीनतम बायोडाटा के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि उप रोजगार कार्यालय, सुन्दरनगर में 6 जुलाई को प्रातः 10:30 बजे तथा जिला रोजगार कार्यालय, मण्डी में 7 जुलाई को प्रातः 10:30 बजे से साक्षात्कार लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी के पास दोपहिया वाहन एवं वैध दोपहिया वाहन लाईसेंस होना अनिवार्य है।

नाचन में धान रोपाई का काम अंतिम चरण में

अनंत ज्ञान, महादेव। खरीफ की फसल के तहत की गई बोआई में जहां किसानों को हरे भरे चरी बाजरे पशुचारे का लाभ मिलना शुरू हो गया है वहीं खेतों में मक्की की फसल भी लहलहा रही है और अब आखिरी बोआई कार्य में धान की रोपाई का कार्य तेज गति से चल रहा है जो अंतिम चरण में निपटना बताया जा रहा है अब केवल वही खेत धान की रोपाई का इंतजार कर रहे हैं जहां अभी भी टमाटर की पकी फसल शेष रह गई है वहां हाइब्रिड धान की किस्म रोपाई के भी कुछेक शौकीन किसान धान रोपाई का मन मनाए हुए है क्योंकि किसान धान की फसल को भी नहीं छोड़ना चाहते जबकि वे गेहूं की फसल इसलिए नहीं ले पाते क्योंकि नकदी फसल की ओर अधिक रुझान हो गया है और टमाटर की फसल ऐसे समय में बीजी जाती है जब गेहूं की फसल लगभग पांचवें महीने में खेतों में बढ़ी हुई हालत में लहलहा रही होती है।धान रोपाई का कार्य अब तक नब्बे प्रतिशत से ऊपर हो गया बताया जा है जहां बरसाती पानी का लाभ मिल रहा है वहीं किसान लोग सिंचाई पानी की योजना का भी खूब लाभ ले रहे हैं। जो भी हो धान की फसल को लेकर भीगा भीगा मौसम वरदान सिद्ध हो रहा है।

वैचारिक रूप से प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत : जयराम

पूर्व मुख्यमंत्री ने बल्ह में की डिजिटल प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत

अनंत ज्ञान

अनिल शर्मा, मंडी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयरामठाकुर ने शुक्रवार को बल्ह विधानसभा क्षेत्र के ग्राम केंद्र कैहड़ के बूथ संख्या 89 में डिजिटल प्रशिक्षण अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में संगठनात्मक कार्यों को अधिक प्रभावी और सशक्त बनाने के लिए कार्यकर्ताओं का तकनीकी रूप से दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण देकर संगठन की कार्यक्षमता और जनसंपर्क को नई मजबूती प्रदान करेगा।

जयराम ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का गौरवशाली इतिहास राष्ट्र प्रथम की भावना, अंत्योदय के संकल्प, सेवा, सुशासन और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मूल्यों पर आधारित रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय महा प्रशिक्षण अभियान–2026 के अंतर्गत बल्ह विधानसभा क्षेत्र के कोयला माता मंदिर, राजगढ़ में आयोजित मंडी अभ्यास वर्ग को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ से लेकर विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में भाजपा की यात्रा लाखों कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और समर्पण का परिणाम है। जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। जयराम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता इस राष्ट्रीय अभियान का सहभागी है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग केवल संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को विचार, संस्कार, संगठन और राष्ट्रसेवा के प्रति और अधिक प्रतिबद्ध बनाने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे भाजपा की विचारधारा, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें।

ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड की हत्या मामले में 3 को उम्र कैद

- सरकाघाट अदालत ने एक एक लाख जुर्माना भी लगाया

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। उप जिला न्यायवादी राजीव शर्मा ने बताया कि माननीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सरकाघाट, डॉ. अबीरा वासू की अदालत ने सरकार बनाम रितेश उर्फ कालू व अन्य मामले में तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए कठोर सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी संजय शर्मा उर्फ संजु पुत्र बलबीर चंद निवासी गांव डबरोग, वार्ड नं. 7, सरकाघाट, आरोपी मनीष कुमार उर्फ शेनकी पुत्र सुखदेव निवासी गांव बेहड़, वार्ड नं. 7, सरकाघाट तथा आरोपी पंकज सोनी उर्फ सोनी पुत्र नीलम प्रकाश निवासी गांव बरछवाड़, तहसील सरकाघाट को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इसके अतिरिक्त अदालत ने धारा 353 के तहत 2 वर्ष का कारावास व 20,000 रुपये जुर्माना तथा धारा 332 के तहत 3 वर्ष का कारावास व 30,000 रुपये जुर्माने की सजा भी सुनाई है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मामला 31 दिसंबर 2016 की रात्रि का है, जब दो गृह रक्षक धनी राम और जोगिंद्र सिंह सरकाघाट बाजार क्षेत्र में रात्रि गश्त पर थे। रात करीब 11:15 बजे डाकघर सरकाघाट के पास कुछ युवकों के साथ उनका विवाद हो गया। आरोप है कि युवकों ने नशे की हालत में दोनों गृह रक्षकों के साथ मारपीट की, जिसमें जोगिंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जोगिंद्र सिंह को तुरंत सिविल अस्पताल सरकाघाट ले जाया गया, जहां से उन्हें हमीरपुर रेफर किया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस मामले में अभियोजन पक्ष ने कुल 28 गवाहों के बयान अदालत में पेश किए। सभी साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। वहीं, इस मामले के एक अन्य आरोपी रितेश उर्फ कालू की ट्रायल के दौरान मृत्यु हो चुकी है।

संधोल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर आंदोलन छठे दिन भी जारी

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। नागरिक अस्पताल संधोल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग को लेकर चल रहा जनआंदोलन शुक्रवार को छठे दिन में प्रवेश कर गया। आंदोलन लगातार जनसमर्थन हासिल कर रहा है और अब यह पूरे क्षेत्र की आवाज बनता जा रहा है। छठे दिन अभिमन्यु, अविनाश, अखिल और लब्बू क्रमिक अनशन पर बैठे। भीषण गर्मी और बीच–बीच में हो रही बारिश के बावजूद युवाशक्ति पूरे बुलंद हौसलों के साथ मोर्चे पर डटी रही। दिनभर धरना स्थल पर क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों से लोगों का तांता लगा रहा और आंदोलन के इतिहास में पहली बार रिकॉर्डतोड़ भीड़ देखने को मिली। महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर आंदोलन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

युवाशक्ति के अध्यक्ष अविनाश भनवाल ने कहा कि पिछले दिन सोशल मीडिया पर नागरिक अस्पताल संधोल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति को लेकर कई तरह की अफवाहें फैलाई गईं, लेकिन अभी तक उन्हें किसी भी नियुक्ति की कोई आधिकारिक या पक्की जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें और अफवाहों से बचें। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक नागरिक अस्पताल संधोल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं सहित उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक यह संघर्ष किसी भी कीमत पर समाप्त नहीं होगा। आंदोलन को राजनीतिक समर्थन भी मिलने लगा है। भाजपा के धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी रजत ठाकुर अपने समर्थकों के साथ धरना स्थल पहुंचे और आंदोलनरत युवाओं को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलना उनका अधिकार है और सरकार को इस जनभावना का सम्मान करते करना चाहिए।

श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव में 8 से शुरू होगी भागवत कथा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के शुभ अवसर पर श्री जगन्नाथ मंदिर पड्डल, में 8 से 16 जुलाई तक नौ दिवसीय श्रीमद्देवी भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन महंत स्वामी श्री राजेश्वरानंद सरस्वती करेंगे। आयोजन समिति के अनुसार 8 जुलाई को कलश शोभायात्रा के साथ धार्मिक अनुष्ठानों का शुभारंभ होगा। प्रतिदिन सुबह 8 बजे से कुमकुम अर्चन पूजन, सुबह 10 बजे से मूल पाठ तथा दोपहर 2 बजे से सायं 5:30 बजे तक श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। यह संपूर्ण कार्यक्रम श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर, पड्डल (मंडी) में संपन्न होगा। आयोजन समिति ने बताया कि श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित इस कथा का उद्देश्य सनातन संस्कृति, देवी उपासना और धार्मिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना है। कथा के दौरान श्रद्धालुओं को देवी महिमा, धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का श्रवण करने का अवसर मिलेगा। समिति ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण करें।

ओल्ड स्टूडेंट्स एसो. ने शिक्षा मंत्री से की निहरी कॉलेज में कॉमर्स बहाल करने की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने महाविद्यालय से जुड़ी विभिन्न मांगों का ज्ञापन भी सौंपा

अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। राजकीय महाविद्यालय निहरी की ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन (ओएसए) का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष दिनेश कुमार के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर से मिला और महाविद्यालय से जुड़ी विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से महाविद्यालय में कॉमर्स संकाय को पुनः शुरू करने की मांग उठाते हुए कहा कि इसके बंद होने से निहरी तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। प्रतिनिधिमंडल में ओएसए अध्यक्ष दिनेश कुमार, सचिव अजय कुमार, मुख्य सलाहकार वेद प्रकाश, सदस्य हिमांशी और सोहन लाल शामिल रहे। उनके साथ महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं आकृति, मुस्कान, कार्तिक, जितेंद्र सहित अन्य विद्यार्थियों ने भी शिक्षा मंत्री के समक्ष अपनी बात रखी।

शिक्षा मंत्री से मिलता निहरी कॉलेज की ओल्ड स्टूडेंट्स एसो. का प्रतिनिधिमंडल।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि कॉमर्स संकाय हटने के कारण आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे महाविद्यालयों में प्रवेश लेना पड़ रहा है। इससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने के साथ–साथ समय और संसाधनों की भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि महाविद्यालय में कॉमर्स संकाय दोबारा शुरू किया जाता है तो क्षेत्र के अनेक विद्यार्थियों को अपने घर के निकट ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए ज्ञापन पर सकारात्मक विचार करने तथा विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

बैठक के बाद ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन और विद्यार्थियों ने उम्मीद जताई कि सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर राजकीय महाविद्यालय निहरी में कॉमर्स संकाय को पुनः बहाल करेगी, जिससे क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा।

चौक के ग्रामीण बिजली कटों से परेशान

ट्रांसफार्मर में धमाके के बाद आपूर्ति ठप

अनंत ज्ञान

महेंद्र सिंह राणा, भौर। विकास खंड धनोटू की ग्राम पंचायत चौक में लगातार हो रही बिजली कटौती से ग्रामीणों में भारी रोष है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग की अनदेखी और लापरवाही के कारण उन्हें आए दिन परेशानी झेलनी पड़ रही है। शुक्रवार सुबह ट्रांसफार्मर से तेज धमाके की आवाज आने के साथ ही बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे लोगों के घरेलू कार्य प्रभावित हुए और कई बिजली उपकरणों को भी नुकसान पहुंचा। राजेश ठाकुर और हरवेल सिंह ने बताया कि क्षेत्र में हल्की बारिश या मौसम खराब होते ही बिजली गुल हो जाती है। इस समस्या को लेकर कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि बार–बार बिजली बाधित होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई, किसानों के कार्य और छोटे कारोबार भी प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकार बिजली बिलों में नए–नए कर लगाकर उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है, लेकिन बदले में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने में विभाग पूरी तरह विफल साबित हो रहा है। उन्होंने उपायुक्त मंडी से मांग की है कि क्षेत्र में बिजली व्यवस्था में शीघ्र सुधार कराया जाए, ट्रांसफार्मर की जांच कर आवश्यक मरम्मत करवाई जाए तथा भविष्य में बार–बार होने वाली बिजली कटौती से लोगों को राहत दिलाई जाए।

धनोटू में बिजली की आंख मिचौनी से लोगों में आक्रोश

अनंत ज्ञान, महादेव। नाचन विधानसभा क्षेत्र में बिजली की आंखमिचौनी थमने का नाम नहीं ले रही है। विद्युत अनुभाग धनोटू के अंतर्गत आते एक बड़े भाग में बिजली की सुचारू आपूर्ति न होने से लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।बिजली की समुचित व्यवस्था न होने के चलते हर रोज यानि दिन- रात बिजली का कट लगाया जा रहा है जिससे विद्यार्थी वर्ग -लघु उद्यमियों समेत अन्य कई क्षेत्रों में जुड़े लोगों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है जबकि बिजली की नियमित तौर पर आपूर्ति जारी रखने के लिए लोग संबंधित विभाग के यहां कई- कई बार फरियाद कर चुके हैं मगर यह नियमितता बनाने की बजाय सब विपरित दिशा में धकेल दिया गया है जिससे अब बिजली रोज रोज की समस्या बनकर रह गई है ऐसे में पढ़ाई कर रहे लोग औद्योगिक क्षेत्र स्वास्थ्य सुविधाएं तथा अन्य बिजली पर निर्भर वर्तमान आधुनिक जीवन काफी हद तक प्रभावित हो रहा है। बुद्धिजीवी लोगों का कहना है कि यह स्थिति ऐसे समय पर बनी है जब हर क्षेत्र में तरक्की होने की आशा बंधी है मगर अलग हटकर नया नहीं रचा जा रहा है केवल बड़ी बड़ी बातें ही की जा रही है । बुद्धीजीवी लोगों का यह भी कहना है कि सरकार द्वारा जनता पर विभिन्न टैक्स का बोझ लादने के बावजूद भी मूलभूत सुविधाएं तक ठंडे बस्ते में पड़ गई हैं। लोगों ने उपायुक्त मंडी से बिजली आपूर्ति को लेकर बनी अव्यवस्था को लेकर शीघ्र सुधार करने की पुरजोर मांग की है।

असेंट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पधर में करवाई सुलेख प्रतियोगिता

सुंदर हस्तलेखन का अलग महत्व : गुलाब सिंह

अनंत ज्ञान

पधर। असेंट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पधर में विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं रचनात्मक विकास तथा सुंदर हस्तलेखन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी और अंग्रेजी की द्विभाषी सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ शिक्षिका आरती ठाकुर के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को सुंदर एवं स्पष्ट लेखन के महत्व से अवगत कराया।

प्रतियोगिता के परिणाम प्रधानाचार्य गुलाब सिंह चौहान ने घोषित किए तथा विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि सुंदर लिखावट अनुशासन, एकाग्रता और व्यक्तित्व का परिचायक है। हिंदी वर्ग में कक्षा पहली से पांचवीं तक क्रमशः इनाक्षी ठाकुर, विवान, आरोही ठाकुर, सूर्यांश और पारस प्रथम रहे, जबकि अंग्रेजी वर्ग में मोलीशा वर्मा, आरोही, शिवांश ठाकुर, निर्मिता ठाकुर और राव्या पलसेरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर क्रमशः शौर्य राजपूत, सूर्यांश, लक्षिका ठाकुर, कियान शर्मा, गौर्यांश ठाकुर तथा अंग्रेजी में शिवम ठाकुर, विवान, विदान धीमान, आराध्या ठाकुर और अर्पिता ठाकुर रहे। तृतीय स्थान पर हिंदी में जीनल ठाकुर, दिव्यांशी अंधारी, मयंक ठाकुर, अमायरा ठाकुर और विहान, जबकि अंग्रेजी में सृष्टि, देव्यांश ठाकुर, जीविका, अहाना ठाकुर और मयंक ठाकुर रहे। प्रधानाचार्य गुलाब सिंह चौहान ने कहा कि तकनीकी युग में भी सुंदर हस्तलेखन का महत्व कम नहीं हुआ है और यह परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन में सहायक बनता है। प्रतियोगिता के समापन पर सभी विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

निशुल्क प्रशिक्षण कोर्स के लिए आवेदन आमंत्रित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। एडीसी गुरसिमर सिंह ने यहां बताया कि भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उपक्रम राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड प्रशिक्षण संस्थान मंडी ने वर्ष 2026–27 सत्र के लिए विविध संकायों में निशुल्क प्रशिक्षण कोर्स के लिए आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया पहली जुलाई से शुरू कर दी है। महिलाओं के लिए कटिंग–टेलरिंग, डेटा एंट्री एवं ऑफिस सहायक, टैली एकाउंटिंग एवं जीएसटी, हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग के लिए 20–20 सीटों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षुओं के पास क्रमशः 9वीं, 10वी, 12वीं, व 10वीं कक्षा के उत्तीर्ण प्रमाण–पत्र होने अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि ये प्रशिक्षण कोर्स सभी वर्गों से संबंध रखने वाले प्रशिक्षुओं को निःशुल्क रूप में प्रदान किए जाएंगे। प्रशिक्षण कोर्स पूरा होने पर प्रशिक्षुओं को एनएसआईसी की ओर से प्रमाण–पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को अपना रोजगार शुरू करने या नौकरी पेशा के लिए प्रशिक्षण संस्थान मदद करेगा। इच्छुक उम्मीदवार 2 पासपोर्ट फोटो, आधार कार्ड व योग्यता प्रमाण–पत्र की छायाप्रति सहित एनएसआईसी, रामनगर (पुलघराट), मंडी में आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने इच्छुक उम्मीदवारों से इन कोर्सों के लिए शीघ्र आवेदन करने का आह्वान किया है। इन सभी कोर्स के लिए आगामी 31 जुलाई तक आवेदन–पत्र सीटें खाली होने पर ही स्वीकार किए जाएंगे।

सरकाघाट में कल होगी पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। इंडियन फिटनेस फेडरेशन के तत्वावधान में 5 जुलाई को राज फिटनेस सेंटर, सरकाघाट में पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ सुबह 8 बजे होगा। इसमें लेग प्रेस और बेंच प्रेस की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी, जिनका आयोजन विभिन्न वेट कैटेगरी के अनुसार किया जाएगा। प्रतियोगिता में किसी भी आयु वर्ग के इच्छुक प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक करना है। राज फिटनेस सेंटर के संचालक राजीव ठाकुर ने बताया कि यह प्रतियोगिता नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत आयोजित की जा रही है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिता में भाग लेकर खेलों को बढ़ावा देने और नशे से दूर रहने का संदेश देने की अपील की।

समस्या गड्ढों से हादसों का बढ़ा खतरा, लोगों ने दोबारा टारिंग की उठाई मांग

टिक्कन–थल्टूखोड़ सड़क खस्ताहाल

अनंत ज्ञान

रूपी ठाकुर, बरोट। लोक निर्माण विभाग के उपमंडल बीड़ और झटिंगरी के अंतर्गत आने वाले मुख्य बरोट–घटासनी मार्ग पर टिक्कन से थल्टूखोड़ तक सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष है। सड़क की टायरिंग जगह–जगह से उखड़ चुकी है और गहरे गड्ढे बनने से वाहन चालकों व राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धमच्याण, लटराण और तरस्वाण पंचायतों के लोगों ने विभाग से सड़क की शीघ्र मरम्मत और दोबारा टायरिंग की मांग उठाई है।धमच्याण पंचायत के पूर्व प्रधान मंगल सिंह ठाकुर ने बताया कि करीब 50 वर्ष पहले लोगों की मांग पर इस सड़क का निर्माण हुआ था और बाद में इसकी टायरिंग भी की गई थी, जो लंबे समय तक टिकाऊ रही। सड़क खराब होने के बाद लगभग पांच वर्ष पूर्व दोबारा टायरिंग की गई, लेकिन यह मात्र दो वर्ष के भीतर ही उखड़ने लगी। वर्तमान में सड़क पर जगह–जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिससे बड़े और छोटे सभी वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि उखड़ी हुई टारिंग से तारकोल, रेत और बजरी सड़क पर बिखरी पड़ी है, जिससे विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा लगातार बना हुआ है। वहीं सड़क किनारे बनी जल निकासी नालियां भी मलबे से भर चुकी हैं, जिसके कारण बरसात के दौरान पानी सड़क पर बहने लगता है और सड़क को और अधिक नुकसान पहुंच रहा है। पूर्व प्रधान मंगल सिंह ठाकुर सहित तीनों पंचायतों के लोगों ने द्रंग के विधायक पूर्ण चंद ठाकुर तथा लोक निर्माण विभाग से टिक्कन–थल्टूखोड़ सड़क की तत्काल मरम्मत, दोबारा टायरिंग तथा नालियों की सफाई करवाने की मांग की है। इस संबंध में द्रंग के विधायक पूर्ण चंद ठाकुर ने कहा कि लोगों की शिकायतें जायज हैं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को सड़क की स्थिति में शीघ्र सुधार करने और आवश्यक कार्य प्राथमिकता के आधार पर करवाने के निर्देश देने का आश्वासन दिया।

टिक्कन–थल्टूखोड़ सड़क मार्ग पर उखड़ी टारिंग और जगह–जगह बने गहरे गड्ढे।

बालिकाओं के सर्वांगीण विकास पर दिया बल

संधोल में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर शिविर का आयोजन

अनंत ज्ञान

धर्मपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को संधोल में प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय को सुदृढ़ करना तथा अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं की क्षमता का विकास करना था। कार्यक्रम में पुलिस थाना संधोल के उप निरीक्षक संजीव जमवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अर्चना, वंदना एवं अंजना विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। बाल विकास परियोजना अधिकारी, धर्मपुर की ओर से पर्यवेक्षक पूरण चंद ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान पर विस्तृत जानकारी दी और बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। शिविर में विशेषज्ञों ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान, लैंगिक समानता एवं जेंडर संवेदनशीलता, बालिका स्वास्थ्य एवं पोषण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा , बाल संरक्षण एवं बाल अधिकार, सामुदायिक जागरूकता, व्यवहार परिवर्तन तथा विभागीय अभिसरण जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। इस दौरान बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों और सामुदायिक सहभागिता पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, किशोरियों में एनीमिया की रोकथाम, संतुलित पोषण, टीकाकरण तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। शिविर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों, महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

उजाला एक विश्वास है जो अंधेरे के किसी भी रूप के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजाने को तत्पर रहता है। ये हममें साहस और निडरता भरता है।
-डॉ. प्रेम जनमेजय

संपादकीय

मानसून की दोहरी मार

हिमाचल प्रदेश में मानसून की दस्तक जहां हरियाली, जलस्त्रोतों के पुनर्जीवन और कृषि के लिए नई उम्मीद लेकर आती है, वहीं दूसरी ओर यह मौसम हर वर्ष अपने साथ अनेक चुनौतियां और त्रासदियां भी लेकर आता है। बीते लगभग एक दशक से यह स्थिति लगातार देखने को मिल रही है कि बारिश शुरू होते ही प्रदेश का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। भूस्खलन, बादल फटना, सड़कें ध्वस्त होना, पुल बह जाना और दूसरी ओर सर्पदंश की बढ़ती घटनाएं लोगों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती हैं। यदि कहा जाए कि हिमाचल में मानसून अब केवल एक मौसम नहीं, बल्कि आपदा की चेतावनी बन गया है, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी।

सबसे पहले बात सड़कों की करें तो हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य की जीवनरेखा उसकी सड़कें ही हैं। प्रदेश के अधिकांश गांव और कस्बे सड़क संपर्क पर ही निर्भर हैं लेकिन मानसून शुरू होते ही अनेक सड़कें भूस्खलन की भेंट चढ़ जाती हैं। कहीं पहाड़ दरक जाते हैं तो कहीं सड़कें पूरी तरह धंस जाती हैं। परिणामस्वरूप कई गांवों का संपर्क जिला मुख्यालयों और शहरों से कट जाता है। मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते, विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है, किसानों की उपज मंडियों तक नहीं पहुंच पाती और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी बाधित हो जाती है।

वर्षों से यह देखा जा रहा है कि बरसात के दौरान सड़कें बंद होने की समस्या लगभग नियमित घटना बन चुकी है। कई स्थानों पर हर वर्ष वही सड़कें टूटती हैं और हर बार मरम्मत पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल अस्थायी मरम्मत ही समाधान है या फिर स्थायी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है? सड़क निर्माण के दौरान भूगर्भीय परिस्थितियों का पर्याप्त अध्ययन, मजबूत ड्रेनेज व्यवस्था, पहाड़ियों की वैज्ञानिक कटाई तथा ढलानों को सुरक्षित बनाने के उपायों को प्राथमिकता देना समय की मांग है।

इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि लोक निर्माण विभाग, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और जिला प्रशासन मानसून शुरू होने से पहले संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक मशीनरी और कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करें। कई बार सड़क खुलने में घंटों नहीं बल्कि कई दिन लग जाते हैं, जिससे आम लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आधुनिक तकनीक, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली और बेहतर समन्वय से इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

मानसून की दूसरी बड़ी चुनौती सर्पदंश है, जिस पर अक्सर सड़कों और भूस्खलन जैसी बड़ी घटनाओं के बीच अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। बारिश के मौसम में बिलों में पानी भर जाने के कारण सांप सुरक्षित स्थानों की तलाश में घरों, खेतों, गोशालाओं और मानव बस्तियों की ओर निकल आते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में काम करने वाले किसान, घास काटने वाली महिलाएं, जंगलों में जाने वाले लोग तथा खुले स्थानों पर खेलने वाले बच्चे सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं।

दुर्भाग्य से हर वर्ष प्रदेश में सर्पदंश के कारण कई लोगों की मृत्यु हो जाती है। अनेक मामलों में समय पर उपचार नहीं मिल पाता या फिर लोग अंधविश्वास और झाड़-फूंक के चक्कर में अस्पताल पहुंचने में देर कर देते हैं। यह देरी कई बार जानलेवा साबित होती है। इसलिए जनजागरूकता इस समस्या से निपटने का सबसे प्रभावी माध्यम है। लोगों को यह समझना होगा कि सांप के काटने के बाद घरेलू उपचार या झाड़-फूंक के बजाय तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचना ही जीवन बचाने का सबसे सुरक्षित उपाय है। सरकार को भी इस दिशा में गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। मानसून शुरू होने से पहले सभी जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में एंटी-स्नेक वेनम उपलब्ध होना चाहिए। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को सर्पदंश के उपचार संबंधी नियमित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। साथ ही एंबुलेंस सेवाओं को दूरदराज क्षेत्रों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की व्यवस्था भी मजबूत की जानी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों, स्कूलों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। लोगों को बताया जाए कि घरों और आसपास झाड़ियां न बढ़ने दें, लकड़ी या घास उठाते समय सावधानी बरतें, रात के समय टॉर्च का प्रयोग करें, बच्चों को नंगे पैर बाहर न जाने दें और खेतों में काम करते समय ऊंचे जूते तथा सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें। छोटे-छोटे एहतियाती कदम कई बड़ी दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं।

कुल मिलाकर , यह भी आवश्यक हो जाता है कि आपदा प्रबंधन की योजनाओं में सर्पदंश को भी गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में शामिल किया जाए, क्योंकि इससे बड़ा नुकसान होता है। आज अधिकांश तैयारियां केवल भूस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं तक सीमित रहती हैं, जबकि सर्पदंश भी मानसून से जुड़ी एक बड़ी चुनौती है, जो हर वर्ष कई परिवारों को प्रभावित करती है।

आज की प्रमुख हस्ती

भारतीय बैडमिंटन के स्टार युगल खिलाड़ी

चिराग चंद्रशेखर शेट्टी का जन्म 4 जुलाई 1997 को मुंबई, महाराष्ट्र में हुआ। उन्होंने मात्र सात वर्ष की आयु में बैडमिंटन खेलना शुरू किया और गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब में मनीष हाडकर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लिया। बाद में उन्होंने हैदराबाद स्थित पुलेला गोपीचंद अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जहां उनकी जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के साथ बनी। यह जोड़ी भारतीय बैडमिंटन इतिहास की सबसे सफल पुरुष युगल जोड़ियों में गिनी जाती है।

चिराग चंद्रशेखर शेट्टी
जन्म : 4 जुलाई, 1997

चिराग और सात्विक ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। वे बीडब्ल्यूएफ़ सुपर 500 टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी बने। वर्ष 2022 उनके करियर का स्वर्णिम वर्ष रहा, जब उन्होंने इंडिया ओपन सुपर 500 का खिताब, थॉमस कप में भारत की ऐतिहासिक जीत, विश्व चैंपियनशिप का कांस्य पदक और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में उन्होंने इंग्लैंड की बेन लेन और सीन वेंडी की जोड़ी को 21-15, 21-13 से हराकर भारत को पहला पुरुष युगल स्वर्ण दिलाया।

अक्तूबर 2022 में चिराग-सात्विक की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 का खिताब भी जीतकर भारतीय बैडमिंटन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चिराग शेट्टी को वर्ष 2020 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अपनी मेहनत, अनुशासन और शानदार तालमेल के दम पर चिराग शेट्टी आज भारतीय बैडमिंटन के सबसे सफल और प्रेरणादायक खिलाड़ियों में शामिल हैं।

कविता

हे धरा कृपा करो

वीरेन्द्र शर्मा वात्स्यायन
ऊना (हिमाचल प्रदेश)

धधक धधक रही धरा अब, झुलस रहे सभी प्राणी जीव
देखा नहीं ऐसा मंजर कभी, हे धरा ! हम पर कृपा करो
क्यों तुम रूठी हो वसुधा, सूख रही है प्रकृति यहां
चारों ओर गर्मी का कहर, धरा बंजर है बन रही
कांटे ही कांटे उग रहे, छाया का नाम कहां
धूप अंगारे बरसा रही, हे वसुधा ! कृपा करो
ममतामयी कहलाती हो तुम , छोड़कर क्रोध की अग्नि
ठंडक प्रदान करो हमें, हे धरती मां! माफ करो
आगे से नहीं करेंगे छेड़छाड़ , करो हम सबका तुम भला
करेंगे हमेशा ख्याल तेरा, सुरक्षित नहीं हैं हम यहां
तुम पर ही हमारी डोर , हो यहां सदा सुखद भोर
हे वसुधा ! तूं है तो हैं हम क्षमा करो तुम हमारी भूल
हमारी दयनीय दशा को देख, कृपा करो हे वसुंधरा ! तुम

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन की आड़ में 'हुड़दंग'

ठाकुर दीक्षित धलारिया
संधोल,मंडी (हि.प्र.)

हिमाचल प्रदेश पर्यटन की दृष्टि से विश्वभर में विलक्षण पहचान रखता है। देश के कोने-कोने सहित विश्वभर से पर्यटक हिमाचल की संस्कृति व प्राकृतिक सौंदर्य का दीदार करने पहुंचते हैं, और यहां पहुंचकर यहीं के होकर रह भी जाते हैं।

हिमाचल प्रदेश कोई आम जगह नहीं बल्कि जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाला प्रदेश है। यहां अनेक चुनौतियां हैं जिन्हें अन्य जगह से एकदम आकर नहीं समझा जा सकता है, लेकिन कुछ लोग इस भ्रम में फंस जाते हैं कि हिमाचल में पहाड़ और नदियां ही तो है ये हर जगह ही होती है, हमें तो सब पता है, इस भ्रम में फंसकर तेज-तर्रार ड्राइविंग कौशल को अजमाने के प्रयास किए जाते हैं मगर कई बार ऐसा करना खुद के लिए तो खतरनाक साबित होता ही है बल्कि साथ वालों और सामने वाले को भी संकट में डालता है।

हिमाचल प्रदेश में सबका स्वागत है,यहां की संस्कृति सदैव 'अतिथि देवो भव:' की रही है। यहां के लोग सदैव सबका स्वागत करते हैं। सहायता करते हैं, आपदाओं में फंस जाने पर मददगार भी साबित होते हैं, मगर आए दिन हिमाचल प्रदेश में बाहर से आए कुछ लोग हुड़दंग मचाते हैं, चाहे हिमाचल पथ परिवहन निगम के बस चालकों व परिचालकों के साथ ओवरटेक को लेकर तनातनी व मारपीट हो। ऐसा ही मामला अभी हाल ही में वोल्वो बस के चालक के साथ मारपीट कर लहूलुहान करने का शिमला में घटित हुआ, इसी दिन शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर बिना किसी खौफ के खुले आम हुक्के के छल्ले उड़ाने में कोई शर्मिंदगी बाहर से युवाओं को नहीं महसूस हुई। कई ग्रामीण रास्तों पर गाड़ियां लगाकर जाम छलकाते हैं जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं को रास्ता पार करने में भी भय महसूस होता है। ऐसा ही मामला सैंज में हुआ जहां पर्यटकों ने पहले पैदल राहगीर को कार से टक्कर मारी, फिर तेजधार हथियार से हमला कर दिया।

कई बार प्रतिबंधित क्षेत्रों में वाहन जबरदस्ती ले जाने को लेकर पुलिस कर्मियों से बहस-हाथापाई ऐसे कई उदाहरण है जिन्होंने हिमाचल की शांतिपूर्ण वादियों में अशांति का बीज बोने का प्रयास किया है। हिमाचल देवभूमि है कोई युद्ध भूमि नहीं,जो यहां घूमने आने के लिए भी हथियार लेकर आना पड़े। ऐसे ही चर्चित विषय सेल्फी और वीडियो, रील्स के चक्कर में जान गंवाने वालों के भी रहते हैं। आए दिन समाचार सुर्खियों में छपा होता है कि 'रील्स व सेल्फी के चक्कर में पर्यटकों ने गंवाई जान'। आखिर ये कैसी सेल्फी और रील्स जो जिंदगी से बड़ी हो गई,क्यों जान सेल्फी में रहकर लोग ऐसे प्रयास करते हैं। यह हिमाचल है यहां कब कौन सा नदी-नाला झरना,उफान पर आकर जीवन और मौत के फासले को पाटना शुरू कर दे ये कोई नहीं जानता,इन्होंने कई सेल्फी व रील्स वालों को अपने अंदर समाया है। लोग पहाड़ों पर घूमने तो आते हैं मगर कई बार कुछेक की हरकतें देखकर लगता है उन्हें घूमना अभी आया ही नहीं है,सीखने की आवश्यकता है।

कुछेक पहाड़ों पर शांति के लिए आते है और यहां अशांति उत्पन्न करते हैं, कुछ स्वच्छ वातावरण का नारा लगाकर पहुंचते हैं तो वापस जाते समय गंद फैलाकर जाते हैं। हिमाचल के लोगों के शांत व सौम्य व्यवहार की तारीफ करते हैं मगर खुद जाते जाते रास्ते में लड़ाई करते हैं। ये घूमने का ऐसा कैसा ढंग? विश्व के कई देशों के लोग यहां पहुंचते है मगर वो कभी हुड़दंग नहीं मचाते, ना कभी उनका विवाद यहां के स्थानीय लोगों से होता है ,यह सोचने की बात है भाषाई विभिन्नता व अनेक कारकों के बावजूद विदेशी सैलानी सचमुच में प्रकृति व संस्कृति में खोए हुए नजर आते हैं, क्योंकि उन्होंने बहुत लंबे समय से घूमना सीखा है, लेकिन देश के ही सैलानी कभी गाड़ियों के ओवरटेक को लेकर तलवारें निकालकर लड़ते नजर आते हैं तो कभी रिवॉल्वर बाहर निकल आती है।

इतने से ही बात नहीं बनती तो शराब पीकर स्थानीय हॉटल व्यवसाइयों से पैसे को लेकर तनातनी हो या खाना खाकर पैसे ना चुकाने का विवाद हो इस प्रकार के सारे मामले माहौल को खराब करते हैं,करते कुछेक हैं और बदनाम बाहर से आने वाले सब होते हैं। हिमाचल प्रदेश भले पर्यटन गतिविधियों पर निर्भर है,प्रदेश व स्थानीय लोगों को पर्यटकों की आमद से राजस्व व आमदनी प्राप्त होती है,मगर पर्यटन की आड़ में स्थानीय शांति को भंग कर लोगों को तंग करना बर्दाश्त योग्य कदापि नहीं हो सकता।

सोचिए अगर इसी प्रकार से हिमाचल के लोग आपके क्षेत्रों में, घर में आकर आपसे दुर्व्यवहार कर मारपीट करें तो कैसा लगेगा! इस प्रश्न का जवाब हुड़दंगियों के पास नहीं होगा। हिमाचल प्रदेश आने वाले अधिकांश पर्यटक स्थानीय लोगों के आतिथ्य का सम्मान करते हैं, लेकिन कुछ लोगों की लापरवाही और अभद्र व्यवहार चिंता का विषय बनता जा रहा है। पहाड़ों पर कूड़ा फैलाना, खुले में शराब पीना, स्थानीय संस्कृति और महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक व्यवहार, हुड़दंग और लापरवाह ड्राइविंग न केवल पर्यावरण बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी नुकसान पहुंचा रही है।

स्थानीय लोग पर्यटन का स्वागत करते हैं, परंतु अनुशासनहीनता और गुंडागर्दी स्वीकार्य नहीं है। पहाड़ों की भौगोलिक परिस्थितियां मैदानी क्षेत्रों से अलग हैं, इसलिए विशेष सतर्कता आवश्यक है। हिमाचल की स्वच्छता, प्राकृह्यतिक सुंदरता और सांस्कृतिक गरिमा बनाए रखना केवल सरकार या स्थानीय लोगों की नहीं, बल्कि प्रत्येक पर्यटक की भी नैतिक जिम्मेदारी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

श्रवण में बारिश की फुहारों से अटा रहता है सदाशिव ध्यंसूर महादेव मंदिर

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

हिमाचल प्रदेश के जिला ऊना के समस्त क्षेत्र को प्रकृति ने अपार सौंदर्य से संवारा ही नहीं, बल्कि यहां के लोगों ने भी वास्तुकला की विलक्षण शैलियों द्वारा मंदिरों का निर्माण कर ऊना जनपथ को अद्भुत समृद्ध संस्कृति से सराबोर कर रखा है। यहां के विविध भागों में अनेक देवी-देवताओं के मंदिर विद्यमान हैं। यह सभी धार्मिक स्थल जहां अति पूजनीय हैं, वहीं लोगों की श्रद्धा, आस्था और विश्वास के प्रतिबिंब भी हैं यानी प्रत्येक की अपनी ही महत्ता तथा विशेषता है।

इन मंदिरों में वर्षभर अनेक धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। ऊना के अलग-अलग शोभा वाले अनेक मंदिरों में से एक है सदाशिव ध्यंसूर महादेव मंदिर,जोकि ऊना-अंब राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे बडूही मार्ग से मात्र 12 किमी. की दूरी पर तलमेडा-बही ग्रामीण क्षेत्र की पर्वतीय भाग की तलहटी के हरे-भरे जंगल के मध्य अवस्थित है,जिसकी नक्काशी को देखकर लोग अचंभित हो जाते हैं। वैसे भी भोलेनाथ अनंत और सर्वव्यापक हैं। किंवदंतियों अनुसार यह मंदिर लगभग 5500 वर्ष से भी अधिक पुराना है। प्राचीन सदाशिव ध्यंसूर मंदिर घने शीशम,खैर, पलाह, आम,बेर आदि हरियाली से आच्छादित है और इसके इर्दगिर्द विचरण करते अनेकों जंगली जानवर,एक डाल से दूसरी डाल पर उच्छल-कूद की अठखेलियां करते बन्दरों के झुंड,मुर्गियों- पक्षियों के अथाह समूह के अद्भुत दृश्य अनायास ही सभी को आत्मविभोर कर देते हैं। यह मंदिर धार्मिक दृष्टि से अत्याधिक महत्व रखता है।

किंवदंतियों के अनुसार इस स्थान पर पांडवों ने अपने अज्ञात वनवास का कुछ समय यहां भी गुजारा था,जिसके प्रमाण प्रत्यक्ष रूप में सुरंगों, गुफा, कुंड, बावड़ीयो आदि के रूप में मिलते हैं। जनश्रुति अनुसार पांडवों के पुरोहित धौम्य ऋषि ने अपनी तीर्थ यात्रा के दौरान शिव की घोर अराधना की थी। भोलेनाथ ने उनकी इस तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें मनवांछित वर मांगने को कहा। ऋषि धौम्य ने भोलेनाथ से कहा की कोई भी व्यक्ति इस स्थान पर उनके द्वारा पूजित शिवलिंग की पूर्ण आस्था के साथ अराधना करेगा तो वे मनवांछित फल प्राप्त करेगा। भोलेनाथ ने उनकी प्रार्थना को शिरोधार्य कर तथास्तु कहा। एक अन्य जनश्रुति अनुसार इस स्थान व प्राचीन शिवलिंग की खोज स्वामी ओंकारानंद गिरि महाराज 1008 ने की थी। उन्होंने यहां पहुंचकर मंदिर की पुनर्स्थापना की। मंदिर निर्माण के दौरान खुदाई में यहां कई मूर्तियां तथा कलश च, आदि मिले थे। लोग इन्हें पांडवों द्वारा निर्मित मानते हैं। वैसे भी यह समस्त तलहटी शिवलिंग के आकार रूप लिए हुए है। मंदिर के भीतर अवस्थित अलौकिक व भव्य शिवलिंग के दर्शन किए जा सकते हैं,जो एक अनोखा अलौकिक शिवलिंग प्रतीत होता है। इस शिवलिंग के समक्ष समस्त श्रद्धालु नतमस्तक हो जाते हैं।

मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु सच्चे मन और पूर्ण श्रद्धा से भगवान शिव की आराधना करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। श्रावण मास में यह मंदिर विशेष रूप से बारिश की फुहारों से आच्छादित रहता है और प्रत्येक सोमवार को देशभर से हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए उमड़ते हैं। भक्त शिवलिंग पर बेलपत्र, दूर्वा, तिल, चावल, दूध और जल अर्पित कर भजन-कीर्तन के माध्यम से पूरे वातावरण को शिवमय बना देते हैं। शिवरात्रि और भाद्रपद मास के मेले भी यहां विशेष आकर्षण का केंद्र होते हैं।

मंदिर परिसर से पूरे ऊना जनपद का मनमोहक दृश्य दिखाई देता है। यहां तक पहुंचने का मार्ग घने जंगलों, रंग-बिरंगे जंगली फुलों, शुद्ध हवा, बंदरों, मोरों, जंगली मुर्गियों और पक्षियों की मधुर चहचहाहट से भरपूर प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव कराता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए धर्मशाला, लंगर तथा समीप स्थित प्राकृतिक जलस्रोत और बावड़ियां भी उपलब्ध हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

राम मंदिर अयोध्या से ज्यादा जरूरी है भगवान राम के आदर्श को जानना

संजय गोस्वामी
स्वतंत्र लेखक

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के केवल आराध्य देव ही नहीं, बल्कि सत्य, मर्यादा, सेवा, त्याग, करुणा और धर्म के सर्वोच्च आदर्श हैं। आज जब समाज में धार्मिक आस्था बढ़ रही है, मंदिरों का निर्माण हो रहा है और भव्य आयोजन किए जा रहे हैं, तब यह भी आवश्यक है कि भगवान श्रीराम के जीवन मूल्यों को भी जन-जन तक पहुंचाया जाए।

यदि समाज में मंदिरों में चढ़ावे की चोरी जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि संस्कारों की कमी का भी संकेत है। सच्ची रामभक्ति केवल मंदिरों में दीप जलाने या जयकारे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने में निहित है।

भगवान श्रीराम ने अपने पूरे जीवन में यह संदेश दिया कि शक्ति का उपयोग सदैव धर्म, न्याय और लोककल्याण के लिए होना चाहिए। उन्होंने अन्याय, अहंकार और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष किया। रावण महान विद्वान, शिवभक्त और अपार शक्तियों का स्वामी था, किंतु उसका अहंकार और शक्ति का दुरुपयोग ही उसके पतन का कारण बना। दूसरी ओर श्रीराम ने भगवान शिव की आराधना कर विजय का आशीर्वाद प्राप्त किया और मर्यादा का पालन करते हुए धर्म की स्थापना की। इससे स्पष्ट होता है कि केवल पूजा पर्याप्त नहीं, बल्कि विनम्रता, संयम और सदाचार भी उतने ही आवश्यक हैं।

रामायण में अहिल्या उद्धार का प्रसंग प्रभु की करुणा और चरणों की महिमा का अद्भुत उदाहरण है। गौतम ऋषि के श्राप से पत्थर बनी अहिल्या वर्षों तक प्रभु की प्रतीक्षा करती रहीं। भगवान श्रीराम के चरण-स्पर्श से उन्हें पुन: जीवन प्राप्त हुआ। यह प्रसंग केवल एक चमत्कार नहीं, बल्कि इस सत्य का प्रतीक है कि प्रभु की कृपा मनुष्य के जीवन में नई चेतना और नई शुरुआत का मार्ग खोल सकती है। भगवान के चरण पवित्रता, करुणा और मोक्ष के प्रतीक माने गए हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि उनके चरणों की धूल भी मनुष्य के पापों का नाश कर उसे सद्मार्ग की ओर प्रेरित करती है।

भगवान विष्णु के चरणों से प्रकट हुई गंगा संपूर्ण मानवता को पवित्र करती है। उनके चरणों में अंकित शंख, ऊर्ध्वरेखा, दर्पण और सुमेरु जैसे चिह्न गहन आध्यात्मिक संदेश देते हैं। शंख विजय और धर्म का प्रतीक है, ऊर्ध्वरेखा निरंतर उन्नति का, दर्पण आत्मचिंतन का और सुमेरु स्थिरता तथा सर्वोच्च उपलब्धि का। इन प्रतीकों का सार यही है कि जो व्यक्ति अपने जीवन को प्रभु के चरणों में समर्पित कर देता है, उसका जीवन संतुलित, शांत और उद्देश्यपूर्ण बन जाता है। हनुमानजी का जीवन भी श्रीराम के प्रति अटूट श्रद्धा और समर्पण का सर्वोत्तम उदाहरण है। जामवंत द्वारा अपनी शक्ति का स्मरण कराए जाने पर हनुमानजी ने समुद्र लांघकर माता सीता का पता लगाया। यह घटना हमें सिखाती है कि मनुष्य के भीतर अपार सामर्थ्य होती है, लेकिन उसे जागृत करने के लिए आत्मविश्वास, गुरु का मार्गदर्शन और ईश्वर पर अटूट विश्वास आवश्यक है। राम नाम की शक्ति मनुष्य को असंभव प्रतीत होने वाले कार्य भी करने का साहस देती है। भगवान श्रीराम का जीवन यह भी सिखाता है कि सुख और दु:ख जीवन के दो पक्ष हैं। विपत्ति में धैर्य, सफलता में विनम्रता, कर्म में निष्ठा और व्यवहार में करुणा ही संतुलित जीवन का आधार है। मनुष्य को बिना फल की चिंता किए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए तथा दूसरों के प्रति सहानुभूति और सेवा का भाव रखना चाहिए। यही सच्ची भक्ति है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम धार्मिक आडंबरों से आगे बढ़कर भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएं। यदि प्रत्येक व्यक्ति सत्य, ईमानदारी, सेवा, अनुशासन, परोपकार और विनम्रता को अपनाए, तो समाज स्वत: बेहतर बन जाएगा। भगवान श्रीराम का संदेश किसी एक युग के लिए नहीं, बल्कि हर काल और हर व्यक्ति के लिए प्रेरणास्रोत है। सच्ची रामभक्ति मंदिरों की भव्यता में नहीं, बल्कि मन की पवित्रता, निष्काम सेवा और धर्ममय आचरण में निहित है। जब हम अपने जीवन में इन आदर्शों को अपनाएंगे, तभी भगवान श्रीराम की आराधना वास्तव में सार्थक होगी और हमारा जीवन भी मर्यादा, शांति और मानवता के प्रकाश से आलोकित हो उठेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नशे पर लगाम लगाना बहुत जरूरी

केशव शर्मा 'रसिक'
कोटला, घुमारवीं

स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति, परिवार और समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। स्वस्थ नागरिक ही किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होते हैं और उसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। लेकिन वर्तमान समय में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। शराब, तंबाकू, सिगरेट, गुटखा, चरस, गांजा, अफीम और अन्य मादक पदार्थों का बढ़ता सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि परिवारों की खुशियां, सामाजिक सौहार्द और आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित कर रहा है। यदि समय रहते इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों तक देखने को मिल सकते हैं।

नशा मानव शरीर के लगभग प्रत्येक अंग को प्रभावित करता है। तंबाकू और सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और श्वसन संबंधी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अत्यधिक शराब का सेवन यकृत (लीवर), गुर्दों और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाता है। वहीं चरस, गांजा और अन्य मादक पदार्थ मानसिक संतुलन को प्रभावित कर व्यक्ति को अवसाद, चिंता, तनाव और आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याओं का शिकार बना देते हैं। लंबे समय तक नशे की लत व्यक्ति की कार्यक्षमता को कम कर देती है और उसका सामाजिक जीवन भी प्रभावित होने लगता है।

नशे का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका पूरा परिवार इसकी कीमत चुकाता है। नशे की लत के कारण घरेलू हिंसा, पारिवारिक कलह, आर्थिक तंगी और रिश्तों में दूरियां बढ़ने लगती हैं। कई परिवारों की वर्षों की मेहनत से अर्जित पूंजी नशे की आदतों में नष्ट हो जाती है। ऐसे वातावरण में पलने वाले बच्चों का मानसिक और भावनात्मक विकास भी प्रभावित होता है, जिससे उनका भविष्य संकट में पड़ सकता है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि आज का युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। मित्रों का दबाव, गलत संगति, बेरोजगारी, तनाव, दिखावे की संस्कृति और सोशल मीडिया का प्रभाव युवाओं को नशे की ओर आकर्षित कर रहा है। कुछ लोग इसे आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा मान लेते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि नशा धीरे-धीरे व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य को बर्बाद कर देता है। यही युवा देश का भविष्य हैं और यदि वे नशे की चपेट में आ गए, तो राष्ट्र की प्रगति भी प्रभावित होगी। नशे पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सरकार, समाज और परिवार को मिलकर कार्य करना होगा। विद्यालयों और महाविद्यालयों में नियमित रूप से नशा मुक्ति अभियान, जागरूकता कार्य, म और परामर्श शिविर आयोजित किए जाने चाहिए।

युवाओं को खेल, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों और कौशल विकास कार्य, मों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लग सके। माता-पिता को भी बच्चों के व्यवहार, मित्र मंडली और दिनचर्या पर सतर्क निगरानी रखते हुए उनके साथ संवाद बनाए रखना चाहिए। सरकार को नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध बि, ी पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। नशा मुक्ति केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नशे के शिकार लोगों के पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। जनजागरूकता के माध्यम से ही लोगों में यह समझ विकसित की जा सकती है कि नशा किसी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि अनेक नई समस्याओं की जड़ है। स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक नशे से दूर रहने का संकल्प ले।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

सामिया आरजू का बिदांस अंदाज

पाकिस्तान। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली जहां मैदान में अपनी मारक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, वहीं उनकी पत्नी सामिया आरजू की खूबसूरती के भी खूब चर्चे होते हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। सामिया का ताल्लुक भारत से है, वह हरियाणा के फरीदाबाद की रहने वाली हैं।

महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराया

फाइनल में इंग्लैंड, अब ऑस्ट्रेलिया से टक्कर

एजेंसी, लंदन

कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और पूर्व कप्तान हीदर नाइट की शानदार अर्धशतकीय पारियों के दम पर मेजबान इंग्लैंड ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड की भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से 6 जुलाई को लॉर्ड्स में होगी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम महज 23 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद चोट से वापसी कर रही नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने चौथे विकेट के लिए 133 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर टीम को संकट से बाहर निकाला।

साइवर-ब्रंट ने केवल 47 गेंदों में 75 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं हीदर नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाकर उनका शानदार साथ निभाया। दोनों की बदौलत इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 169 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से शुरुआत में शबनिम इस्माइल और मारिजाने कैप ने बेहतरीन गेंदबाजी की। इस्माइल ने 2 विकेट, जबकि कैप ने अपने चार ओवर में महज 16 रन देकर एक विकेट हासिल किया। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हो गईं। सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स ने संघर्ष करते हुए 51 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला।

इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। लॉरेन बेल और चार्ली डीन ने दो-दो विकेट झटके, जबकि बाकी गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 8 विकेट पर 129 रन तक ही सीमित रखा। मैच के दौरान इंग्लैंड की फील्डिंग भी शानदार रही। सोफी एक्लेस्टोन ने कठिन कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों को झटका दिया, जबकि डैनी वायट-हॉज की सटीक थ्रो से सिनालो जाफ्टा रन आउट हुईं। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी नॉकआउट मुकाबलों में मिली निराशाओं का बदला भी चुकता किया। 2023 महिला टी20 विश्व कप और 2024 महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार का हिसाब बराबर करते हुए इंग्लैंड अब घरेलू सरजमीं पर विश्व चैंपियन बनने से सिर्फ एक जीत दूर है। (अनंत ज्ञान)

दूसरा टी20 : भारत-इंग्लैंड के बीच कांटे की टक्कर आज

सैमसन की परीक्षा, सूर्यवंशी के डेब्यू पर टिकी निगाहें

एजेंसी, मैनचेस्टर

इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को पदार्पण का मौका देने की बढ़ती मांग के बीच सैमसन की हर पारी पर नजर रहेगी।

पहला टी20 बारिश के कारण रद्द हो गया था। उससे पहले भारत ने अभिषेक शर्मा (59) और कप्तान श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की बदौलत सात विकेट पर 189 रन बनाए थे। हालांकि सैमसन सात गेंद में सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए और उनकी धीमी बल्लेबाजी चर्चा का विषय रही।

अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन टी20 में दो अर्धशतक जड़कर अपनी जगह मजबूत की है, जबकि सैमसन लगातार प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। ऐसे में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को मौका देने की मांग तेज हो गई है। हालांकि टीम प्रबंधन युवा खिलाड़ी को लेकर जल्दबाजी के पक्ष में नहीं दिख रहा। मध्यक्रम में तिलक वर्मा से भी तेज बल्लेबाजी की उम्मीद होगी। स्पिन के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट चिंता का विषय रहा है। दूसरी ओर, स्पिनरों की मददगार ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच पर भारतीय गेंदबाजी में बदलाव की संभावना कम है।

इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक, फिल साल्ट और टॉम बैंटन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। ऐसे में मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दूसरे टी20 में वैभव सूर्यवंशी को भारत की ओर से पदार्पण का मौका मिलेगा। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

मेसी के बचे हुए मैच मत गिनिए, हर पल का आनंद लीजिए : रोड्रिगो डी पॉल

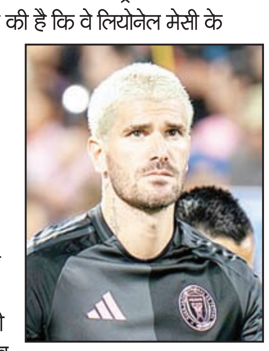

एजेंसी, मियामी। अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने फुटबॉल प्रशंसकों से अपील की है कि वे लियोनेल मेसी के संन्यास या विदाई की चर्चा करने के बजाय उनके हर मैच और हर पल का आनंद लें। केप वर्डे के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले से पहले डी पॉल ने कहा कि मेसी जैसे खिलाड़ी बार-बार नहीं मिलते। 39 वर्षीय मेसी अपना छठा विश्व कप खेल रहे हैं और इसे अर्जेंटीना की ओर से उनका आखिरी विश्व कप माना जा रहा है। हालांकि डी पॉल ने कहा कि टीम अभी से मेसी के बाद के दौर के बारे में नहीं सोच रही। डी पॉल ने कहा, 'अभी हमारे पास मेसी हैं, इसलिए उनके हर पल का आनंद लेना चाहिए। अक्सर किसी शख्स की अहमियत उसके जाने के बाद समझ आती है, लेकिन हमें वर्तमान का जीना चाहिए।' इस विश्व कप में मेसी तीन मैचों में छह गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं। डी पॉल ने मेसी के साथ अपनी दोस्ती को जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताते हुए कहा कि मैदान के अंदर और बाहर उनके साथ समय बिताना उनके लिए गर्व की बात है। डी पॉल ने केप वर्डे को हल्के में लेने से भी इनकार किया। उन्होंने कहा कि ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली इस टीम के खिलाफ अर्जेंटीना पूरी गंभीरता के साथ उतरेगा। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना शुक्रवार को जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा। (अनंत ज्ञान)

सारांश जैन और गुरनूर बराड़ ने श्रीलंका-ए को 366 रन पर समेटा

एजेंसी, गाले, (श्रीलंका)। सारांश जैन और गुरनूर बराड़ (चार-चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर भारत ए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच के दूसरे दिन श्रीलंका ए को पहली पारी में 366 रन के स्कोर पर समेट दिया। श्रीलंका-ए ने कल के पांच विकेट पर 288 रन से आगे खेलना शुरू किया। शुक्रवार सुबह के सत्र में गुरनूर बराड़ ने चमीका गुणाशेखरा (13) रन को आउटकर भारत ए को छठी सफलता दिलाई। इसके बाद सारांश जैन ने केशरा नुवंता (एक) का शिकार कर लिया। 109वें ओवर में सारांश जैन ने दिलम सुदीरा (20) को पगबाधा आउट कर श्रीलंका को आठवां झटका दिया। इस दौरान सहान अराछिगे ने अपना शतक पूरा किया। अगले ही ओवर में बराड़ ने कप्तान सहान अराछिगे (127) रन को आउट कर पवेलियन भेज दिया। सहान अराछिगे ने अपनी पारी में 207 गेंदों का सामना किया और 13 चौके और दो छक्के लगाए। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर बराड़ ने असंका मनोज (चार) को बोल्ड कर श्रीलंका-ए की पारी को 366 रन के स्कोर पर अंत कर दिया। (अनंत ज्ञान)

जाग्रेब ग्रैंड शतरंज टूर: अनीश को हराकर डी गुकेश संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंचे

एजेंसी, जाग्रेब। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने जाग्रेब ग्रैंड शतरंज टूर के दूसरे दिन शानदार वापसी करते हुए नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी को हराया और संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजजा 12 में 10 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि गुकेश, विन्सेंट कीमर, मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और बोगदान-डेनियल डियाक सात-सात अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। सफेद मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने रुई लोपेज़ एक्सचेंज वैरिएशन में गिरी पर शुरू से दबाव बनाए रखा। गिरी जल्द ही अपनी तैयारी से बाहर हो गए और गुकेश ने एक्सचेंज जीतने के बाद कोई मौका नहीं गंवाया। इससे पहले दिन के पहले मुकाबले में डियाक से हारने के बाद उन्होंने जॉर्डन वान फोरेस्ट और गिरी को हराकर शानदार वापसी की। दूसरे भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंद ने जॉर्डन वान फोरेस्ट को हराया, लेकिन नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फिरोजजा से हार गए। फिरोजजा के खिलाफ वह ड्रॉ की स्थिति तक पहुंचे थे, लेकिन एंडगेम की एक गलती उन्हें भारी पड़ गई। रैपिड वर्ग के तीन दौर बाकी हैं। इसके बाद खेले जाने वाले 18 ब्लिट्ज़ मुकाबले टूर्नामेंट के अंतिम विजेता का फैसला करेंगे। (अनंत ज्ञान)

क्रोएशिया को हराकर पुर्तगाल प्री-क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी, टोरंटो

फीफा विश्व कप

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के ऐतिहासिक गोल और अतिरिक्त समय में गोंकालो रामोस के विजयी हेडर की बदौलत पुर्तगाल ने शुक्रवार को फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में क्रोएशिया को 2-1 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। मुकाबले के आखिरी क्षणों में क्रोएशिया ने बराबरी का गोल किया, लेकिन वीएआर जांच के बाद उसे ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया। मैच का पहला गोल क्रोएशिया ने 53वें मिनट में किया। अनुभवी विंगर इवान पेरिसिच ने पुर्तगाल के गोलकीपर डियोगो कोस्टा को छकाते हुए शानदार फिनिश कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके कुछ ही मिनट बाद रोनाल्डो ने गेंद को जाल में पहुंचाया, लेकिन ऑफसाइड के कारण गोल मान्य नहीं हुआ।

पुर्तगाल को 69वें मिनट में पेनाल्टी मिली, जब रेनाटो वेइगा को निकोला व्लासिच ने बॉक्स के अंदर गिरा दिया। वीएआर समीक्षा के बाद रेफरी ने पेनाल्टी का फैसला दिया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बिना किसी गलती के स्पॉट किक को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह विश्व कप नॉकआउट चरण में रोनाल्डो का पहला गोल भी रहा। इसके बाद दोनों टीमों ने लगातार आक्रमण किए। क्रोएशिया के मातेओ कोवाचिच का शानदार शॉट गोलकीपर डियोगो कोस्टा ने पोस्ट की ओर धकेल दिया, जबकि मारियो पासालिच का हेडर मामूली अंतर से बाहर चला गया। निर्धारित समय समाप्त होने के बाद जब मुकाबला अतिरिक्त समय की ओर बढ़ रहा था, तभी चौथे मिनट में राफेल लियाओ के बेहतरीन पास पर गोंकालो रामोस ने हेडर लगाकर पुर्तगाल को 2-1 की बढ़त दिला दी। ड्रामा यहीं खत्म नहीं हुआ। मैच के अंतिम क्षणों में योश्को ग्वार्डियोल ने क्रोएशिया के लिए बराबरी का गोल कर दिया, लेकिन वीएआर जांच में उन्हें ऑफसाइड पाया गया और गोल रद्द कर दिया गया। इस फैसले से क्रोएशियाई खिलाड़ी और समर्थक निराश हो गए, जबकि पुर्तगाल ने जीत का जश्न मनाया। इस जीत के साथ पुर्तगाल ने प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उसका सामना स्पेन से 7 जुलाई को डलास में होगा। (अनंत ज्ञान)

स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराया

एजेंसी, वैंकूवर

ब्रील एम्बोलो और डैन न्डोये के गोलों की बदौलत स्विट्जरलैंड ने फीफा विश्व कप-2026 के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। अब स्विट्जरलैंड का सामना मंगलवार को इसी मैदान पर कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

स्विट्जरलैंड ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और 10वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। 20 वर्षीय युवा खिलाड़ी जोहान मंजांबी ने बाएं फ्लैंक से शानदार दौड़ लगाते हुए लो क्रॉस दिया, जिस पर ब्रील एम्बोलो ने आसान फिनिश कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

मंजांबी का यह टूर्नामेंट में दूसरा असिस्ट रहा। युवा खिलाड़ी अब तक चार विश्व कप मैचों में तीन गोल और दो असिस्ट दर्ज कर चुके हैं। दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। 46वें मिनट में बॉक्स के बाहर मिली गेंद पर डैन न्डोये ने शानदार नियंत्रण दिखाते हुए अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान को छकाकर गेंद जाल में पहुंचा दी।

इसके बाद स्विस टीम ने मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए अल्जीरिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 2-0 की आसान जीत दर्ज की। ग्रुप चरण में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ ग्रुप-बी में शीर्ष पर रहने वाली स्विट्जरलैंड की टीम पूरे टूर्नामेंट में अब तक अजेय बनी हुई है। हालांकि, स्विट्जरलैंड 2006, 2014, 2018 और 2022 विश्व कप में अंतिम-16 से आगे नहीं बढ़ सका था। तीन बार विश्व कप क्वार्टर फाइनल खेलने वाली स्विस टीम अब 1954 के बाद पहली बार अंतिम आठ में जगह बनाने की कोशिश करेगी। (अनंत ज्ञान)

सोना 3104 रुपए हुआ महंगा चांदी 2 .33 लाख रुपए पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली

सोना-चांदी के दाम में आज 3 जुलाई को लगातार चौथे दिन तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3,104 रुपए बढ़कर 1,46,107 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 1,43,003 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, एक किलो चांदी 4,504 रुपए बढ़कर 2,33,354 रुपए पर पहुंच गई। इससे पहले 2 जुलाई को इसकी कीमत 2,28,850 रुपए प्रति किलो थी। सोना पिछले चार दिन में 4,686 रुपए और चांदी 13,374 रुपए महंगी हुई है। इससे पहले सोमवार को सोना 1.41 लाख रुपए और चांदी 2.2 लाख रुपए पर थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12,908 रुपए और चांदी 2,934 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। (अनंत ज्ञान)

सेंसेक्स 261 अंक और निफ्टी 95 अंक हुआ तेज

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 3 जुलाई को तेजी रही। सेंसेक्स 261 अंक की तेजी के साथ 77,764 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 95 अंक की बढ़त रही, ये 24,270 के स्तर पर बंद हुआ। रियल्टी, ढ्रग्ज और फार्मा शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही। शेयर बाजार में 2 जुलाई को बढ़त रही। सेंसेक्स 579 अंक की तेजी के साथ 77,502 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 170 अंक की बढ़त रही। ये 24,176 पर बंद हुआ था।

भारत-बांग्लादेश के बीच रेल सेवा दोबारा शुरू होने की उम्मीद

एजेंसी, सिलीगुड़ी

भारत और बांग्लादेश के बीच यात्री रेल सेवाएं मिताली, बंधन और मैत्री एक्सप्रेस के दोबारा शुरू होने की संभावना तेज हो गई है। सिलीगुड़ी में रेलवे और कूटनीतिक स्तर पर चल रही चर्चाओं के बाद संकेत मिले हैं कि दोनों देशों के बीच संपर्क ट्रेन सेवाएं जल्द बहाल हो सकती हैं।

सूत्रों के अनुसार, रेल अधिकारियों की बैठकों में ट्रैक, रूट और बुनियादी ढांचे की समीक्षा की जा रही है। यदि तैयारियां समय पर पूरी हुईं तो इसी महीने सेवाएं बहाल हो सकती हैं, हालांकि अभी कोई आधिकारिक तारीख तय नहीं की गई है। इन ट्रेनों का संचालन 2024 में सुरक्षा कारणों से अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। सेवाओं में 'मैत्री एक्सप्रेस', 'बंधन एक्सप्रेस' और 'मिताली एक्सप्रेस' शामिल हैं, जो भारत और बांग्लादेश के बीच प्रमुख यात्री संपर्क का माध्यम रही हैं। हाल ही में बांग्लादेश में वीजा सेवाओं के फिर से शुरू होने और राजनीतिक हालात में सुधार के बाद दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ने के संकेत मिले हैं। रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिलते ही संचालन की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है। (अनंत ज्ञान)

पीएम मोदी का राजस्थान-गुजरात आज 1.06 लाख करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार, 4 जुलाई को राजस्थान और गुजरात के दौरे पर रहेंगे, जहां वे कई बड़ी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। राजस्थान में प्रधानमंत्री जोधपुर और बालोतरा में लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनमें नए हवाई अड्डा टर्मिनल का उद्घाटन, उड़ान योजना का विस्तार, देश की पहली ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परियोजना और कई ऊर्जा व रेल परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण, सौर ऊर्जा परियोजनाओं और रेलवे दोहरीकरण जैसी योजनाओं की भी नींव रखी जाएगी। इस दौरान हजारों युवाओं को सरकारी नियुक्ति पत्र भी सौंपे जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

पाकिस्तान में बस खाई में गिरी कम से कम 40 यात्रियों की मौत

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में आज क्वेटा से पेशावर जा रही बस झोब और डेरा इस्माइल खान के बीच डाना सर इलाके में गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार यह हाल के वर्षों में इस इलाके की सबसे घातक सड़क दुर्घटना है। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने हादसे की पुष्टि की है।

जियो न्यूज और दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री के प्रवक्ता रिंद ने कहा कि जिला अधिकारी, बचाव एजेंसियां और अन्य संबंधित विभाग राहत कार्य में जुटे हैं। जिला उपायुक्त शेरानी वली काकर ने कहा कि ऊबड़-खाबड़ इलाका होने के कारण बचाव दलों को दुर्घटनास्थल तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि बलोचिस्तान के नजदीकी अस्पतालों में आपातकाल घोषित किया है।

अधिकारियों ने बताया कि बस के ब्रेक फेल होने की आशंका है। मृतकों में महिला और बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेजा जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी तहसील सदर चंबा जिला चंबा (हि. प्र.)

मिसल नंबर/तहसील/रीडर/2026
तारीख पेशी 3-8-224
पृथी सिंह पुत्र गुरिया निवासी गांव/मुहल्ला धनेई परगना उदयपुर तहसील व जिला चंबा (हि.प्र.)।

वनाम
साधारण आम जनता

विषयः- कागजात माल में प्रार्थी का नाम दरुस्त करने वारा ।

प्रार्थी पृथी सिंह पुत्र गुरिया निवासी गांव/मुहल्ला धनेई परगना उदयपुर तहसील व जिला चंबा (हि.प्र.) ने इस न्यायलय में आवेदन किया है कि उसका नाम उसके आधार कार्ड व ग्राम पंचायत रिंडा विकास खंड चंबा के रिकार्ड में पृथी सिंह दर्ज कागजात माल है, जोकि सही व दरुस्त है। परन्तु तहसील चंबा के पटवार सर्कल उदयपुर के राजस्व अभिलेख में उसका नाम प्रिथो दर्ज कागजात माल है, जोकि गलत है तथा प्रार्थना की है कि उसका नाम तहसील चंबा के पटवार सर्कल उदयपुर के राजस्व अभिलेख में प्रिथो के बजाये पृथी सिंह दरुस्त करने के आदेश पारित करे ।

अतः इस ईस्तहार मुश्तरी मुनादी द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है की यदि प्रार्थी पृथी सिंह पुत्र गुरिया निवासी गांव/मुहल्ला धनेई परगना उदयपुर तहसील व जिला चंबा (हि.प्र.) के नाम को दरुस्त करने वारा आम जनता को कोई आपति हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन होने उपरांत एक माह के अंदर सुबह 10.00 बजे मेरे न्यायलय में हाजिर आकर अपने-अपने उजर व ऐतराज पेश कर सकते है, अन्यथा हाजिर न आने की सूरत में प्रार्थी के नाम को दरुस्त करने के आदेश पारित कर दिए जायेगे ।

आज दिनांक 2/7/2026 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर न्यायलय जारी हुये है

सहायक समाहर्ता, प्रथम-श्रेणी
सदर चंबा, जिला चंबा ।

व अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी नगरोटा बगवां जिला कांगड़ा हि. प्र.।

मिसल नं.928/NT/2026
ता. दा. 28.04.2026
तारीख पेशीः 22/07/2026

उनवान मुकदमा

प्रार्थीका गुलशन बाला पुत्री ज्ञान चन्द निवासी गांव व डाकघर जलोट तहसील नगरोटा बगवां जिला कागंडा हि.प्र. ....*प्रार्थी पक्ष*

बनाम
आम जनता

विषयः- प्रार्थना पत्र जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 की जेर धारा 13(3) के अंतर्गत जन्म तिथि 14-12-1968 को ग्राम पंचायत जलोट के रिकॉर्ड में दर्ज करने बारे ।

अखवारी इश्तहार

प्रार्थीका गुलशन बाला पुत्री ज्ञान चन्द निवासी गाँव व डाकघर जलोट तहसील नगरोटा बगवां जिला कांगड़ा हि.प्र. ने इस अदालत में उपस्थित होकर आवेदन किया है कि उनका जन्म दिनांक 14-12-1968 को ग्राम पंचायत जलोट में हुआ था परन्तु किसी कारणवश ग्राम पंचायत जलोट के रिकॉर्ड में दर्ज ना करवा सके। अतः ग्राम पंचायत जलोट के रिकॉर्ड में दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतः इस अदालती मुनादी द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को प्रार्थीका गुलशन बाला पुत्री ज्ञान चन्द निवासी गांव व डाकघर जलोट तहसील नगरोटा बगवां जिला कांगड़ा हि.प्र. की जन्म तिथि दिनांक 14-12-1968 पंजीकृत करने बारे एतराज हो तो वह दिनांक 22/07/2026 को असालतन व वकालतन उपस्थित होकर अपना एतराज प्रस्तुत कर सकता है उपस्थित न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी और प्रार्थीका गुलशन बाला पुत्री ज्ञान चन्द निवासी गांव व डाकघर जलोट तहसील नगरोटा बगवां जिला कांगडा हि.प्र. की जन्म तिथि दिनांक 14-12-1968 पंजीकृत करने बारे आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 19/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर मोहर सहित जारी हुए।

सहायक समाहर्ता, (द्वितीय श्रेणी)
तहसील नगरोटा बगवां
जिला कांगड़ा, (हिमाचल प्रदेश)।

कार्यालय ग्राम पंचायत नम्होंग
विकास खंड आनी, जिला कुल्लू (हि० प्र०)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत नम्होग विकास खंड आनी, जिला कुल्लू के अन्तर्गत वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न विकास कार्यो के निष्पादन हेतु आवश्यकतानुसार अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाएं दिनांक 10/07/2026 को 2 बजे तक ग्राम पंचायत के कार्यालय में पहुंच जानी चाहिए। निविदाएं दिनांक 10/07/2025 को 2 बजे के वाद ग्राम पंचायत की निर्माण कमेटी व निविदा दाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी।

1. रेत, खान व क्रेशर-प्रति घनमीटर, 2. बजरी 10,20,40 mm-प्रति घनमीटर, 3. मारवल-प्रति घनमीटर, 4. ईंट (1st Class)- प्रति नं. 5. शटरिंग- घनमीटर, 6. R.C.C पाईप- प्रति नं. 7. G.I. पाईप- प्रति नं., 8. PVC पाईप-प्रति नं., 9. एल्काथिन पाईप-कि.ग्राम, 10. जेसीवी-प्रति घंटा, 11. सिमैंट टाईल- प्रति नं., 12. सीमेंट ढुलान- प्रति नं., 13. G.I. शीट-प्रति नं., 14. फर्नीचर- प्रति नं., 15. स्टील 8 एमएम10एमएम12एमएम16 एमएम- प्रतिकिलोग्राम, 16. सीमेंट ब्लॉक-प्रति नं., 17. स्टील 8, 10, 12mm-प्रति किग्रा, 18. लोहा एंग्ल व शीटें- प्रति किग्रा, 19. CIB वोर्ड- प्रति नं., 20. वाल राईटिंग-प्रति अक्षर, 21. वागवानी पौधे- प्रति नं., 22. जंगली पौधे-प्रति नं., 23. इमारती लकड़ी-घनफुट, 24. केटवायर-प्रति वंडल, 25. एल्युमिनियम फिटिंग-प्रति घनफुट, 26. पत्थर तोडान-प्रति घनफुट, 27. पत्थर ढोलान-प्रति घनफुट, 28. दिवार तथा फलोर टाईल-प्रति स्केयर मीटर, 29. वाल राईटिंग तथा साईनबोर्ड-प्रति नं., 30 एगल व शीटे- (प्रति किलोग्राम)

नियम व शर्तेः-

1. निविदा केवल पंजीकृत डाक द्वारा ही पंचायत कार्यालय में प्राप्त की जाएगी। 2. पंजीकृत सप्लायर अपना पंजीकरण नम्बर निविदा पर भरना सुनिशिचत करें तथा इसके साथ आर.सी. नम्वर जी.एस.टी. सी.एस.टी. नम्बर की छाया प्रति संलग्न करें। 3. सप्लाई की जाने वाली सामग्री की गुणवता सही होनी चाहिए। 4. कम दर वाली निविदा को ही मंजूरी दी जाएगी। 5. यदि सप्लायर द्वारा सही समय पर सामग्री नहीं दी जाती है अथवा अथवा सामग्री की गुणवता सही नही पाई जाती तो उस स्थिति में निविदा को रद करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत/गठित कमेटी का होगा तथा सप्लाई आदेष प्राथमिकता के आधार पर दूसरे सप्लायर को दिया जाएगा। 6. सामग्री की दरें एक वर्ष के लिए वही रहेगी तथा सामग्री जहां तक वाहन योग्य सडक है वहां तक पीकप व टीप्पर से पंहुचा देनी होगी। 7. सप्लायर को खनन विभाग से हस्ताक्षरित X-Form या W-Form जमा करवाने होंगे। X-Form या W-Form उपलब्ध न करवाने की सूरत में निविदा को रद करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत/गठित कमेटी का होगा तथा सप्लाई आदेष प्राथमिकता के आधार पर दूसरे सप्लायर को दिया जाएगा। 8. सामग्री सप्लायर पंचायत प्रतिनिधियों का करीवी रिशतेदार नहीं होना चाहिए। 9. निविदादाता के पास अपना पंजीकरण, पैन संख्या, GST होना आवष्यक है। 10. सामग्री की आपूर्ति लोक निर्माण विभाग की स्पेसिफिकेषन के अनुरूप होगी। 11. निर्माण सामग्री कार्यस्थल या जहां तक गाडी जाती है वहां उपलब्ध करवानी होगी। 12. निविदादाता को 30000/-रू0 धरोहर / सुरक्षित राषि पंचायत के नाम जमा करवानी होगी। यदि सामग्री आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता उसकी अग्रिम सुरक्षित राशि वापिस नहीं होगी। 13. निविदादाता य समान दर रहने की स्थिति में एक या एक से अधिक निविदाताओं के लिए कार्य आदेष निर्गत करने, सामग्री की गुणवता के चयन तथा निविदा किसी भी समय रद करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा। 14. ग्राम पंचायत के स्पलाई आर्डर के अनुरूप ही स्पलाई स्वीकार की जाएगी। 15. दरों का उल्लेख करते समय TEX INCLUDED या EXCLUDED का उल्लेख करना भी आवष्यक है। 16. ग्राम पंचायत के समस्त क्षेत्राधिकार में एक ही मूल्य देय होगा व अस्वीकृत सामग्री की अदायगी देय नहीं होगी। 17. सामग्री लेने का अन्तिम मूल्य / निर्णय विभाग की JUSTIFICATION पारित निविदादाता के साथ NEGOTIATION अनुसार उपरान्त किया जाएगा। 18. निविदादाता अपना मोवाईल नं. लिफाफे के वाहर लिखना सुनिश्चित करें।

प्रधान, सचिव
ग्राम पंचायत नम्होंग, विकास खंड आनी

वैश्विक बाजार में चमकेगी हिमाचल की किस्मत

स्पीति घाटी का 'बर्फीला सोना' छरमा अब बनेगा वैश्विक ब्रांड, सीबकथॉर्न को मिला जीआई टैग

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, केलांग/काजा। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल-स्पीति की स्पीति घाटी के लिए एक ऐतिहासिक गौरव का क्षण आया है। यहां प्राकृतिक रूप से उगने वाले औषधीय पौधे छरमा (सीबकथॉर्न) को आधिकारिक तौर पर भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) प्रदान कर दिया गया है। लाहुल स्पीति के पारंपरिक दस्ताने व जुराबों के बाद, सीबकथॉर्न यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पहचान पाने वाला जिले का अगला प्रमुख उत्पाद बन गया है।

इस बड़ी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए लाहुल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने मुख्यमंत्री और संबंधित विभाग का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह मांग लंबे समय से विभिन्न मंचों पर उठाई जा रही थी, जो अब पूरी हुई है। विधायक ने इस मुहिम में सालों से जमीनी स्तर पर योगदान दे रहे स्पीति घाटी के अमर सिंह और उनकी पूरी टीम के प्रयासों की भी विशेष रूप से सराहा। लिहाजा,इस टैग के बाद अब हिमाचल के इस 'बर्फीले सोने' को विश्व स्तर पर एक विशिष्ट ब्रांड के रूप में प्रमोट किया जा सकेगा, जिससे पर्यटन और निर्यात दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

जीआई टैग क्यों है संजीवनी

जीआई टैग मिलने से अब स्पीति घाटी के सीबकथॉर्न और इससे बने उत्पादों (जैसे जूस, जैम, हर्बल टी और दवाइयां) की शुद्धता और प्रामाणिकता सुनिश्चित होगी। कोई भी अन्य क्षेत्र इस नाम का दुरुपयोग नहीं कर पाएगा। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय बाजारों में जीआई टैग वाले उत्पादों की साख बहुत अधिक होती है। इससे स्पीति के छरमा की मांग बढ़ेगी और बिचौलियों के चंगुल से मुक्त होकर स्थानीय उत्पादकों को उनकी कड़ी मेहनत का सही और उचित मूल्य मिल सकेगा।

माइनस 45 डिग्री में उगने वाला 'विटामिन-सी' का महासागर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी देश के वीर जवानों और आम नागरिकों के लिए सीबकथॉर्न की उपयोगिता की सराहना कर चुके हैं। शून्य से 45 डिग्री नीचे के तापमान में भी शान से फलने-फूलने वाले इस पौधे के विषय में विशेषज्ञों का कहना है कि इसमें पूरी मानव जाति की विटामिन-सी की कमी को अकेले पूरा करने की क्षमता है।

सीबकथॉर्न (छरमा) के पौधे पर उगे फल। अनंत ज्ञान

वैश्विक ब्रांड के रूप में नई पहचान

लाहौल-स्पीति के करीब 1,500 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से सीबकथॉर्न की झाड़ियां पाई जाती हैं। इस ऊंचे और ठंडे मरुस्थल में, जहां साल के 6 महीने भारी बर्फबारी के कारण खेती-बाड़ी ठप हो जाती है, वहां यह पौधा आजीविका का मुख्य आधार बन चुका है। वर्तमान में इसके संग्रहण और प्रोसेसिंग के काम से जुड़े जनजातीय लोगों का अटूट विश्वास है कि जीआई टैग मिलने के बाद उनके द्वारा तैयार उत्पादों को बड़ा बाजार मिलेगा, जिससे उनकी आय में भारी बढ़ोतरी होगी और महिला सशक्तिकरण को एक नई दिशा मिलेगी।

औषधीय गुणों से भरपूर फल और पत्ती

आयुर्वेद और कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, इस पौधे का फल, पत्ती, टहनी व यहां तक कि छाल भी औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके फल में दुर्लभ ओमेगा-7 और पत्तियों में ओमेगा-3, 6 और 9 फैटी एसिड पाए जाते हैं। यह पेट, पाचन, हृदय रोग और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए किसी चमत्कारिक औषधि से कम नहीं है।

निरोगी जीवन व समृद्धि की नई उम्मीद

लद्दाख के बाद अब हिमाचल के सीबकथॉर्न को भी जीआई टैग मिलना यह साबित करता है कि हिमालय की कंदराओं में छुपा यह अनमोल खजाना अब दुनिया को निरोगी बनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को समृद्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

विधायक अनुराधा ने किया जाहलमा नाले का निरीक्षण

15 दिन में पुल व 10 दिन में फुट ब्रिज तैयार करने का दिया भरोसा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने शुक्रवार को जाहलमा नाला का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के ओसी पारस कोचर सहित लोक निर्माण विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे निरीक्षण के दौरान विधायक ने उस स्थान का जायजा लिया, जहां आपातकालीन आवाजाही चलाई जा रही है तत्पश्चात जहां फुट ब्रीज एंव पुल स्थापित किया जाना है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं बी आरओ के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा के भीतर इसे पूरा करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर बीआरओ के ओसी पारस कोचर ने विधायक को आश्वस्त किया कि पुल का निर्माण कार्य आगामी 15 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। लोक निर्माण विभाग द्वारा 10 दिन के अंदर फुट ब्रिज तैयार करने के निर्देश दिए। विधायक अनुराधा राणा ने मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए उन्हें विश्वास दिलाया कि उनकी फसलों को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। प्रशासन और संबंधित विभाग उनकी हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा, आवागमन की सुविधा और किसानों के हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं फसलों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

इस मौके पर अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अश्वनी गुलेरिया, अधिशासी अभियंता जल शक्ति अजय गुप्ता,जिला परिषद सदस्य छेजांग डोलमा ,जिला परिषद सदस्य पूनम, प्रधान कृष्णा, प्रधान प्रेम लाल, बीडीसी दिनेश कुमार, बीडीसी टशी केसांग, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष साहिल कटोच, वीर सिंह, शेर सिंह सहित कई मौजूद रहे।

दो मामलों में 211 ग्राम चरस, 11 ग्राम हैश ऑयल और 3 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान

◆ कुल्लू पुलिस का नशा तस्करों पर बड़ा शिकंजा

भुंतर। नशा तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला कुल्लू पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 211 ग्राम चरस, 11 ग्राम हैश ऑयल और 3 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया है। दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

पहले मामले में पुलिस थाना मनीकर्ण के अंतर्गत पुलिस चौकी जरी की टीम ने डुंखरा चौक में एक संदिग्ध युवक को रोककर नियमानुसार तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 211 ग्राम चरस और 11 ग्राम हैश ऑयल बरामद किया गया। आरोपी की पहचान मानव पाल (25 वर्ष), पुत्र जितेन्द्र कुमार पाल, निवासी हजरतगंज, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मनीकर्ण थाना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। दूसरे मामले में पुलिस थाना भून्तर की टीम ने गश्त के दौरान गड़सा ब्रिज, बजौरा के नीचे दो व्यक्तियों को संदिग्ध अवस्था में पाया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 3 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुआ। दोनों आरोपियों के खिलाफ भून्तर थाना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब बरामद मादक पदार्थों के स्रोत, आपूर्ति श्रृंखला और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

अधिकारियों का कहना है कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर इसमें शामिल सभी तस्करों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला कुल्लू पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशा तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

हाई कोर्ट में सुनवाई से पहले 6 को कुल्लू में जुटेगा एसएसबी गुरिल्ला संघ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। एसएसबी प्रशिक्षित गुरिल्ला संघ कुल्लू की बैठक 6 जुलाई (सोमवार) को ढालपुर में आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष प्रेम राणा करेंगे, जबकि अखिल भारतीय संगठन के चेयरमैन प्रीतम ठाकुर इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। आगामी 16 जुलाई को दिल्ली हाई कोर्ट में होने वाली अहम सुनवाई के मद्देनजर यह बैठक बुलाई गई है, जिसमें भाग लेना कुल्लू जिला के सभी गोरिल्ला साथियों के लिए अनिवार्य किया गया है।

संगठन के अध्यक्ष प्रेम राणा ने स्पष्ट किया है कि 16 जुलाई की सुनवाई से पहले कोर्ट में नामों की सूची दाखिल की जानी है। ऐसे में जो साथी पिछले कई सालों से बैठकों से नदारद हैं, उनके नाम सूची में शामिल रखे जाएं या नहीं, इस पर अंतिम निर्णय बैठक में उपस्थित गोरिल्ला साथी ही लेंगे। संगठन के पदाधिकारियों के पास इस संबंध में कोई व्यक्तिगत अधिकार नहीं होगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस बैठक के बाद सूची में किसी भी प्रकार का नाम जोड़ना या हटाना संभव नहीं होगा, इसलिए बाद में पछताने से बेहतर है कि सभी सदस्य समय रहते बैठक में भागीदारी सुनिश्चित करें। संगठन ने सभी सर्कल प्रधानों, ग्रुप प्रधानों व सचिवों को इस बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

बंजार कॉलेज में शिक्षकों के रिक्त पदों पर सरकार की चुप्पी शर्मनाक: सुरेंद्र शौरी

अनंत ज्ञान

बंजार। विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र शौरी ने राजकीय महाविद्यालय बंजार में लंबे समय से रिक्त पड़े शिक्षकों के पदों को लेकर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह दिशाहीन हो चुकी है। उन्होंने कहा कि लगभग एक वर्ष से अंग्रेज़ी, केमिस्ट्री और संस्कृत जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रवक्ताओं के पद रिक्त पड़े हैं, लेकिन सरकार इस गंभीर समस्या पर पूरी तरह मौन है। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि बंजार क्षेत्र के विद्यार्थियों के साथ खुला अन्याय और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

विधायक सुरेंद्र शौरी ने राजकीय महाविद्यालय बंजार का निरीक्षण किया तथा महाविद्यालय प्रशासन, विद्यार्थियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बलागाड़ वार्ड से जिला परिषद सदस्य कुसुमलता दीपक तथा बंजार ब्लॉक समिति अध्यक्ष लता देवी भी उपस्थित रहीं। निरीक्षण के दौरान विधायक शौरी ने कहा कि शिक्षकों के अभाव के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि कभी लगभग 1100 विद्यार्थियों वाला यह महाविद्यालय आज घटकर लगभग 600 विद्यार्थियों तक सीमित रह गया है, जो सरकार की विफल शिक्षा नीति का प्रमाण है।

बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी कॉलेज के निरीक्षण के दौरान । अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि उन्होंने यह मुद्दा मार्च माह में शिक्षा मंत्री के संज्ञान में लाया था और विधानसभा सत्र में भी उठाया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की शिक्षा को प्राथमिकता नहीं दे रही है।

विधायक ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही रिक्त पदों पर नियमित नियुक्तियां या प्रतिनियुक्ति के माध्यम से शिक्षकों की व्यवस्था नहीं की गई तो छात्र हित में व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

किसान अब ऐप से कर सकेंगे खाद की बुकिंग पायलट प्रोजेक्ट लागू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। खाद वितरण की नई डिजिटल क्रांति के तहत अब जिला कुल्लू के किसान खाद आसानी से खरीद सकते हैं। किसान अब नई व्यवस्था के तहत 'फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल' (एफएफएस) ऐप के माध्यम से घर बैठे ही खादों/उर्वरकों की बुकिंग कर सकते हैं। कृषि उप -निदेशक कुल्लू, डॉ ऋतु गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय उर्वरक विक्रय प्रणाली के तहत कुल्लू जिला को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना गया है।

यह प्रणाली जिला में 2 जुलाई से शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि किसान इस ऐप को अपने एंड्रॉइड फोन से डाउनलोड कर सकते हैं। यह नई प्रणाली पूरी तरह डिजिटल और क्यूआर कोड आधारित होगी। किसान को सबसे पहले अपनी जमीन और फसल की डिटेल्स देनी होगी। उसके बाद वह जरूरी उर्वरक व विक्रेता का चयन कर सकता है। बुकिंग पूरी होने पर किसान को एक क्यूआर कोड जारी होगा। अगले दो दिनों के भीतर चयनित विक्रेता से पीओएस मशीन के जरिए किसान खाद प्राप्त कर सकता है। उप कृषि निदेशक ने कहा कि किसान लोकमित्र केंद्रों में स्वयं को पंजीकृत करवाएं। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने नजदीकी कृषि कार्यालय व खाद विक्रय केन्द्र पर संपर्क कर सकते है।

कुल्लू जिला कांग्रेस में बगावत

नवनियुक्त महासचिव गिरीश ने जिला कांग्रेस को बताया 'सो कॉल्ड संगठन'

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। कुल्लू जिला कांग्रेस में नई नियुक्तियों की सूची जारी होते ही अंतर्कलह और बगावत का एक बड़ा मामला सामने आया है। जिला कांग्रेस कमेटी में नवनियुक्त महासचिव गिरीश ठाकुर ने अपनी ही पार्टी और नवगठित कार्यकारिणी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो बयान में उन्होंने तीखे तेवर अपनाते हुए जिला कांग्रेस को 'सो कॉल्ड जिला कांग्रेस' करार दिया है। गिरीश ठाकुर का आरोप है कि इस नियुक्ति को लेकर उनसे कोई राय-मशविरा नहीं किया गया और बिना सहमति के उनका नाम सूची में डाल दिया गया। लिहाजा,इस बगावती बयान के बाद जिला कांग्रेस और प्रदेश की सियासत में खलबली मच गई है। अब देखना यह होगा कि इस खुली बगावत पर कांग्रेस संगठन क्या रुख अपनाता है।

सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए गिरीश ठाकुर बेहद आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने पार्टी के भीतर पनप रही गुटबाजी पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि मुझे इस तरह के वीडियो बनाना बिल्कुल पसंद नहीं है, लेकिन पार्टी की मनमानी के कारण आज मुझे अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी है। संगठन को सिर्फ वैसे चाटुकार लोग चाहिए जो हर वक्त नेताओं के आगे-पीछे घूमते रहें। मैं अपना कमाता-खाते हूं और मुझे इस तरह के किसी पद या कमेटी की कोई जरूरत नहीं है।

पदाधिकारियों के सामान्य ज्ञान पर उठाए सवाल

गिरीश ने कमेटी के पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली और उनके सामान्य ज्ञान पर भी तंज कसा। उन्होंने सूची में पते की गड़बड़ी को उजागर करते हुए कहा कि नियुक्ति करने वालों को यह तक नहीं मालूम कि उनका घर मतेउड़ा गांव में है जो जरी के अंतर्गत आता है, जबकि सूची में उनका पता 'वीपीओ कसोल' दर्शाया गया है।

मणिकर्ण घाटी को लेकर दी बड़ी चेतावनी

इसके साथ ही उन्होंने मणिकर्ण वैली (मणिकर्ण घाटी) के भीतर चल रही राजनीतिक गतिविधियों व व्यवस्थाओं को लेकर भी भारी नाराजगी जताई। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर संगठन ने आगे भी इस तरह की मनमानी जारी रखी, तो वह आने वाले समय में मुंह खोलने पर मजबूर होंगे। मणिकर्ण घाटी में जो कुछ भी बैकडोर या गलत तरीके से चल रहा है, वह उसका पूरा हिसाब-किताब बराबर करेंगे।

पूरा हिसाब-किताब बराबर करूंगा : गिरीश ठाकुर

वीडियो के अंत में गिरीश ठाकुर ने संगठन को कड़े लहजे में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है, अगर संगठन ने आगे भी इस तरह की मनमानी और हरकतें जारी रखीं, तो वह आने वाले समय में बड़ा खुलासा करने पर मजबूर होंगे और मणिकर्ण घाटी में जो कुछ भी चल रहा है, उसका पूरा हिसाब-किताब बराबर करेंगे।

कुल्लू अस्पताल में महिला मौत पर बढ़ा बवाल

परिजनों ने डॉक्टर व नर्सों के खिलाफ खोला मोर्चा, आंदोलन तेज की दी चेतावनी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में 23 वर्षीय मंजू शर्मा (रजनी देवी) की मौत का मामला अब पूरी तरह गरमा गया है। इस मामले में पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों पर केस दर्ज किए जाने के बाद, अब मृतका के परिवार ने सीधे अस्पताल प्रशासन पर जवाबी हमला बोला है। शुक्रवार को मृतका के पति और पिता ने एसपी कुल्लू से मिलकर महिला डॉक्टर अनु और दो स्टाफ नर्सों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई है।

इस मौके पर मृतका के पिता प्रेमचंद ने पहली बार खुलकर सामने आकर बताया कि उन्होंने बेटी का पोस्टमार्टम क्यों नहीं करवाया था। उन्होंने कहा, '21 जून को डॉक्टरों की घोर लापरवाही के कारण हमारी बेटी की डिलीवरी के 24 घंटे बाद मौत हो गई। उस वक्त हम अपनी जवान बेटी को खोने के गहरे सदमे और दुख में थे, जिससे कुछ सूझ नहीं रहा था।' उन्होंने साफ किया कि पोस्टमार्टम न होने का मतलब यह नहीं है कि वे डॉक्टरों को क्लीन चिट दे रहे हैं, वे इंसाफ के लिए आखिरी सांस तक लड़ेंगे। इस मामले में हैरान करने वाला मोड़ तब आया जब पुलिस ने न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वाले दो युवाओं बंटी सराजी और संजय चौहान के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। परिजनों ने पुलिस प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि डॉक्टरों के दबाव में आकर युवाओं पर दर्ज किया गया केस तुरंत वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि न्याय की इस लड़ाई में हजारों लोग हमारे साथ सड़कों पर उतरे थे। अगर बंटी सराजी और संजय चौहान पर दर्ज एफआईआर रद्द नहीं की गई, तो जिला कुल्लू में दोबारा और इससे भी ज्यादा उग्र आंदोलन शुरू होगा।

उन्होंने मांग की है कि प्रसव के दौरान कथित लापरवाही बरतने वाली महिला डॉक्टर अनु और दोनों नर्सों पर तुरंत एफआईआर दर्ज हो। इंसाफ की आवाज उठाने वाले दोनों स्थानीय युवाओं पर दर्ज मुकदमे तुरंत खारिज किए जाएं।

95 विद्यार्थियों को स्नातक क्रेडिट फ्रेमवर्क व नई शिक्षा नीति की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, आनी। राजकीय महाविद्यालय आनी में शुक्रवार को बीए, बीएससी और बीकॉम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यचर्या एवं क्रेडिट फ्रेमवर्क पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को नई शैक्षणिक व्यवस्था, बहुविषयक शिक्षा प्रणाली, क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट प्रणाली तथा अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स जैसी प्रमुख विशेषताओं की जानकारी देना था। इसमें 95 विद्यार्थियों ने भाग लिया। एनईपी समन्वयक एवं सहायक आचार्य डॉ. रजनीश कुमार ने विस्तृत प्रस्तुति दी और विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान किया। प्राचार्य डॉ. दयाक ठाकुर ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के समग्र विकास और बेहतर करियर अवसरों के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम को महाविद्यालय प्रशासन ने अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया।

231 परिवारों को नहीं मिला 100 यूनिट बिजली का लाभ, जांच की उठाई मांग

अनंत ज्ञान

◆ सैंज परियोजना प्रभावितों का 10 वर्षों का लाभ अटका प्रशासन पर गंभीर आरोप

ब्यूरो, कुल्लू। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं वर्ष 2026 के जिला परिषद प्रत्याशी ओम प्रकाश ठाकुर ने आरोप लगाया है कि सैंज जल विद्युत परियोजना से प्रभावित 231 परिवारों के लाखों रुपये पिछले करीब 10 वर्षों से प्रशासन के पास लंबित पड़े हैं। उन्होंने कहा कि परियोजना प्रभावित परिवारों को नियमों के अनुसार मिलने वाली 100 यूनिट प्रतिमाह बिजली की राशि आज तक वितरित नहीं की गई। ओम प्रकाश ठाकुर ने बताया कि वह इस मामले को लेकर जिला प्रशासन से मिले। इस दौरान एडीसी कुल्लू से उनकी बातचीत हुई, जिन्होंने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को जल्द ही यह राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

उन्होंने कहा कि 100 मेगावाट की सैंज जल विद्युत परियोजना का शिलान्यास वर्ष 2009 में हुआ था और वर्ष 2016 में इसका उद्घाटन किया गया। परियोजना में 231 परिवारों की भूमि अधिग्रहित की गई थी। नियमानुसार इन सभी परिवारों को प्रतिमाह 100 यूनिट बिजली के बराबर धनराशि दी जानी थी।ओम प्रकाश ठाकुर का आरोप है कि परियोजना प्रबंधन हर वर्ष यह राशि प्रशासन के पास जमा करता रहा, लेकिन प्रशासन ने अब तक प्रभावित परिवारों को इसका भुगतान नहीं किया। इससे प्रभावित परिवार अपने वैधानिक अधिकार से वंचित हैं।

उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि एक माह के भीतर सभी प्रभावित परिवारों को उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया, तो प्रशासन के खिलाफ आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि वर्षों से लंबित इस मामले का शीघ्र समाधान कर प्रभावित परिवारों को उनका अधिकार दिलाया जाए।

शाहपुर कॉलेज में बीवोक पाठ्यक्रम होगा शुरू

अनंत ज्ञान, शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया के प्रयासों से राजकीय महाविद्यालय शाहपुर में आगामी शैक्षणिक सत्र से बीवोक (हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म) पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम के शुरू होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। पाठ्यक्रम के तहत होटल प्रबंधन, पर्यटन, ट्रैवल एवं टूर ऑपरेशन, ग्राहक सेवा, इवेंट मैनेजमेंट तथा आतिथ्य सेवाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विश्वजीत सिंह ने बताया कि आगामी सत्र से इस पाठ्यक्रम की नियमित कक्षाएं आरंभ होंगी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया के सतत प्रयासों और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है।

सैंज महाविद्यालय की समस्याओं पर पूर्व छात्र संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

अनंत ज्ञान

◆ स्थायी भवन और वाणिज्य संकाय बहाली की मांग को लेकर सैंज कॉलेज में उबाल

सैंज। सैंज महाविद्यालय पूर्व छात्र संघ द्वारा शुक्रवार को महाविद्यालय परिसर में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पूर्व छात्रों, समाजसेवकों, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों तथा वर्तमान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने भारी संख्या में भाग लिया। बैठक के दौरान सभी उपस्थित सदस्यों ने महाविद्यालय में लंबे समय से व्याप्त गंभीर समस्याओं पर गहन चिंता व्यक्त की और इन पर विस्तार से चर्चा कीबैठक में मुख्य रूप से महाविद्यालय में शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के वर्षों से खाली पड़े पदों का मुद्दा गूंजा, जिसके कारण वर्तमान छात्रों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

इसके अलावा, महाविद्यालय का अपना स्थायी भवन न होने का मामला भी प्रमुखता से उठा। वर्तमान में यह कॉलेज मात्र दो कमरों में सिमटकर रह गया है। व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए दो अतिरिक्त कमरे किराए पर लिए गए हैं, लेकिन विडंबना यह है कि इस किराए का मासिक खर्च आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को खुद उठाना पड़ रहा है, जो उनके ऊपर एक अतिरिक्त और अनुचित वित्तीय बोझ है। बैठक में प्रशांत, डुर सिंह, विजय, नवल, सीता राम और गुरमीत सहित सभी सदस्यों ने एकमत से प्रस्ताव पारित करते हुए शासन-प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि रिक्त पदों को तुरंत भरने, भवन निर्माण के लिए बजट स्वीकृत करने और कॉलेज को उचित स्थान पर स्थानांतरित करने जैसी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्र व छात्रों के हित में एक बड़ा चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।

स्थायी परिसर व वाणिज्य संकाय की बहाली की मांग

पूर्व छात्र संघ के पदाधिकारियों और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि महाविद्यालय को किसी उपयुक्त और पर्याप्त भूमि पर स्थानांतरित कर जल्द से जल्द स्थायी भवन का निर्माण किया जाए। इसके साथ ही, क्षेत्र के युवाओं के भविष्य को देखते हुए वाणिज्य संकाय को तुरंत बहाल करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।

केलांग में खुलेगा हाई एल्टीट्यूड मेडिसिन एवं पब्लिक हेल्थ सेंटर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। लाहौल-स्पीति घाटी के इतिहास में 11 जुलाई का दिन स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। इस विशेष दिन पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा केलांग में आईसीएमआर के 'हाई एल्टीट्यूड मेडिसिन एवं पब्लिक हेल्थ सेंटर' का आधिकारिक तौर पर शिलान्यास करेंगे। यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल लाहुल-स्पीति बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए चिकित्सा अनुसंधान और उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी और ऐतिहासिक शुरुआत मानी जा रही है। इस अत्याधुनिक केंद्र की स्थापना से सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कम ऑक्सीजन और कठिन मौसम के कारण होने वाली स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों व बीमारियों पर विशेष वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा मिलेगा।

◆ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा 11 जुलाई को करेंगे शिलान्यास

इसके साथ ही, स्थानीय जनजातीय आबादी को अब अपने ही घर के पास देश के शीर्ष विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा। भविष्य में यह संस्थान हिमालयी क्षेत्रों में चिकित्सा अनुसंधान और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर भारत की एक विशिष्ट पहचान बनेगा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि ठाकुर ने इसे लाहौल के विकास में एक बड़ा मोड़ बताया है। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए इसे एक अभूतपूर्व सौगात बताते हुए समस्त घाटीवासियों से अपील की है कि वे 11 जुलाई को होने वाले इस शिलान्यास कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक अवसर का गवाह बनें।

कुल्लू कॉलेज में गूंजी 'छात्रों की गूंज'

पेपर लीक और बढ़ती बेरोजगारी पर छात्रों ने खोला मोर्चा

कुल्लू महाविद्यालय के एनएसयूआई कार्यकर्ता छात्रों की गूंज अभियान के तहत। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू के अंतर्गत कुल्लू महाविद्यालय के एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष गौरव ठाकुर के निर्देशानुसार 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत छात्रों के बीच पहुँचकर उनसे सीधा संवाद किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों की बुनियादी समस्याओं को समझना और उनकी आवाज को बुलंद करना था। संवाद के दौरान छात्रों ने वर्तमान में बिगड़ती शिक्षा व्यवस्था, लगातार हो रहे पेपर लीक, परीक्षाओं में बढ़ती अनियमितताओं और युवाओं में लगातार बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

छात्रों का कहना है कि परीक्षाओं में हो रही धांधलियां और रोजगार के घटते अवसर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हैं। इसके साथ ही छात्रों ने कॉलेज स्तर पर रोजमर्रा की आने वाली दिक्कतों को भी साझा किया। कार्यकर्ताओं ने छात्रों को आश्वासन दिया कि 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत जुटाई गई इन सभी समस्याओं और मांगों को प्रशासन व सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा, ताकि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके।

इस दौरान महाविद्यालय के कई कार्यकर्ता और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

जुलाई से शुरू होगी हिमाचल की 31वीं राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता

अनंत ज्ञान, कंडाघाट/सोलन। हिमाचल प्रदेश के निशानेबाजों के लिए बड़ी प्रतियोगिता का आगाज 9 जुलाई से होने जा रहा है। हिमाचल प्रदेश राज्य राइफल एसोसिएशन के तत्वावधान में 31वीं राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता का आयोजन 9 से 13 जुलाई तक शिमला और कैथलीघाट में किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रदेशभर के निशानेबाज राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन सचिव विजय ठाकुर ने बताया कि 10 मीटर एयर राइफल और एयर पिस्टल स्पर्धाएं इंदिरा गांधी खेल परिसर, शिमला में आयोजित होंगी। वहीं 50 मीटर राइफल, 50 मीटर पिस्टल, 25 मीटर पिस्टल और 12 बोर ट्रैप शॉटगन प्रतियोगिताएं कैथलीघाट स्थित महालक्ष्मी फर्नीचर के समीप आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता का समापन 14 जुलाई को दोपहर 3 बजे इंदिरा गांधी खेल परिसर, शिमला में आयोजित पदक वितरण समारोह के साथ होगा।

सक्षम गुड़िया बोर्ड का बालिकाओं की सुरक्षा पर जोर

अनंत ज्ञान, नाहन। सक्षम गुड़िया बोर्ड की उपाध्यक्ष अरुणा महाजन ने कल्याण भवन के सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सक्षम गुड़िया बोर्ड का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को शोषण से बचाना, उन्हें कानूनी जागरूकता प्रदान करना और भय मुक्त वातावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि गुड़िया हेल्पलाइन 1515 के माध्यम से पीड़िताओं को त्वरित सहायता, परामर्श तथा आवश्यक समन्वय उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। बैठक में उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों के नियमित निरीक्षण, समय पर संचालन और कार्यकर्ताओं की ड्रेस कोड व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी पवन कुमार ने बताया कि जिले में 1486 आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से हजारों लाभार्थियों को पोषाहार व अन्य सेवाएं दी जा रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत लिंगानुपात में सुधार दर्ज किया गया है।

दाड़लाघाट से कनस्वाला तक सड़क की बदहाल स्थिति पर चिंता जताई

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। दाड़लाघाट से कनस्वाला तक सड़क की बदहाल स्थिति पर चिंता जताई गई है। मार्ग पर कई स्थानों पर सड़क क्षतिग्रस्त होने से पैदल यात्रियों तथा दोपहिया वाहन चालकों के लिए आवागमन जोखिम भरा हो गया है। युवा समाजसेवी आशीष गुप्ता तथा सामाजिक कार्यकर्ता एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नीरज ठाकुर ने बताया कि दाड़लाघाट से निकलते ही शिव मंदिर के पास, नौणी गांव में कुलदीप ठाकुर एवं रामलाल के घर से होकर नौणी गांव से अंबुजा बेल्ट तक जाने वाले मार्ग पर, खाता गांव की ओर निर्माणाधीन संपर्क मार्ग के समीप तथा कनस्वाला के नजदीक सड़क की स्थिति बेहद खराब है। आशीष गुप्ता ने कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण विशेष रूप से नौणी गांव की बावड़ी के पास सड़क के धंसने का खतरा बना हुआ है। वहीं कनस्वाला तथा जाबलू के समीप निर्माणाधीन खाता गांव संपर्क मार्ग के पास बारिश के दौरान बार-बार मलबा आने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रभावित स्थानों का शीघ्र निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना या बड़ी अनहोनी से बचा जा सके।

सिरमौर जिले में पंचायत चुनाव में कांग्रेस की हार शर्मसार : मेला राम शर्मा

अनंत ज्ञान, राजगढ़। सिरमौर जिला भाजपा प्रवक्ता मेलाराम शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार के चुनाव क्षेत्र में कांग्रेस की शर्मसार हार के पश्चात विनय कुमार के उस बयान को खिसीयानी बिल्ली खम्बा नोचे की उपमा दी है, जिसमें उन्होंने जिला परिषद और पंचायत समिति संगड़ाह के चुनाव में सत्तारूढ़ दल की करारी हार को धनबल का उपयोग बताया है। उन्होंने कहा कि इन चुनाव में धनबल का उपयोग कांग्रेस नेताओं ने किया है जिन्होंने पंचायत समिति संगड़ाह के आठ सदस्यों को डरा धमका कर लगभग तीन सप्ताह तक भूमिगत करके वैष्णो देवी ज्वाला जी चिंतपूर्णी आदि स्थानों पर छिपा कर रखा। मेलाराम शर्मा ने कहा कि पंचायत समिति संगड़ाह के भाजपा समर्थित सभी सात सदस्य एक दिन भी अपने घर से बाहर नहीं निकले और चुनाव की तिथि का इंतजार अपने-अपने घरों में ही करते रहे। मेलाराम शर्मा ने कांग्रेसी नेताओं को याद कराया कि कांग्रेस की सरकार ने सत्ता में आते ही पंचायत समिति संगड़ाह के सदस्यों को डरा धमका कर और धनबल का उपयोग करके उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था और पंचायत समिति संगड़ाह के अध्यक्ष पद पर सत्ता का दुरुपयोग करके धनबल से ही कब्जा किया था। उन्होंने कहा पंचायत समिति अध्यक्ष के पद की भाजपा समर्थित उम्मीदवार अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाली महिला प्रत्याशी अनिला कुमारी को सभी जानते हैं कि वह अत्यंत गरीब परिवार से संबंध रखती है और ऐसे में वह धनबल का प्रयोग कैसे कर सकती हैं।

मिशन शक्ति अंबरेला तथा पोषण अभियान के सफल क्रियान्वयन

अनंत ज्ञान, नाहन। उपायुक्त सिरमौर प्रियंका वर्मा ने आज यहां उपायुक्त कार्यालय के सभागार में मिशन शक्ति अंबरेला तथा पोषण अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय निगरानी तथा समीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि पोषण अभियान का मुख्य उद्देश्य 0-6 वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा किशोरियों में कुपोषण और एनीमिया की दर को कम करना तथा बच्चों में कम वजन, बौनापन और महिलाओं व बच्चों में खून की कमी को चरणबद्ध तरीके से खत्म करना है। इस योजना के तहत बच्चे के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाता है जो कि बच्चे के मानसिक व शारीरिक विकास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अन्तर्गत बच्चे को स्थानीय पौष्टिक आहार, मोटे अनाज विशेषकर बाजरा और आहार विविधता को बढावा दिया जा रहा है तथा जो अति कुपोषित बच्चे अथवा जिनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं आता उन्हें पुनर्वास केन्द्रों में रखने का प्रबंध किया जाता है।

सोलन की नई मेयर सुषमा शर्मा के सामने चुनौतियों का पहाड़, वादों पर खरी उतरने की परीक्षा

पेयजल से पार्किंग तक, विकास के कई मोर्चे सामने

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। नगर निगम सोलन की सत्ता पर भाजपा के कब्जे के साथ ही सुषमा शर्मा शहर की नई मेयर चुनी गई हैं। चुनावी जीत के बाद अब उनके सामने शहर के विकास से जुड़े वादों को धरातल पर उतारने की बड़ी चुनौती होगी। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में जिन महत्वाकांक्षी योजनाओं और विकास कार्यों का वादा किया था, उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करना नई नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।

गिरी नदी से अतिरिक्त पेयजल योजना बड़ी चुनौती

सबसे बड़ी चुनौती गिरी नदी से अतिरिक्त पेयजल योजना को साकार करने की रहेगी। भाजपा ने इस योजना को अपने संकल्प पत्र में प्रमुखता से शामिल किया था। हालांकि योजना की डीपीआर तैयार होने और विभिन्न औपचारिकताओं के बाद इसे धरातल पर उतरने में अभी समय लग सकता है। इसके अलावा शहर में नियमित एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति, पुरानी पाइप लाइनों की लीकेज रोकना, सीवरेज व्यवस्था में सुधार, वैज्ञानिक कूड़ा प्रबंधन, सफाई व्यवस्था को मजबूत करना और सार्वजनिक शौचालयों की संख्या बढ़ाना भी अहम प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

110 करोड़ की देनदारियां, नई मेयर के सामने बड़ी चुनौती

नई मेयर को नगर निगम के अधूरे विकास कार्यों को पूरा करने, ठेकेदारों के लंबित भुगतानों का निपटारा करने, शहर के मास्टर प्लान को गति देने तथा जल शक्ति विभाग की करीब 110 करोड़ रुपए की देनदारियों जैसे गंभीर वित्तीय मुद्दों पर भी काम करना होगा। इसके साथ ही शहर में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, प्रमुख मार्गों पर सुरक्षित फुटपाथ निर्माण, पार्किंग परियोजनाओं को पूरा करने और नगर निगम के लिए नए आय के स्रोत विकसित करना भी महत्वपूर्ण रहेगा। ओल्ड डीसी ऑफिस से शामती तक फुटपाथ निर्माण और ठोडो मैदान के विकास की वर्षों पुरानी मांगों को लेकर भी लोगों की उम्मीदें नई नगर निगम से जुड़ी हैं।

संकल्प पत्र में स्मार्ट और स्वच्छ सोलन का किया था वादा

भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में सोलन को प्रदेश का सबसे स्वच्छ, सुरक्षित, हरित और स्मार्ट शहर बनाने का लक्ष्य रखा था। इसमें आधुनिक घर-घर कूड़ा संग्रहण, वैज्ञानिक वेस्ट मैनेजमेंट, डिजिटल मॉनिटरिंग, बेहतर पेयजल व्यवस्था, नई सीवरेज लाइनें, बहुमंजिला पार्किंग, वेंडिंग जोन, नगर निगम सेवाओं का डिजिटलीकरण और महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं विकसित करने जैसे कई वादे किए गए थे।

वादों के क्रियान्वयन पर टिकी शहरवासियों की उम्मीदें

अब नगर निगम में भाजपा की सरकार बनने के बाद शहरवासियों की नजर इस बात पर रहेगी कि चुनावी संकल्प पत्र के ये वादे कितनी तेजी से हकीकत में बदलते हैं। नई मेयर सुषमा शर्मा के कार्यकाल की सफलता भी काफी हद तक इन्हीं घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी।

बारिश बनी आफत, वार्ड नंबर छह के मकान में घुसा मलबा, परिवार दहशत में

मकान मालिक ने नगर निगम की लापरवाही को ठहराया जिम्मेदार

अनंत ज्ञान

सोलन। लगातार हो रही बारिश के बीच सोलन शहर के वार्ड नंबर-6 में एक मकान में भारी मात्रा में मलबा घुस जाने से परिवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना के बाद मकान मालिक ने नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि निगम की पाइपलाइन में लंबे समय से हो रहे रिसाव के कारण पहाड़ी कमजोर हो गई, जिसकी वजह से बारिश के दौरान पूरा मलबा उनके घर में आ गया। मकान मालिक का आरोप है कि पाइप लाइन से लगातार पानी रिसने की शिकायत पहले भी नगर निगम को दी गई थी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि यदि पाइप लाइन की मरम्मत समय पर कर दी जाती तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

बारिश के चलते पहाड़ी से बड़ी मात्रा में मिट्टी और पत्थर मकान में घुस गए, जिससे घर के अंदर सामान को नुकसान पहुंचा और परिवार में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन और नगर निगम से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा उपाय करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। पीड़ित परिवार ने नगर निगम से क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की तत्काल मरम्मत, पहाड़ी को सुरक्षित करने तथा हुए नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग की है।

वार्ड-6 में बारिश के चलते घर के पीछे आया मलबा। अनंत ज्ञान

सोलन की प्रबुद्ध जनता का जनादेश लोकतंत्र की जीत है: शैलेंद्र गुप्ता

अनंत ज्ञान, सोलन। नगर निगम सोलन में महापौर और उपमहापौर चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी सोलन शहरी मंडल ने इसे लोकतंत्र और जनता के जनादेश की जीत करार दिया है। मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सोलन की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मतदाताओं ने विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में अपना स्पष्ट जनादेश देकर भाजपा पर दोबारा विश्वास जताया है। शैलेंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने नगर निगम सोलन में स्पष्ट जनादेश न होने के बावजूद विभिन्न लोकतांत्रिक और प्रशासनिक उपायों के माध्यम से निगम पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के चार नगर निगमों में हुए चुनावों में तीन निगमों के परिणाम घोषित होने के बाद किसी प्रकार का नियम परिवर्तन नहीं किया गया, जबकि केवल नगर निगम सोलन के मामले में चुनाव प्रक्रिया के दौरान बार-बार नियमों में बदलाव किए गए।

ब्रुरी गांव में घर में घुसा तेंदुआ रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची

अनंत ज्ञान

कसौली/ सोलन। कसौली क्षेत्र के ब्रुरी गांव के समीप सड़क किनारे स्थित जीत सिंह ठाकुर के घर में तेंदुआ घुसने से इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग हरकत में आया और शिमला से वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंचकर तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू करने के प्रयास में जुट गई है।

प्रशासन और वन विभाग ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे बिना किसी जरूरी कारण के घरों से बाहर न निकलें। विशेष रूप से बच्चों और पालतू पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा तेंदुए के पास जाने या उसे छेड़ने का बिल्कुल भी प्रयास न करें।

वन विभाग ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है। साथ ही आसपास के लोगों को भी इस सूचना से अवगत कराने की अपील की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

फिलहाल रेस्क्यू टीम पूरे क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए है और तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के लिए अभियान जारी है।

भवन का इंतजार, बच्चों को बारी-बारी से बुलाने की मजबूरी

भूस्खलन में ढहा केंद्र, अब ग्रामीण के घर से चल रही आंगनवाड़ी

अनंत ज्ञान

सराहां। पच्छाद बाल विकास परियोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत साधना घाट का चांदोग आंगनवाड़ी केंद्र अगस्त 2025 में हुई भारी बारिश और भूस्खलन के दौरान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, लेकिन

- आपदा के एक साल बाद भी पुनर्निर्माण अधूरा ग्रामीणों में नाराजगी
- पुनर्निर्माण की राह देख रहे बच्चे

एक वर्ष बीत जाने के बाद भी इसके पुनर्निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। वर्तमान में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हेमलता तोमर स्थानीय ग्रामीण महेंद्र सिंह के घर से केंद्र का संचालन कर रही हैं।

केंद्र में 17 बच्चे नियमित रूप से आते हैं, जबकि 17 अन्य बच्चे 0 से 3 वर्ष आयु वर्ग के हैं। इसके अलावा चार गर्भवती और एक धात्री महिला भी इसी केंद्र की सेवाओं पर निर्भर हैं। सीमित स्थान के कारण बच्चों को बारी-बारी से बुलाना पड़ता है। भवन में रोशनी, पानी, शौचालय और रसोई जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है, जिससे पोषाहार वितरण और अन्य गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं।

हेमलता तोमर ने बताया कि बच्चे अकसर पूछते हैं कि उनका आंगनवाड़ी केंद्र कब बनेगा। वहीं कई अभिभावकों ने भी जगह की कमी के कारण बच्चों को भेजना बंद कर दिया है।

सीडीपीओ पच्छाद दीपक चौहान ने बताया कि केंद्र के पुनर्निर्माण के लिए आठ लाख रुपये का अनुमान तैयार कर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भेजा गया है। बजट स्वीकृत होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

बेहतर गवर्नेंस और संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन से सहकारिता बनेगी आत्मनिर्भर

अनंत ज्ञान

सोलन। जोगिंद्रा केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड के मुख्यालय में कृषि सहकारी कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान, सांगटी द्वारा 'बेहतर गवर्नेंस और संसाधनों के प्रबंधन के ज़रिए आत्मनिर्भरता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हो गया। 2 और 3 जुलाई को आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में बैंक के चेयरमैन मुकेश शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में मुकेश शर्मा ने कहा कि प्राथमिक कृषि सहकारी सभाएं (PACS) ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर गवर्नेंस, पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन से सहकारिता आंदोलन को नई दिशा मिलेगी। इससे सहकारी संस्थाएं आत्मनिर्भर बनेंगी और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनकी भूमिका और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम को निदेशकों के ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

इस अवसर पर बैंक के प्रबंध निदेशक पंकज सूद, नाबार्ड के डीजीएम अशोक चौहान, कृषि विभाग के अधिकारी अभिषेक नेगी एवं आफरीन तथा कृषि सहकारी कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान, सांगटी की प्रतिनिधि शिवानी भी मौजूद रहीं। सभी वक्ताओं ने सहकारी संस्थाओं के प्रभावी संचालन, सुशासन, वित्तीय प्रबंधन और आधुनिक कार्यप्रणालियों पर विस्तार से जानकारी साझा की।दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला सोलन की विभिन्न प्राथमिक कृषि सहकारी सभाओं के 47 निदेशकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को सहकारी संस्थाओं के सुशासन, वित्तीय प्रबंधन, संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा संस्थाओं को आत्मनिर्भर बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक एवं विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। समापन पर प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे सहकारी संस्थाओं के संचालन में पारदर्शिता, दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

बैठक की अध्यक्षता करते चेयरमैन मुकेश शर्मा। अनंत ज्ञान

धनबल का इस्तेमाल कांग्रेस ने किया: प्रताप रावत

अनंत ज्ञान, नाहन। सिरमौर भाजपा जिला प्रवक्ता प्रताप सिंह रावत ने पीसीसी अध्यक्ष विनय कुमार के धनबल वाले बयान पर पलटबार करते हुए कहा है कि धनबल का प्रयोग भाजपा ने नहीं, बल्कि कांग्रेस ने किया है। जिन्होंने अपने 8 पंचायत समिति सदस्यों को रिजल्ट आने के बाद एकत्रित कर बाहरी राज्यों में घूमाने ले गए थे, जिन पर कांग्रेस ने लाखों रुपए खर्च किया है। इसके उपरांत भी पीसीसी अध्यक्ष विनय कुमार धनबल प्रयोग करने का आरोप भाजपा पर लगा रहे है। रावत ने बताया कि भाजपा के पास तो सिर्फ 7 ही पंचायत समिति सदस्य थे, लेकिन भाजपा ने इन पंचायत समिति सदस्यों को ना तो कहीं पर एकत्रित किया और ना ही भाजपा इनको कहीं पर घूमने ले गई इसके उपरांत भी भाजपा ने अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद पर शानदार जीत दर्ज की है। जिसको पीसीसी अध्यक्ष विनय कुमार हजम नहीं कर पा रहे हैं इसलिए उनके अंदर बौखलाहट स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

पच्छाद के तीन स्वास्थ्य संस्थानों में डॉक्टरों की नियुक्ति, सीएम व स्वास्थ्य मंत्री का जताया आभार

अनंत ज्ञान

राजगढ़। प्रदेश सरकार द्वारा पच्छाद के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकों की नियुक्ति किए जाने पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जीआर मुसाफिर सहित कांग्रेस पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू तथा स्वास्थ्य मंत्री कर्नल (सेवानिवृत्त) डॉ. धनी राम शांडिल का आभार व्यक्त किया है। मुसाफिर ने बताया कि हाल ही में की गई नियुक्तियों के तहत पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सराहां, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फागू तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हाब्बन में भी डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। जोकि क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सराहां, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फागू व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हाब्बन में डॉक्टरों की नियुक्ति

मुसाफिर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्रर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनहित और कर्मचारी हित के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्णय प्रदेश के समग्र विकास और आम जनता के कल्याण को ध्यान में रखकर लिए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से मांग की कि सिविल अस्पताल राजगढ़ में लंबे समय से रिक्त चिकित्सकों के पदों को भी शीघ्र भरा जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

पूर्व विस अध्यक्ष जीआर मुसाफिर।

इस अवसर पर पच्छाद कांग्रेस मंडल अध्यक्ष सुनील शर्मा सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने प्रदेश सरकार का धन्यवाद किया। इस दौरान सुरेंद्र सपारा, देशराज, क्षमा दत्त, अनिल भंडारी, मदन शर्मा, सुशील, जगमोहन, रामलाल फरमाए, कमल रपटा, मोनी ठाकुर, दुनी चंद, देव ठाकुर, राजेश ठाकुर, सुरेंद्र ठाकुर, गुलशन ठाकुर, धर्म सिंह, राजेश शर्मा, नरेंद्र टुटेजा, प्रवीण शर्मा, संजय गौतम, लकी जिंदल, अमित गर्ग, उषा तोमर, रवि दत्त, दिनेश आर्य, सतीश हब्बी, देशराज शर्मा, सुरेंद्र प्रधान, राजकुमार प्रधान, यशपाल, रणबीर, मुकेश, विवेक शर्मा, अजय चौहान, जितेंद्र ठाकुर, भुट्टो प्रधान, सुरेश प्रधान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार से 38 .95 ग्राम चिट्टा बरामद दो आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, राजगढ़। जिला सिरमौर के पुलिस थाना राजगढ़ की डिटेक्शन सेल ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत शुक्रवार को गिरीपुल क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से 38.95 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जिसकी पुष्टि डीएसपी राजगढ़ वीसी नेगी ने की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिटेक्शन सेल के अन्वेषण अधिकारी मुख्य आरक्षी रविदत्त अपनी टीम के साथ मादक पदार्थों की रोकथाम तथा वाहनों की औचक जांच कर रहे थे। सूचना मिली कि कार में सवार दो व्यक्ति चिट्टा लेकर गिरीपुल की ओर से जुन्गा की तरफ जा रहे हैं। टीम ने गिरीपुल पुल के समीप नाकाबंदी कर वाहन को रोका, तलाशी लेने पर कार की पिछली सीट पर बैठे युवक के पैरों के पास रखे काले रंग के बैग से पारदर्शी पॉलिथीन में 38.95 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई।

मंत्री के दौरे से पहले जागा विभाग, सुबाथू रोड पर नालियों का काम शुरू

दौरे के बाद जारी रहेगा काम, लोगों की निगाहें विभाग पर

अनंत ज्ञान

सोलन। लोक निर्माण विभाग मंत्री विक्रमादित्य सिंह के प्रस्तावित दौरे से ठीक पहले सोलन-सुबाथू मार्ग पर नालियों के निर्माण का कार्य शुरू होने से स्थानीय लोगों में कई सवाल उठने लगे हैं। वर्षों से बदहाल पड़ी इस सड़क की ओर अब विभाग की सक्रियता को लोग महज 'दिखावा' बता रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोलन-सुबाथू मार्ग की हालत पिछले कई वर्षों से बेहद खराब बनी हुई है। सड़क पर गड्ढे, टूटी हुई सतह और जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार हादसे भी हो चुके हैं और स्थानीय लोग लगातार सड़क की मरम्मत की मांग उठाते रहे हैं।

लोगों का आरोप है कि मंत्री के दौरे की सूचना मिलते ही विभाग ने आनन-फानन में नालियों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि यदि काम पहले से जरूरी था तो वर्षों तक इसे क्यों टालते रहे।

सोलन-सुबाथू सड़क की नालियों के निर्माण में लगी जेसीबी। अनंत ज्ञान

गौरतलब है कि स्थानीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल भी पहले इस सड़क का निरीक्षण कर चुके हैं। इसके बावजूद लंबे समय तक सड़क की स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ और विभाग पर लगातार टालमटोल करने के आरोप लगते रहे।

अब लोगों का कहना है कि यदि हर बार किसी मंत्री के दौरे से पहले ही काम शुरू होना है, तो फिर अधिकारियों की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े होते हैं। लोगों का तंज है कि अगर मंत्री का रोज दौरा हो, तो शायद सड़क भी रोज सुधरती रहे। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस बार सोलन-सुबाथू मार्ग का स्थायी और गुणवत्तापूर्ण सुधार होगा, या फिर मंत्री के दौरे के बाद यह काम भी अधूरा छोड़ दिया जाएगा। स्थानीय लोग अब केवल अस्थायी मरम्मत नहीं, बल्कि सड़क के स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

पालमपुर में पूर्व सीएम शांता से मिले वीरेंद्र कंवर

अनंत ज्ञान, बंगाणा। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में शुक्रवार को उस समय नई चर्चाओं का दौर शुरू हो गया, जब प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता वीरेंद्र कंवर ने पालमपुर स्थित निवास पर हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता शांता कुमार से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में लगभग एक घंटे तक बातचीत हुई। हालांकि इस बैठक के बाद किसी भी नेता की ओर से चर्चा के विषयों को सार्वजनिक नहीं किया गया, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात को लेकर विभिन्न तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। यह भी बताया जा रहा है कि मुलाकात के दौरान प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों, भाजपा संगठन की गतिविधियों तथा आगामी राजनीतिक रणनीतियों सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। हालांकि बैठक पूरी तरह निजी रही और मीडिया के सामने किसी भी प्रकार का औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया। ऐसे में इस मुलाकात का वास्तविक राजनीतिक महत्व चर्चा का विषय बना हुआ है। सूत्रों के अनुसार पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर और पूर्व सीएम शांता कुमार के बीच करीब एक घंटे तक विस्तार से बातचीत हुई।

नंगल जरियालां में नशे से दूर रहने का संदेश

अनंत ज्ञान, घनारी। वीरवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नंगल जरियालां में राष्ट्रीय सेवा योजना और सड़क सुरक्षा क्लब के बैनर तले नशे के खिलाफ एकदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप गगरेट पुलिस से एएसआई घनश्याम रहे, जबकि कार्यक्रम अध्यक्ष स्थानीय प्रधानाचार्य रमेश कुमार रहे। इस दौरान ए एस आई घनश्याम ने कहा कि नशा एक गंभीर बीमारी है जिससे बचाव करना अति आवश्यक है। उन्होने कहा कि न तो नशा करना है और न ही नशे के संपर्क में आना है। अगर आपके आसपास के क्षेत्रों में कोई नशा बेचता है या इस्तेमाल करता है तो तुरंत परिवार, अध्यापक, प्रधान और पुलिस विभाग से संपर्क करें। इसके लिए उनका नाम गुप्त रखा जायेगा। उन्होने बताया कि सरकार समय समय पर नशे के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, जिससे नशा माफिया खत्म हो सके। इसके अलावा उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम से बचना चाहिए कभी भी किसी अनजाने व्यक्ति को अपना ओटीपी सांझा नहीं करना है। अगर कोई साइबर क्राइम हो जाता है तो तुरंत 1930 पर सूचित करें।

घड़ोह में बताईं केसीसी बैंक की योजनाएं

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा के तहत ग्राम पंचायत मुच्छाली के गांव घड़ोह में आज कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक सीमित शाखा बंगाणा ने वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। बैंक की ओर से शाखा प्रबंधक विनोद पाल सिंह ने बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड महिला समृद्धि योजना, प्रधामंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधामंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना व डिजिटल बैंकिंग के बारे में जानकारी दी। प्रबंधक विनोद पाल सिंह ने ऑनलाइन किए जा रहे। फ्रॉड के बारे में भी जानकारी दी ओर समझाया कि किसी भी व्यक्ति या अनजान कॉल पर अपनी जानकारी व ओटीपी सांझा न करें अन्यथा आपका बैंक खाता खाली हो सकता है। आप धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं। कोई भी बैंक अधिकारी कॉल पर ओटीपी की जानकारी नहीं मांगता है। यह आपकी गोपनीयता रखने के लिए ही भेजा जाता है। इस शिविर में बैंक की ओर से सुनील कुमार , राम कृष्ण सहित गांववासी भी मौजूद रहे।

जनगणना ड्यूटी में शिक्षकों को मिली बड़ी राहत

अनंत ज्ञान, अंब। राजकीय टीजीटी कला संघ, हिमाचल प्रदेश की पहल पर जनगणना-2027 में ड्यूटी निभा रहे शिक्षकों को बड़ी राहत मिली है। संघ द्वारा शिक्षकों की व्यावहारिक कठिनाइयों को सरकार एवं शिक्षा विभाग के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाए जाने के बाद जिला ऊना के उपनिदेशक उच्च शिक्षा ने विशेष आदेश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार जनगणना-2027 से जुड़े शिक्षक प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से 11:30 बजे तक विद्यालय में नियमित अध्यापन कार्य करेंगे। इसके बाद 11:30 बजे से उन्हें जनगणना के फील्ड कार्य के लिए कार्यमुक्त किया जाएगा। साथ ही सभी विद्यालयाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित शिक्षकों के शेष शिक्षण कालांशों का समुचित पुनर्विन्यास किया जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई किसी भी प्रकार से प्रभावित न हो। राजकीय टीजीटी कला संघ जिला ऊना के अध्यक्ष नरेंद्र पूनर तथा कार्यकारिणी के सदस्यों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह व्यवस्था शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के हितों को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का नया केंद्र बना 'सामर्थ्य ज्ञानदीप पुस्तकालय'

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए मेहनत के साथ-साथ शांत, अनुशासित और प्रेरणादायी अध्ययन वातावरण भी बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ऊना ने सामर्थ्य पहल के अंतर्गत मिनी सचिवालय ऊना के कक्ष संख्या 221 में करीब 15 लाख रुपए की लागत से 'सामर्थ्य ज्ञानदीप पुस्तकालय' विकसित किया है। आज यह पुस्तकालय प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अध्ययन का एक बेहतर केंद्र बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में युवाओं और महिलाओं के सशक्तीकरण को प्राथमिकता देने की राज्य सरकार की सोच के अनुरूप उपायुक्त जतिन लाल के मार्गदर्शन में शुरू की गई सामर्थ्य पहल का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक अवसर, गुणवत्तापूर्ण संसाधन और बेहतर मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

ज्ञानदीप पुस्तकालय उसी सोच का साकार रूप है। इसके माध्यम से युवाओं को जिले में ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। उपायुक्त जतिन लाल की परिकल्पना से साकार हुआ यह पुस्तकालय पढ़ाई का बेहतर स्थल होने के साथ ही युवाओं में अध्ययन संस्कृति विकसित करने का एक प्रयास भी है। उनका मानना है कि प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती, आवश्यकता केवल ऐसे वातावरण की होती है जहां युवा पूरी एकाग्रता और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की तैयारी कर सकें। इसी सोच के साथ इस पुस्तकालय की स्थापना की गई, ताकि विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सुविधाएं अपने जिले में ही उपलब्ध हो सकें।

मिनी सचिवालय ऊना के अलावा सामर्थ्य ज्ञानदीप पुस्तकालय पंजावर और मैड़ी खास में भी स्थापित किए गए हैं। वहीं माता श्री चिंतपूर्णी के श्री माईदास सदन स्थित पुस्तकालय के आधुनिकीकरण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

फ्री वाई-फाई, एसी रूम, आधुनिक फर्नीचर और शांत वातावरण

सहायक आयुक्त विनय मोदी ने बताया कि पुस्तकालय प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित किया जाता है। यहां एक समय में लगभग 30 विद्यार्थियों के बैठकर अध्ययन करने की व्यवस्था है। पुस्तकालय में वातानुकूलित अध्ययन कक्ष, निशुल्क वाई-फाई, आधुनिक फर्नीचर, आरामदायक बैठने की व्यवस्था तथा पूरी तरह शांत और अनुशासित वातावरण उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि मात्र 200 रुपये प्रतिमाह के शुल्क पर विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। पुस्तकालय के संचालन के लिए निर्धारित नियम यह सुनिश्चित करते हैं कि अध्ययन का वातावरण हर समय एकाग्रता और अनुशासन के अनुकूल बना रहे। पुस्तकालय की सदस्यता प्राप्त करने के इच्छुक युवा मिनी सचिवालय, ऊना स्थित रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव कार्यालय, कक्ष संख्या 406 में कार्यालय समय के दौरान संपर्क कर सकते हैं।

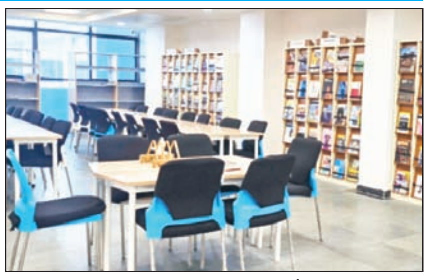

युवाओं ने सराहे जिला प्रशासन के प्रयास

दूसाड़ा निवासी सोनाक्षी ने बताया कि जमा दो की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हैं। पहले वह घर पर ही पढ़ाई करती थीं, लेकिन वहां एकाग्र होकर अध्ययन करने का उपयुक्त माहौल नहीं मिल पाता था। ज्ञानदीप पुस्तकालय की जानकारी मिलने के बाद अब उन्हें नियमित अध्ययन के लिए शांत, सुरक्षित और प्रेरणादायी वातावरण मिला है। उनका कहना है कि यहाँ उपलब्ध निशुल्क वाई-फाई, वातानुकूलित कक्ष और अनुशासित माहौल उनकी तैयारी में काफी मदद कर रहा है, वहीं डॉ. अनु कौशल, जो पेशे से डेंटल सर्जन हैं और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रही हैं, कहती हैं कि पुस्तकालय का सकारात्मक और सुरक्षित वातावरण नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित करता है। यहां उपलब्ध सुविधाएं और समय-समय पर उपायुक्त जतिन लाल द्वारा दिया जाने वाला मार्गदर्शन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ाता है। उनका मानना है कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस पुस्तकालय का लाभ उठाना चाहिए।

विधायक विवेक शर्मा ने चताड़ा में लिया विकास कार्यों का जायजा

अनंत ज्ञान

बंगाणा। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत चताड़ा का दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने विशेष रूप से बरसात के मौसम को देखते हुए नालियों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो और विकास कार्य भी प्रभावित न हों। निरीक्षण के दौरान विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि सरकार और जनप्रतिनिधियों का उद्देश्य केवल विकास कार्यों का उद्घाटन करना नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में यदि नालियां समय पर साफ न हों तो जल निकासी बाधित हो जाती है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए संबंधित विभाग और पंचायत प्रतिनिधि इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। विधायक विवेक शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंचायत क्षेत्र की सभी नालियों की नियमित सफाई करवाई जाए और जहां कहीं भी जल निकासी में बाधा है, उसे तुरंत दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि उनका प्रयास है कि पंचायत स्तर की समस्याओं का समाधान लोगों के घर-द्वार पर ही हो। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल कार्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि गांवों में जाकर लोगों से सीधे संवाद करें, उनकी समस्याओं को समझें और मौके पर ही उनके समाधान का प्रयास करें। इससे आम जनता को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव और पंचायत का समान रूप से विकास उनकी प्राथमिकता है। सड़क, पेयजल, सिंचाई, बिजली, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि जनसहयोग और प्रशासन के बेहतर समन्वय से क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी।

पीएमजीएसवाई सड़कों की पट्टिकाओं पर सांसद का नाम न होने पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान, अंब। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-3) के तहत केंद्र सरकार के सहयोग से निर्मित सड़कों की उद्घाटन पट्टिकाओं पर सांसद का नाम अंकित न होने को लेकर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष शाम मिन्हास ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय करने तथा पट्टिकाओं में आवश्यक संशोधन करने की मांग की है। नगर पंचायत अंब स्थित भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान शाम मिन्हास ने कहा कि हाल ही में समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर के बाद लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता (एसई) की ओर से यह स्पष्टीकरण दिया गया था कि संबंधित जनप्रतिनिधियों को उद्घाटन समारोह के लिए निमंत्रण भेजा गया था। उन्होंने कहा कि विभाग का यह जवाब वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाता। मिन्हास ने बताया कि उन्होंने स्वयं अंब आठवां सड़क तथा टकारला-बडूही वाया नई आबादी सड़क का दौरा कर उद्घाटन पट्टिकाओं का निरीक्षण किया। उनके अनुसार दोनों स्थानों पर लगी पट्टिकाओं में मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक का नाम अंकित है, जबकि लोक निर्माण विभाग मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर का नाम दर्ज नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद कार्यालय को भेजे गए स्पष्टीकरण में चार नामों वाली एक अलग पट्टिका का उल्लेख किया गया, जबकि मौके पर लगी वास्तविक पट्टिकाएं उससे भिन्न हैं।

अमरू विवि में बीएससी नर्सिंग थर्ड सेमेस्टर की मेरिट में हिमकैप्स कॉलेज की पांच छात्राएं

शिवानी ठाकुर | रुकसाना | कर्निका राणा | राधिका राणा | अमृतप्रीत कौर

अनंत ज्ञान

ऊना। अमरू यूनिवर्सिटी द्वारा वीरवार को घोषित बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में हिमकैप्स ऑफ नर्सिंग कॉलेज, बड़ेडा की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान और जिला ऊना का नाम प्रदेशभर में रोशन किया है। कॉलेज की पांच छात्राओं ने प्रदेश की टॉप-10 मेरिट सूची में स्थान हासिल किया है, जबकि संस्थान का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

कॉलेज के प्रिंसिपल कार्तिकेय सेल्वी ने बताया कि तृतीय सेमेस्टर की सभी 58 छात्राएं अच्छे अंकों के साथ सफल रही हैं। उन्होंने बताया कि शिवानी ठाकुर और रुकसाना ने संयुक्त रूप से प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। वहीं कर्निका राणा, राधिका राणा और अमृतप्रीत कौर ने संयुक्त रूप से आठवां स्थान हासिल कर कॉलेज की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ा है।

इसके अतिरिक्त पलक शर्मा और दिया शर्मा ने भी उत्कृष्ट अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर संस्थान का मान बढ़ाया है। छात्राओं की इस सफलता से कॉलेज परिसर में खुशी का माहौल है और शिक्षकों ने इसे छात्राओं की कड़ी मेहनत, अनुशासन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का परिणाम बताया।

हिमकैप्स ऑफ नर्सिंग कॉलेज के एमडी विक्रमजीत सिंह ने सभी सफल छात्राओं, प्रिंसिपल कार्तिकेय सेल्वी तथा समस्त कॉलेज स्टाफ को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छात्राओं की मेहनत और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन से संस्थान लगातार उत्कृष्ट परिणाम दे रहा है।

उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी हिमकैप्स ऑफ नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूते हुए संस्थान और प्रदेश का नाम रोशन करती रहेंगी।

सांख्यिकीय जागरूकता कार्यशाला में 60 विद्यार्थियों ने लिया भाग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। महाविद्यालय के कैरियर काउंसलिंग, गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा एक एवं 2 जुलाई को 'स्टैटिस्टिकल अवेयरनेस फॉर यंग माइंड्स' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की सपोर्ट फॉर स्टैटिस्टिकल स्ट्रेंथनिंग स्कीम के अंतर्गत, हिमाचल प्रदेश के अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग के सहयोग से किया गया।

उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने कहा कि सांख्यिकीय जागरूकता सभी विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है, क्योंकि सरकारी नीतियों के निर्माण में सही आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यशाला में श्री ललित शर्मा (रिसर्च ऑफिसर) सहित डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रितु शर्मा, डॉ. नवीन भारद्वाज एवं डॉ. रीतू राज ठाकुर ने विशेषज्ञ व्याख्यान दिए। कार्यशाला में 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। दूसरे दिन आयोजित क्विज प्रतियोगिता में तनाश्वी सोनी प्रथम, वर्षा द्वितीय तथा चंपा देवी एवं नेहा कुमारी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। समापन समारोह में वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. रंजीत कौशल ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यशाला का संचालन डॉ. नम्रता पठानिया एवं उनकी टीम ने किया।

हवाण में रक्तदान शिविर में 35 युवाओं ने किया रक्तदान

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। बजरंगदल कंदरौर प्रखंड जिला बिलासपुर के हवाण क्षेत्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।इस रक्तदान शिविर में हवाण, मढ़ोणा, चुराडी, भदरौण, तली, सिरड़, गुद्दू आदि गांव से युवाओं द्वारा रक्तदान किया गया। बजरंगदल कंदरौर प्रखंड संयोजक नवदीप सिंह के मार्गदर्शन में यह रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। एम्स बिलासपुर से आई ब्लड बैंक की टीम के सहयोग से यह रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस रक्तदान शिविर में 35 रक्तदान वीरों द्वारा रक्तदान किया गया। ज्यादातर लोगों ने पहली बार रक्तदान किया। राजकुमार ने 37 वीं बार रक्तदान किया।इस हवाण क्षेत्र में यह पहला रक्तदान शिविर बजरंग दल द्वारा लगाया गया है

डाक्टर सोविक उन के सहयोगी अर्पित पाटिल, सतेंद्र, विकास, अवनीश, अजय ने इस रक्तदान शिविर में अपना सहयोग प्रदान किया।इस रक्तदान शिविर में विश्व हिंदू परिषद् जिला सह मंत्री विशाल नड्डा, बजरंग दल जिला संयोजक सूर्या चंदेल, झंडूता प्रखंड संयोजक विशाल चंदेल, बजरंग दल कंदरौर प्रखंड सह संयोजक संदीप आदि भी उपस्थित रहे।

1.090 ग्राम चरस मामले का मुख्य सप्लायर कुल्लू से गिरफ्तार

अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। जिला पुलिस बिलासपुर ने एक किलो से अधिक चरस बरामदगी मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए खेप के मुख्य सप्लायर को कुल्लू से गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि पुलिस अधीक्षक (एसपी) बिलासपुर अभिषेक धीमान ने की है।

एसपी अभिषेक धीमान ने बताया कि 2 जुलाई को स्पेशल डिटेक्शन टीम ने मुकाम पडगल में नाकाबंदी के दौरान पंजाब नंबर की एक स्कूटी (पीबी -07 बीपी -1942) को रोककर तलाशी ली थी। स्कूटी की डिक्की से दो पैकेटों में कुल 1.090 किलोग्राम (1090.68 ग्राम) चरस बरामद की गई थी। मामले में स्कूटी चालक तरुण कुमार निवासी होशियारपुर तथा उसके साथी मानव निवासी होशियारपुर को गिरफ्तार कर थाना सदर बिलासपुर में एफआईआर संख्या 161/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20 एवं 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था।

उन्होंने बताया कि मामले की गहन जांच और बैकवर्ड लिंकेज की पड़ताल के दौरान पुलिस ने चरस की खेप के सप्लायर शम्भू राम (41) पुत्र वेलू राम, निवासी गांव जच्छनी, जिला कुल्लू को थाना सदर बिलासपुर की टीम द्वारा कुल्लू से गिरफ्तार कर लिया है। एसपी अभिषेक धीमान ने कहा कि मामले की जांच जारी है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी इससे पहले किन-किन लोगों को मादक पदार्थों की सप्लाई करता रहा है और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बलग का घाट स्कूल में शिक्षकों की कमी दूर करने की मांग

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। शिक्षा सदर खंड के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक पाठशाला बलग का घाट में शिक्षकों की कमी को लेकर एसएमसी प्रधान मनसा राम और समाजसेवी सुभाष ठाकुर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने डिप्टी डायरेक्टर एलीमेंटरी एजूकेशन अरुण गौतम को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि स्कूल में करीब 60 विद्यार्थी हैं, जबकि उन्हें पढ़ाने के लिए केवल एक शिक्षक तैनात है। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। एसएमसी ने स्कूल में मुख्य शिक्षक सहित रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग की।

कारपोरेट पेंशन योजना-1999 बहाल करने की मांग

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। एचपीएमसी पूर्व कर्मचारी संगठन की बैठक में हिमाचल प्रदेश कारपोरेट पेंशन योजना-1999 को पुनः लागू करने की मांग उठाई गई। संगठन के महामंत्री बृजलाल लखनपाल ने कहा कि पूर्व कर्मचारियों को भविष्य निधि संगठन से बहुत कम पेंशन मिल रही है, जिससे उनका जीवनयापन कठिन हो गया है। उन्होंने सरकार से पेंशन योजना बहाल करने, लंबित संशोधित वेतनमान के बकाये का शीघ्र भुगतान करने तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों की अनदेखी न करने की मांग की।

सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों के निपटारे के लिए 31 तक करें आवेदन

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रतीक गुप्ता ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित समाधान समारोह-2026 के तहत लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। इस पहल का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से कम समय और कम खर्च में आपसी सहमति से विवादों का समाधान करना है। इच्छुक पक्षकार सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध गूगल फॉर्म के जरिए आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर से संपर्क किया जा सकता है।

आशीष बोले-सहकारी समितियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बलासपुर। सहकारिता सप्ताह के तहत मझवाड़ (कूह) में हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी विकास संघ (हिमकोफेड) एवं मिल्कफेड के संयुक्त तत्वावधान में डेयरी विकास जागरूकता कार्यक्रम तथा निशुल्क विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिमकोफेड के निदेशक आशीष ठाकुर मुख्यातिथि रहे।

आशीष ठाकुर ने कहा कि सहकारी समितियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और इनके माध्यम से किसानों व पशुपालकों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि कर दुग्ध उत्पादकों को बेहतर मूल्य सुनिश्चित किया है। सरकार डेयरी क्षेत्र को सशक्त बनाने, दुग्ध संग्रहण व्यवस्था, आधुनिक अवसंरचना, सब्सिडी, आसान ऋण, पशु बीमा और तकनीकी सहायता पर विशेष ध्यान दे रही है। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने डेयरी फार्म, पशु बीमा, सरकारी सब्सिडी, वैज्ञानिक पशुपालन, संतुलित आहार, नस्ल सुधार और टीकाकरण सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। वहीं, आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में मोहाली ट्राइसिटी से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लगभग 500 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर परामर्श और निशुल्क दवाइयां वितरित कीं। इस अवसर पर सहकारिता, मिल्कफेड एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों सहित पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शहीद अग्निवीर के परिवार को दिया एक करोड़ रुपए का बीमा चैक

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। देश सेवा के दौरान जान गंवाने वाले अग्निवीर प्रशांत ठाकुर के परिवार को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की पीएनबी रक्षक योजना के तहत एक करोड़ रुपए का डेथ इंश्योरेंस क्लेम प्रदान किया गया। यह सहायता ऐसे कठिन समय में परिवार के लिए आर्थिक संबल बनी है, जब वह अपने युवा बेटे के असमय निधन के दुख से गुजर रहा है।

सुंदरनगर उपमंडल के पेंटरेड गांव निवासी 21 वर्षीय प्रशांत ठाकुर पंजाब रेजीमेंट में अग्निवीर (राइफलमैन) के रूप में सेवाएं दे रहे थे। सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। उनका वेतन खाता पीएनबी की बरमाना शाखा में था और वे बैंक की रक्षक योजना के तहत बीमित थे।

बरमाना शाखा में आयोजित कार्यक्रम में पीएनबी सोलन सर्कल के सर्कल हेड राजीव कुमार पंकज ने प्रशांत की माता अंबिका देवी और बड़े भाई निशांत ठाकुर को एक करोड़ रुपए के बीमा दावे का चेक सौंपा। इस दौरान भावुक अंबिका देवी ने कहा कि बेटे की कमी कोई धनराशि पूरी नहीं कर सकती, लेकिन यह आर्थिक सहायता कठिन समय में परिवार के लिए बड़ा सहारा है।

प्रशांत के बड़े भाई निशांत ठाकुर ने भी सेना में भर्ती होकर देश सेवा करने का संकल्प दोहराया। राजीव कुमार पंकज ने बताया कि पीएनबी रक्षक योजना सेना, नौसेना, वायुसेना और अर्द्धसैनिक बलों के जवानों को विशेष बीमा सुरक्षा प्रदान करती है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति में उनके परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

श्री नयना देवी श्रावण अष्टमी मेले की तैयारियां शुरू

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। उपायुक्त एवं आयुक्त श्री नयना देवी मंदिर ट्रस्ट राहुल कुमार की अध्यक्षता में 13 से 22 अगस्त तक आयोजित होने वाले श्रावण अष्टमी मेले की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई। उपायुक्त ने सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान भी मौजूद रहे। मेले के दौरान सुरक्षा के लिए 400 से अधिक पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे तथा मेला क्षेत्र को 9 सेक्टरों में विभाजित किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 6 चिकित्सा सहायता केंद्र, विशेष बस सेवाएं, तीन एलईडी स्क्रीन, एक हजार क्षमता वाला जर्मन हैंगर, सीसीटीवी निगरानी, पेयजल, बिजली और स्वच्छता के विशेष प्रबंध किए जाएंगे। प्रशासन ने ग्रीन मेला के तहत प्लास्टिक मुक्त आयोजन पर भी जोर दिया। बैठक के बाद उपायुक्त ने मां श्री नयना देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश व जिला वासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

बरमाना में बरसात के बाद शुरू होगा सतलुज मुक्तिधाम का निर्माण : चंदेल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। बरमाना क्षेत्र की पांच पंचायतों के लिए प्रस्तावित सतलुज मुक्तिधाम का निर्माण कार्य बरसात समाप्त होते ही आरंभ किया जाएगा। यह जानकारी हिमुडा निदेशक जितेंद्र चंदेल ने बरमाना दौरे के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी के समक्ष उठाई गई मांग को गंभीरता से लिया गया है।

दौरे के दौरान चंदेल ने अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को निर्देश दिए कि बारिश खत्म होते ही निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बरमाना के प्रधान, उपप्रधान, वार्ड सदस्य, बीडीसी सदस्य और स्थानीय लोगों ने क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए। इस दौरान मदद समिति के प्रधान बलराम शर्मा ने युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए दिया सुझाव बलराम शर्मा ने युवाओं को कौशल आधारित रोजगार से जोड़ने को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव रखा। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। स्टेनलेस स्टील व एल्युमिनियम कार्य, टाइल फिटिंग और बढ़ईगिरी जैसे व्यवसाय अपनाकर युवा अपने क्षेत्र में ही रहकर 25 हजार से 50 हजार रुपए मासिक आय अर्जित कर सकते हैं।

जितेंद्र चंदेल ने इस सुझाव का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पंचायत और समिति को इस संबंध में लिखित प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा, ताकि इसे मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जा सके। साथ ही, जरूरत पड़ने पर बरमाना में आईटीआई खोलने का प्रस्ताव भी सरकार को भेजने का आश्वासन दिया। चंदेल ने पंचायत प्रतिनिधियों से एकजुट होकर क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता भी इन कार्यों को अपना समझकर सहयोग करे, उनकी देखरेख करे और समय-समय पर निरीक्षण करे, ताकि सभी योजनाओं का लाभ सही तरीके से लोगों तक पहुंच सके।

न्यूज ब्रीफ

6000 किसानों को किया जागरूक

अनंत ज्ञान, चंबा। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) चंबा द्वारा कृषि विभाग, आत्मा (ज्जरू) एवं अन्य सहयोगी विभागों के साथ मिलकर आयोजित एक माह लंबे राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' का सफल समापन किया गया। यह अभियान 1 जून से 30 जून 2026 तक चलाया गया, जिसमें जिलेभर में 51 जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। केवीके चंबा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. धर्मिंदर कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान लगभग 6000 किसानों एवं हितधारकों तक पहुंच बनाकर उन्हें मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) तथा जैविक खेती के प्रति जागरूक किया गया। अभियान का उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग को कम कर टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना था। 'मिट्टी बचाओ, खेती बचाओ, किसान बचाओ' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और बेहतर कृषि उत्पादन के लिए प्रेरित किया गया।

मौड़ा स्कूल में गुजरात की सब्जियों की खेती शुरू

अनंत ज्ञान, चंबा। राजकीय प्राथमिक पाठशाला मौड़ा, शिक्षा खंड सुंडला के किचन गार्डन में अब गुजरात की पारंपरिक पौष्टिक सब्जियों के बीजों से खेती की जाएगी। यह बीज गुजरात की संस्था 'ज्ञान' द्वारा उपलब्ध करवाए गए हैं, जिन्हें पद्मश्री प्रोफेसर अनिल गुप्ता के मार्गदर्शन में भेजा गया है। ये बीज पिछले वर्ष पोषण वाटिका में किए गए उत्कृष्ट कार्य के आधार पर प्रदान किए गए हैं। विद्यालय में सीमित संसाधनों के बावजूद किचन गार्डन, फ्लावर गार्डन और हर्बल गार्डन विकसित किया गया है। इससे बच्चों को पौष्टिक भोजन के साथ-साथ पर्यावरण अध्ययन का व्यावहारिक ज्ञान भी मिल रहा है। प्रभारी शिक्षक युद्धवीर टंडन ने बताया कि विद्यार्थियों को पारंपरिक बीजों के संरक्षण और उनके पोषण महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर कनिष्ठ अध्यापक प्रवीण कुमार ने संस्था और पद्मश्री प्रो. अनिल गुप्ता का आभार व्यक्त किया।

भटवाड़ा बस अड्डे पर मंडराया तबाही का खतरा, नाले का बदला रुख बना चिंता

सड़क निर्माण की मिट्टी नाले में फेंकने के आरोप, प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

अनंत ज्ञान

देशराज कश्यप, धरवाला। विकासखंड मैहला की नवगठित ग्राम पंचायत भटवाड़ा में स्थित बस अड्डे पर संभावित आपदा का खतरा गहराने लगा है। लगातार हो रही बारिश के बीच नाले का तेज बहाव अब अपने प्राकृतिक मार्ग से हटकर सीधे बस अड्डे की ओर मुड़ गया है। शुक्रवार को तेज बहाव की चपेट में एक ट्रक भी आ गया, जिसे स्थानीय लोगों के प्रयासों से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

इस घटना के बाद क्षेत्रवासियों में भविष्य को लेकर चिंता और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नाले के बहाव को नियंत्रित नहीं किया गया तो बरसात के दौरान कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। उनका आरोप है कि भटवाड़ा-खोईमढ़ सड़क निर्माण कार्य के दौरान निकाली जा रही मिट्टी और मलबे को निर्धारित डंपिंग साइट पर डालने के बजाय सीधे नाले में फेंका जा रहा है। इससे नाले में मिट्टी के विशाल ढेर जमा हो गए हैं, जो भारी बारिश या बादल फटने जैसी स्थिति में बस अड्डे और आसपास के क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं ग्रामीणों के अनुसार संभावित मलबा बस अड्डे पर खड़े छोटे-बड़े वाहनों को अपनी चपेट में लेने के साथ-साथ नीचे बहने वाले प्राकृतिक जल स्रोतों को भी पूरी तरह दफन कर सकता है।

उनका कहना है कि दुर्गम क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में यही प्राकृतिक स्रोत लोगों की जीवनरेखा साबित होते हैं। यदि ये स्रोत नष्ट हुए तो क्षेत्र में गंभीर जल संकट पैदा हो सकता है। इन दिनों गुड़ासा, भारूथा, भामल, गंधर, पधर, कुठन और गुवाड़ सहित अनेक गांवों को सड़क सुविधा से जोड़ने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 103 वर्षीय सोहन लाल सहित कई ग्रामीणों ने अपनी भूमि तक दान की है। ग्रामीणों का कहना है कि वे सड़क निर्माण का स्वागत करते हैं, लेकिन निर्माण कार्य में पर्यावरणीय और सुरक्षा मानकों की अनदेखी भविष्य में भारी नुकसान का कारण बन सकती है। स्थानीय निवासी अमरजीत, सुरेश, करमचंद, पूर्ण सिंह, सुफल राम, जितेंद्र, बबलू, देवी सिंह, बलदेव, बैहमी राम, सोनू, मनीषा, कृष्णा, निशा, लक्ष्मी, शकुंतला, दीपक, उदित कुमार, गोपाल सहित अनेक लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि भटवाड़ा बस अड्डे की तत्काल सफाई करवाई जाए, नाले के बहाव को सुरक्षित दिशा दी जाए तथा नाले में डाले गए मलबे को हटाकर और स्थायी कदम उठाए जाएं।

नाले के तेज बहाव की चपेट में ट्रक आया। अनंत ज्ञान

खुशनगरी स्कूल के बच्चों की सुरक्षा पर संकट, क्रैश बैरियर की मांग तेज

अनंत ज्ञान

चुराह। चंबा जिला की ग्राम पंचायत खुशनगरी के अंतर्गत आने वाले राजकीय केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला खुशनगरी में अध्ययनरत करीब 100 स्कूली बच्चों की सुरक्षा इन दिनों गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। विद्यालय के खेल मैदान के बिल्कुल साथ से गुजरने वाले तीसा-बैरागढ़ मुख्य मार्ग पर सुरक्षा इंतजामों के अभाव के चलते किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय लोगों, अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं, लेकिन खेल मैदान के साथ सड़क किनारे क्रैश बैरियर नहीं लगाया गया है। ऐसे में खेलते समय यदि कोई बच्चा सड़क की ओर चला जाए या कोई वाहन अनियंत्रित होकर मैदान की तरफ आ जाए तो बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी कीमत पर जोखिम में नहीं डाली जा सकती। उन्होंने लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि विद्यालय के खेल मैदान के साथ प्राथमिकता के आधार पर मजबूत क्रैश बैरियर लगाया जाए, ताकि संभावित हादसों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

वहीं, स्थानीय लोगों ने खुशनगरी बाजार में भी वाहनों की तेज रफ्तार पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि बाजार क्षेत्र में दिनभर वाहनों की आवाजाही बनी रहती है, जिससे स्कूली बच्चों, राहगीरों और स्थानीय लोगों की जान जोखिम में रहती है। उन्होंने बाजार में शीघ्र स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग उठाते हुए कहा कि इससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका काफी हद तक कम होगी।

ग्रामीणों, अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन ने प्रशासन तथा लोक निर्माण विभाग से जनहित और स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द क्रैश बैरियर और स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते आवश्यक कदम उठाए गए तो किसी भी संभावित अप्रिय घटना को टाला जा सकता है।

शिक्षा के विकास का नया अध्याय: चंबा सदर के 34 सरकारी स्कूलों को 1.69 करोड़ की सौगात

अनंत ज्ञान

चंबा। चंबा सदर विधानसभा क्षेत्र के शिक्षा क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात मिली है। क्षेत्र के 34 सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए 1 करोड़ 69 लाख 50 हजार रुपये की अतिरिक्त अग्रिम धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। इस राशि के जारी होने से भवन निर्माण, अतिरिक्त कक्ष, छात्रावास, विज्ञान प्रयोगशालाएं, ऑडिटोरियम, परीक्षा हॉल, शौचालय, किचन शेड तथा अन्य आवश्यक विकास कार्यों को गति मिलेगी।

यह स्वीकृति शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के विशेष प्रयासों तथा सदर विधायक नीरज नैय्यर की लगातार पैरवी का परिणाम मानी जा रही है। इससे विशेष रूप से दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों को सीधा लाभ मिलेगा और वर्षों से लंबित आधारभूत सुविधाओं की कमी दूर होगी। स्वीकृत कार्यों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बाट के नए स्कूल भवन निर्माण के लिए 30 लाख रुपये, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोहलारी में विज्ञान प्रयोगशाला के लिए 15 लाख रुपये, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक (बाल) एवं (कन्या) विद्यालय चंबा में 100-100 बिस्तरों वाले छात्रावासों के लिए 5-5 लाख रुपये तथा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चंबा में ऑडिटोरियम निर्माण के लिए 4 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त मंगला, साच, करियां, कनेड, पंजोह, चीह, लिथ, कुणेड, सहलुई, रान और तनोहला सहित अनेक विद्यालयों में भवन निर्माण, मरम्मत, शौचालय, किचन शेड, परीक्षा हॉल, कार्यालय कक्ष, स्टेज तथा अन्य विकास कार्यों के लिए भी लाखों रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इन सभी परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 2 करोड़ 6 लाख 18 हजार 485 रुपये है। पहले जारी धनराशि के बाद अब 1 करोड़ 69 लाख 50 हजार रुपये की अतिरिक्त स्वीकृति मिलने से विकास कार्यों में तेजी आएगी और विद्यार्थियों को आधुनिक एवं बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

समाज की सबसे मजबूत नींव शिक्षा: नैय्यर

सदर विधायक नीरज नैय्यर ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की सबसे मजबूत नींव होती है और चंबा सदर के प्रत्येक विद्यालय तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी शहरों जैसी शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वीकृति चंबा के शिक्षा ढांचे को नई मजबूती प्रदान करेगी और भविष्य में भी विकास कार्यों का यह क्रम जारी रहेगा।

मानसून से पहले चुराह प्रशासन अलर्ट सभी विभागों को तैयार रहने के निर्देश

अनंत ज्ञान

चुराह। मानसून सीजन को देखते हुए उपमंडल चुराह प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। कार्यकारी एसडीएम चुराह आशीष ठाकुर ने बताया कि हाल ही में उपायुक्त चंबा की अध्यक्षता में मानसून तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक के बाद उपमंडल स्तर पर भी सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

मीडिया से बातचीत में कार्यकारी एसडीएम आशीष ठाकुर ने बताया कि लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, बिजली विभाग सहित सभी महत्वपूर्ण विभागों को मानसून के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग को विशेष रूप से उन स्थानों पर जेसीबी मशीनें तैनात करने को कहा गया है, जहां भूस्खलन की आशंका बनी रहती है, ताकि चंबा-तीसा मुख्य मार्ग सहित अन्य सड़कों को जल्द से जल्द बहाल किया जा सके और यातायात बाधित न हो। उन्होंने बताया कि जल शक्ति विभाग को पेयजल योजनाओं को सुचारु रूप से संचालित रखने तथा किसी भी प्रकार की बाधा आने पर तुरंत बहाल करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बिजली विभाग को भी मानसून के दौरान विद्युत आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा गया है।

कार्यकारी एसडीएम आशीष ठाकुर ने कहा कि सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और अपने-अपने संसाधनों व मशीनरी के साथ हर समय तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि मानसून के दौरान आम लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और किसी भी आपदा की स्थिति में तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके।

धरवाला बाजार में अधूरी पार्किंग बनी मुसीबत

दो साल से ठप निर्माण पर भड़के जनप्रतिनिधि, आंदोलन की दी चेतावनी

अनंत ज्ञान

धरवाला। उपतहसील धरवाला बाजार में लगभग दो वर्षों से अधूरा पड़ा पार्किंग निर्माण कार्य अब स्थानीय लोगों के सब्र की परीक्षा बन गया है। निर्माण कार्य लंबे समय से ठप होने के कारण बाजार में यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है, जिससे व्यापारियों, वाहन चालकों और आम जनता को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बढ़ती अव्यवस्था को लेकर क्षेत्र में विभाग के खिलाफ जनाक्रोश तेज हो गया है।

ग्राम पंचायत लोथल के उप प्रधान विक्रांत ठाकुर, ग्राम सुधार सभा कमेटी चूड़ी-धरवाला के प्रधान संजय ठाकुर तथा गैहरा वार्ड के जिला परिषद सदस्य सुनील दत्त शर्मा ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि पार्किंग निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने की मांग कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन के समक्ष उठाई जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग की उदासीनता का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि अधूरी पार्किंग के कारण धरवाला बाजार में वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। आए दिन जाम की स्थिति बन रही है, जिससे व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते पार्किंग का निर्माण पूरा नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो जाएगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य में आ रही सभी बाधाओं को तत्काल दूर कर पार्किंग का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। जनप्रतिनिधियों ने विभाग को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र निर्माण कार्य दोबारा शुरू कर उसे पूरा नहीं किया गया तो स्थानीय जनता के साथ मिलकर उप तहसील धरवाला बाजार में व्यापक धरना-प्रदर्शन और आंदोलन किया जाएगा। इसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

ग्लोब टोयोटा मोहाली ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर डॉक्टरों का किया सम्मान

अनंत ज्ञान

मोहाली। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर ग्लोब टोयोटा मोहाली ने चिकित्सा जगत के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए डॉक्टरों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर समाज के प्रति उनके निस्वार्थ समर्पण, अथक सेवा और अमूल्य योगदान को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्लोब टोयोटा मोहाली में तीन प्रतिष्ठित चिकित्सा विशेषज्ञों त्वचा एवं हेयर विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक तथा जनरल फिजिशियन को आमंत्रित किया गया।

उन्होंने उपस्थित लोगों से संवाद करते हुए स्वास्थ्य, जागरूकता और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में ग्लोब टोयोटा की टीम ने क्षेत्र के विभिन्न अस्पतालों का दौरा कर डॉक्टरों को डॉक्टर्स डे स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया तथा समाज के प्रति उनकी अतुलनीय सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्लोब टोयोटा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक दत्ता ने कहा कि डॉक्टर एक स्वस्थ और सशक्त समाज की नींव हैं। उनकी निस्वार्थ सेवा, समर्पण और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस पहल के माध्यम से हम उनके प्रति अपना सम्मान और हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहते हैं।' वहीं, ग्लोब टोयोटा के ग्रुप हेड मार्केटिंग आशु मिस्सर ने कहा कि ग्लोब टोयोटा सदैव समाज से जुड़कर सकारात्मक पहल करने में विश्वास रखता है। डॉक्टर्स-डे के अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र के इन कर्मयोगियों का सम्मान करना हमारे लिए गर्व की बात है। हम सभी डॉक्टरों को उनके अमूल्य योगदान के लिए हृदय से धन्यवाद एवं शुभकामनाएं देते हैं।

लॉरिट्ज नुडसेन ने भारत में लॉन्च किया नया स्मार्ट होम प्लेटफॉर्म

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। भारत के इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन क्षेत्र में अग्रणी लॉरिट्ज नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन (जो पहले एलएंडटी स्विचगियर के नाम से जाना जाता था) ने अपने नवीनतम स्मार्ट होम प्लेटफॉर्म enConnect को लॉन्च किया है। यह अत्याधुनिक समाधान घरों को एक स्मार्ट, जुड़े हुए और सहज रहने की जगह में बदलने के लिए डिजाइन किया गया है। यह प्लेटफॉर्म घर के हर पहलू को आसानी से प्रबंधित करने की शक्ति देता है, जिससे सुविधा, आराम और सुरक्षा में वृद्धि होती है। लॉरिट्ज नुडसेन इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन के सीओओ नरेश कुमार ने कहा कि भारत में सरल, सहज और उपयोगकर्ता के अनुकूल स्मार्ट होम समाधानों की मांग तेजी से बढ़ रही है। एनकनेक्ट के साथ, हम एक परिष्कृत लेकिन सुलभ होम ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म की पेशकश करके इस बाजार की जरूरत को पूरा कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य सभी घर के मालिकों के लिए, आधुनिक, कनेक्टेड जीवन को एक वास्तविकता बनाना है, जो निर्बाध एकीकरण, बढ़ी हुई सुरक्षा और ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करता है। उन्होंने आगे कहा कि हम एक ऐसे भविष्य की कल्पना करते हैं जहां तकनीक हमारे जीवन का सहज हिस्सा हो, जिससे हमारा आराम बढ़े और दिनचर्या आसान बने। enConnect सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं है, यह आधुनिक जीवन की एक नई परिभाषा है।'

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा आज से शुरू 383 केंद्रों पर 2.33 लाख अभ्यर्थी देंगे एचटेट

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट)-2026 का आयोजन शनिवार से पूरे प्रदेश में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू होगा। राज्यभर के 383 परीक्षा केंद्रों पर कुल 2,33,294 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इनमें 1,66,137 महिला और 67,157 पुरुष अभ्यर्थी शामिल हैं। एचटेट के सफल एवं निष्पक्ष आयोजन को लेकर मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक जिला उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों तथा पुलिस आयुक्तों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर चुके हैं।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अनुसार, 4 जुलाई को सायंकालीन सत्र में लेवल-3 (पीजीटी) की परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें 73,091 अभ्यर्थी शामिल होंगे। वहीं, 5 जुलाई को प्रात:कालीन सत्र में लेवल-2 (टीजीटी) की परीक्षा में 1,19,141 तथा सायंकालीन सत्र में लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षा में 41,062 अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। शुक्रवार को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड मुख्यालय से प्रश्नपत्रों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस और बोर्ड अधिकारियों की निगरानी में सभी जिला मुख्यालयों के लिए रवाना किया गया। मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग को निर्देश दिए हैं कि पंचकूला, करनाल और कुरुक्षेत्र में एडीए परीक्षा के चलते जिन अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र अन्य जिलों में बनाए गए हैं, उनके लिए नियमित बस सेवाओं के साथ अतिरिक्त बसों की भी व्यवस्था की जाए। उन्होंने बताया कि जिन जिलों में एडीए परीक्षा नहीं है, वहां अधिकांश अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्र उनके गृह जिला मुख्यालय पर ही बनाए गए हैं। केवल बहादुरगढ़ और महेंद्रगढ़ में उपमंडल स्तर पर भी परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं।

परीक्षा को नकलमुक्त बनाने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर दिए गए हैं। बोर्ड मुख्यालय में बने हाईटेक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से सभी केंद्रों की लाइव निगरानी की जाएगी। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल नजर रखी जा सके। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले प्रत्येक अभ्यर्थी की मेटल डिटेक्टर से तलाशी, बायोमैट्रिक सत्यापन और डाटा कैप्चरिंग की जाएगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से 2 घंटे 10 मिनट पहले केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य होगा।

नारनौल: ग्रीन कॉरिडोर 152-डी से हटेंगे अवैध ढाबे व दुकानें: धर्मबीर

अनंत ज्ञान, नारनौल। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन की सुरक्षा है और सड़क हादसों में किसी भी नागरिक की जान नहीं जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। सांसद शुक्रवार को पंचायत भवन में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में विधायक कंवर सिंह यादव भी मौजूद रहे। सांसद ने हाल ही में नेशनल हाईवे-152डी पर हुए बस हादसे का उल्लेख करते हुए कहा कि जन सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने नेशनल हाईवे अथॉरिटी और पुलिस विभाग को संयुक्त अभियान चलाकर हाईवे के दोनों ओर बने अवैध ढाबों और दुकानों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों के अनुसार हाईवे के दोनों ओर 15 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं है। धर्मबीर सिंह ने पुलिस और संबंधित विभागों को जिले के सभी दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट चिह्नित कर उनके कारणों की विस्तृत रिपोर्ट अगली बैठक से पहले प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग को छोटी सड़कों पर नहरों की पुलियाओं का विशेष ऑडिट कराने तथा जर्जर पुलियाओं की समय रहते मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग को महेंद्रगढ़ रोड पर महावीर चौक से लहरोदा बाईपास के बीच बने अवैध कट हटाने के निर्देश भी दिए गए।

नए आपराधिक कानून लागू करने में हरियाणा देश में अव्वल

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के मामले में हरियाणा ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। राज्य को इस मूल्यांकन में 100 में से 95.21 अंक प्राप्त हुए हैं। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) का प्रभावी क्रियान्वयन राज्य की न्याय व्यवस्था में बड़ा बदलाव साबित हो रहा है।

डीजीपी ने कहा कि ये कानून केवल अंग्रेजों के जमाने के 160 वर्ष से अधिक पुराने कानूनों का विकल्प नहीं हैं, बल्कि यह एक आधुनिक, तकनीक-आधारित और नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस की यह उपलब्धि बेहतर योजना, व्यापक प्रशिक्षण और पुलिस बल की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने बताया कि नए कानूनों के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य की रणनीति चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित रही है प्रशासनिक सुधार, कार्यप्रणाली में दक्षता, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का उपयोग और इंटीग्रेटेड क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) के तहत समन्वय स्थापित करना।

डीजीपी के अनुसार, सभी जांच अधिकारियों को नए कानूनी ढांचे का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें आईओ मोबाइल ऐप उपलब्ध कराया गया है, जिससे जांच प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तेज हुई है। मोबाइल फोरेंसिक यूनिट, ई-साक्ष्य प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक समन, डिजिटल केस मैनेजमेंट और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी तकनीकों ने जांच और न्यायिक प्रक्रिया को और मजबूत किया है। उन्होंने यह भी बताया कि एक स्वतंत्र आकलन के अनुसार हरियाणा की डिजिटल पहलों से पिछले छह महीनों में 26 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है। केवल ई-समन प्रणाली के माध्यम से हजारों रीम कागज, लाखों लीटर पानी और लगभग 27 लाख लीटर ईंधन की बचत दर्ज की गई है।

यमुनानगर: दस लाख की हेरोइन के साथ बाइक सवार गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, यमुनानगर। यमुनानगर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बाइक सवार युवक को 272 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश करने के बाद पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

अपराध शाखा-1 के प्रभारी राजकुमार ने बताया कि टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिमी यमुना पुल, कांजनू क्षेत्र से एक युवक बाइक पर भारी मात्रा में मादक पदार्थ लेकर गुजरने वाला है। सूचना के आधार पर एक टीम गठित कर मौके पर नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध बाइक सवार को रोककर नियमानुसार ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 272 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी अक्षय के रूप में हुई है पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले भी एक आपराधिक मामला दर्ज है, जिसकी सुनवाई न्यायालय में चल रही है।

फोर्टिस अस्पताल के सहयोग से एनएचपीसी में रोबोटिक सर्जरी पर हुई चर्चा

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। एनएचपीसी कर्मचारी कल्याण गतिविधियों के अंतर्गत कार्यपालक निदेशक आदित्य गौतम के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा फोर्टिस अस्पताल, मोहाली के सहयोग से एक निशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में डॉ. जुबिन मेहता (ऑर्थोपेडिक सर्जन) ने हड्डियों एवं जोड़ों के स्वास्थ्य, विशेषकर ऑस्टियोपोरोसिस के कारणों, जोखिम कारकों तथा संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त कैल्शियम व विटामिन-डी के माध्यम से इसकी रोकथाम पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आधुनिक ऑर्थोपेडिक चिकित्सा में रोबोटिक सर्जरी की भूमिका और इसके लाभों पर भी प्रकाश डाला। दूसरी वक्ता मनोवैज्ञानिक सुश्री आंचल शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन पर संवादात्मक सत्र लिया। उन्होंने कार्यस्थल पर तनाव के कारणों, सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन, समय प्रबंधन तथा कार्य-जीवन संतुलन के महत्व पर चर्चा की। कार्यक्रम में कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विशेषज्ञों से स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। इस पहल ने प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

जींद में हाईड्रोजन ट्रेन का डीआरएम ने किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान

जींद। भारत देश की पहली अत्याधुनिक और प्रदूषण मुक्त हाइड्रोजन ट्रेन का रेलवे ट्रैक पर चलने का सपना जल्द साकार होने जा रहा है। ट्रेन के सफल संचालन को लेकर रेलवे विभाग द्वारा लगातार हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल किया जा रहा है।

इसी के चलते शुक्रवार को दिल्ली डिवीजन के डीआरएम पुष्पेश त्रिपाठी स्पेशल ट्रेन से व प्रशासनिक तथा रेलवे अधिकारियों की टीम के साथ जींद जंक्शन पर पहुंचे। यहां उन्होंने जंक्शन का गहनता से निरीक्षण किया। रेलवे डीआरएम ने स्टेशन परिसर, हाइड्रोजन प्लांट और स्टेडियम स्थित हेलीपैड का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। माना जा रहा है कि जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का उद्घाटन करेंगे।

रेलवे के डीआरएम पुष्पेश त्रिपाठी शुक्रवार को जींद जंक्शन पर पहुंचे और रेलवे परिसर की जांच की। बाकायदा यहां उन्होंने स्थानीय अधिकारियों से व्यवस्थाओं को लेकर बातचीत की। इसके बाद उन्होंने हाइड्रोजन प्लांट व ट्रेन को भी देखा। निरीक्षण के बार रेलवे डीआरएम पुष्पेश त्रिपाठी ने बताया कि हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल बेहद एडवांस स्टेज पर पहुंच गया है। सोनीपत-जींद रूट पर हाइड्रोजन ट्रेन का स्पीड ट्रायल हो चुका है। इस समय दिल्ली-सोनीपत और जींद-दिल्ली ट्रैक पर लगातार निरीक्षण किया जा रहा है ताकि भविष्य के सभी विकल्प खुले रहें। उन्होंने कहा कि अगले 10 से 12 दिनों में हम ट्रायल की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे।

वहीं, कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हाइड्रोजन ट्रेन का उद्घाटन किया जाएगा। इसी के चलते रेलवे डीआरएम ने एकलव्य स्टेडियम में हेलीपैड के निरीक्षण किया। डीआरएम ने स्पष्ट किया कि फिलहाल कोई आधिकारिक शेड्यूल या टेंटेटिव प्रोग्राम नहीं आया है लेकिन यह देश का एक बेहद प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट है।

आईजीएमसी को मिलेंगी 256-स्लाइस सीटी स्कैन मशीनें

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने स्वास्थ्य विभाग को निदान सेवाओं में शून्य प्रतीक्षा समय सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। प्रदेश में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक आधुनिक, तेज़ और मरीजों के अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य विभाग को सीटी स्कैन, एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड जैसी आवश्यक निदान सेवाओं में शून्य प्रतीक्षा समय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर जांच और उपचार उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी कड़ी में आईजीएमसी, शिमला को जल्द ही अत्याधुनिक 256-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध कराई जाएगी। आईजीएमसी शिमला और चमियाना सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निदान विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से निदान सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के सुझाव भी मांगे। उन्होंने कहा कि आधुनिक उपकरणों, पर्याप्त स्टाफ और बेहतर समन्वय के माध्यम से मरीजों को बिना किसी अनावश्यक देरी के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य है।

निदान विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू। अनंत ज्ञान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार चिकित्सकों, पैरामेडिकल और तकनीकी कर्मचारियों के रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भर रही है, ताकि गंभीर उपचार के लिए लोगों को प्रदेश से बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों के लिए धन की कोई कमी नहीं है तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। आईजीएमसी के चिकित्सकों द्वारा अत्याधुनिक 256-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन की मांग रखे जाने पर मुख्यमंत्री ने इसे शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस मशीन के स्थापित होने से जटिल बीमारियों की जांच अधिक सटीक, तेज़ और प्रभावी होगी तथा मरीजों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

अस्पतालों को मिलेंगे आधुनिक चिकित्सा उपकरण

बैठक में बताया गया कि प्रदेश सरकार सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में स्वास्थ्य अवसंरचना को व्यापक रूप से सशक्त बना रही है। एम्स, नई दिल्ली के समकक्ष अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ये मशीनें केवल मेडिकल कॉलेजों तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि जिला अस्पतालों, जोनल अस्पतालों तथा अन्य नागरिक अस्पतालों में भी स्थापित की जाएंगी, जिससे प्रदेशभर में गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और अधिक मजबूत होगी।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के कायाकल्प की तैयारी

टांडा मेडिकल कॉलेज में बढ़ेंगी सुविधाएं, आधुनिक मशीनों और बेहतर उपचार पर फोकस

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश सरकार ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, तेज और मरीजों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने शिमला से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा की रोगी कल्याण समिति की गवर्निंग बॉडी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य के चिकित्सा संस्थानों को देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मरीजों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में पिछले तीन वित्तीय वर्षों के कार्यों, उपलब्धियों और प्रदर्शन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों के दौरान स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए हैं। प्रदेश सरकार का लक्ष्य केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ चिकित्सकों और गुणवत्तापूर्ण उपचार सुविधाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार लाना है। डॉ. शांडिल ने बताया कि अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज चमियाणा, आईजीएमसी शिमला और टांडा मेडिकल कॉलेज में आधुनिक ऑटोमेटेड लैब स्थापित करने के लिए 75 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इन प्रयोगशालाओं के शुरू होने से मरीजों की जांच प्रक्रिया अधिक तेज, सटीक और आधुनिक होगी, जिससे गंभीर बीमारियों का समय पर उपचार संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि टांडा मेडिकल कॉलेज में पीजी सीटों में वृद्धि, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (एमएलटी) पाठ्यक्रम तथा नर्सिंग छात्राओं के लिए बेहतर अधोसंरचना विकसित की जाएगी। साथ ही मरीजों की सुविधा के लिए हाई-परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी), कंटीन्यूअस रीनल रिप्लेसमेंट थैरेपी (सीआरआरटी) और हीमोडायाफिल्ट्रेशन (एचडीएफ) डायलिसिस मशीनें स्थापित की जा चुकी हैं, जिससे गंभीर रोगियों को उन्नत उपचार उपलब्ध होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों में वर्षों पुरानी मशीनों और उपकरणों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर अत्याधुनिक तकनीक से लैस नई मशीनें स्थापित की जा रही हैं। अस्पतालों में एमआरआई, सीटी स्कैन, डिजिटल रेडियोग्राफी और डिजिटल मैमोग्राफी जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि मरीजों को बेहतर और समयबद्ध उपचार मिल सके। डॉ. धनी राम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए ठोस और दीर्घकालिक निर्णय ले रही है। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार, नई तकनीक का समावेश, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता और बेहतर अधोसंरचना के माध्यम से प्रदेश के लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

बैठक में विशेष सचिव स्वास्थ्य डॉ. अश्वनी शर्मा, एचपीटीडीसी के अध्यक्ष आर.एस. बाली, टांडा मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मिलाप तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

महालेखापरीक्षक संजय मूर्ति ने की हिमाचल लेखा परीक्षा ऑफिस के कार्यों की समीक्षा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के. संजय मूर्ति ने अपने तीन दिवसीय शिमला प्रवास के दौरान प्रधान महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश कार्यालय के कार्यों की व्यापक समीक्षा की। समीक्षा बैठक में वार्षिक लेखापरीक्षा योजना के क्रियान्वयन, डेटा आधारित लेखा परीक्षाओं की प्रगति तथा तैयार की जा रही लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों की स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया। इस अवसर पर प्रधान महालेखाकार पुरुषोत्तम तिवारी ने कार्यालय की कार्यप्रणाली, प्रमुख उपलब्धियों और वर्तमान में संचालित महत्वपूर्ण पहलों का प्रस्तुतीकरण करते हुए लेखापरीक्षा में डेटा एनालिटिक्स और प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों के उपयोग से प्राप्त परिणामों की जानकारी दी। बैठक में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन और जवाबदेही को अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर भी चर्चा हुई। नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक मूर्ति ने अधिकारियों की प्रतिबद्धता और कार्यकुशलता की सराहना करते हुए उच्च गुणवत्ता वाली, साक्ष्य आधारित लेखा परीक्षाओं को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यपालिका को समयबद्ध, प्रासंगिक और क्रियान्वयन योग्य अनुशंसाएं उपलब्ध कराने के लिए लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने की आवश्यकता है।

देसी घी, सरसों तेल और पीडीएस दलिया के सैंपल फेल

प्रदेशभर में चला सघन सैंपलिंग अभियान, कई जिलों से लिए गए नमूने मानकों पर नहीं उतरे खरे

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में मिलावटी और निम्न गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं विनियमन विभाग ने बड़ा अभियान चलाते हुए सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। राज्य के विभिन्न जिलों में चलाए गए विशेष सैंपलिंग अभियान के दौरान देसी घी, सरसों तेल और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत दलिया सहित चार खाद्य नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा एफएसएसएआई के निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। जांच रिपोर्ट आने के बाद विभाग ने संबंधित कारोबारियों को नोटिस जारी कर कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और पूरे प्रदेश में यह अभियान लगातार जारी रहेगा। जानकारी के अनुसार प्रदेशभर में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की ओर से बाजारों, थोक प्रतिष्ठानों, किराना दुकानों और पीडीएस केंद्रों से नियमित रूप से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। इन नमूनों की वैज्ञानिक जांच सीटीएल कंडाघाट (सोलन) स्थित प्रयोगशाला में कराई गई। अंतिम विश्लेषण रिपोर्ट में चार नमूनों में गुणवत्ता और लेबलिंग संबंधी गंभीर खामियां सामने आने पर विभाग ने संबंधित व्यापारियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

जांच रिपोर्ट के अनुसार पांवटा साहिब क्षेत्र के माजरा से तीन मार्च 2026 को लिया गया हिमाचल फ्रेश देसी घी का नमूना गुणवत्ता और लेबलिंग दोनों मानकों पर असफल पाया गया। प्रयोगशाला जांच में इसका ब्यूट्रो-रिफ्रैक्टोमीटर रीडिंग, रीशर्ट माइसल वैल्यू और आयोडीन वैल्यू निर्धारित मानकों से काफी अलग पाई गई। इसके अलावा उत्पाद की लेबलिंग में भी आवश्यक प्रावधानों का पालन नहीं किया गया। इस नमूने को सबस्टैंडर्ड और मिसब्रांडेड घोषित किया गया।

इसी प्रकार 11 मार्च को माजरा से लिए गए श्री दयाल प्योर देसी घी के नमूने में भी गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामियां सामने आईं। जांच में इसकी रासायनिक विशेषताएं एफएसएसएआई मानकों के अनुरूप नहीं पाई गईं, जिसके चलते इसे भी सबस्टैंडर्ड घोषित किया गया। धौलाकुआं से लिए गए तुलसी मस्टर्ड ऑयल के नमूने में रासायनिक मानक तो सही पाए गए, लेकिन पैकिंग पर प्रति यूनिट बिक्री मूल्य अंकित नहीं था, जो लीगल मेट्रोलॉजी अधिनियम, 2009 का उल्लंघन है। इसी आधार पर इसे मिसब्रांडेड घोषित किया गया। पांवटा साहिब क्षेत्र के खोदरी-माजरी से 19 फरवरी 2026 को लिए गए पीडीएस दलिया हिम भोग दलिया के नमूने में उपभोक्ता शिकायत संबंधी अनिवार्य जानकारी पैकेट पर दर्ज नहीं मिली। लेबलिंग नियमों के उल्लंघन के कारण इस नमूने को भी मिसब्रांडेड घोषित किया गया। स्वास्थ्य सुरक्षा एवं विनियमन विभाग, नाहन की ओर से संयुक्त आयुक्त-सह-निदेशक, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं विनियमन, शिमला को भेजी गई अंतिम विश्लेषण रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई: खाद्य सुरक्षा विभाग

प्रदेश खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में मिलावट और घटिया गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा। जिन उत्पादों के नमूने निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे, उनके निर्माताओं और विक्रेताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने यह भी कहा कि प्रदेशभर में खाद्य पदार्थों की नियमित सैंपलिंग और प्रयोगशाला जांच लगातार जारी रहेगी, ताकि आम उपभोक्ताओं को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और मानकों के अनुरूप खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सके।

रामपुर में करंट लगने से 60 वर्षीय महिला की मौत

अनंत ज्ञान

शिमला। जिले के रामपुर उपमंडल के निरसू क्षेत्र में एक 60 वर्षीय महिला की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में महिला की मौत करंट लगने से होने की बात सामने आई है। मामले की जांच भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत की जा रही है। पुलिस के अनुसार 2 जुलाई को थाना रामपुर को सूचना मिली कि निरसू में एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई है। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां रुकमणी देवी (60), पत्नी स्वर्गीय चमन लाल, निवासी गांव चिलड़ी, डाकघर दत्तनगर, तहसील रामपुर, जिला शिमला, मृत अवस्था में मिलीं। वह गांव पीपलदार निवासी शिव कुमार के मकान के नीचे बनी सीढ़ियों के पास पड़ी थीं। मौके पर उनके दोनों बेटे और गांव के अन्य लोग भी मौजूद थे। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने पाया कि रास्ते के किनारे एक केबल लाइन पड़ी थी, जिसमें लोहे की पतली तार लगी हुई थी। यह तार करीब आठ से नौ मीटर की दूरी पर बिजली के सर्विस वायर से जुड़ी हुई मिली। पुलिस का अनुमान है कि बारिश या किसी अन्य कारण से इस तार में करंट आ गया होगा। जांच के दौरान महिला के हाथ में भी वही तार लिपटी हुई मिली।

पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में महिला की मौत बिजली का करंट लगने से होना प्रतीत हो रहा है। मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई जारी है। शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

आपदा प्रबंधन में अव्वल बनेगा हिमाचल

सरकार ने अधिक सुरक्षित एवं तकनीक आधारित राज्य बनाने की दिशा में रणनीति बनाना किया शुरू

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश को प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अधिक सुरक्षित, सक्षम और तकनीक आधारित राज्य बनाने की दिशा में सरकार ने व्यापक रणनीति पर काम तेज कर दिया है। इसी कड़ी में शुक्रवार को शिमला में आयोजित राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त पोस्ट डिजास्टर रिव्यू सेमिनार में मुख्य सचिव कमलेश कुमार पंत ने स्पष्ट कहा कि आपदा प्रबंधन केवल राहत और बचाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें सरकार, प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियों, स्थानीय समुदायों और स्वयंसेवकों की समान भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, मजबूत संस्थागत व्यवस्था, बेहतर समन्वय और जनसहभागिता के माध्यम से ही हिमाचल को भविष्य की प्राकृतिक आपदाओं के लिए पूरी तरह तैयार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियां, दुर्गम पर्वतीय क्षेत्र और संवेदनशील हिमालयी पारिस्थितिकी हिमाचल को बादल फटने, भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाती हैं। ऐसे में पूर्व में आई आपदाओं से सीख लेकर भविष्य की रणनीति तैयार करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मुख्य सचिव ने कहा कि हाल के वर्षों में आई प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, सशस्त्र बलों, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल पुलिस, अग्निशमन सेवाओं, जिला प्रशासन, पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय समुदायों के समन्वित प्रयासों से जनहानि को कम करने में उल्लेखनीय सफलता मिली है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक आपदा भविष्य के लिए नई सीख छोड़कर जाती है और इन्हीं अनुभवों के आधार पर संचालन संबंधी कमियों की पहचान, संस्थागत क्षमता का मूल्यांकन तथा मानक संचालन प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

अन्य पर्वतीय राज्यों के लिए भी उपयोगी

सेमिनार में एनडीएमए के सदस्य एवं विभागाध्यक्ष कृष्णा एस. वत्सा ने वर्ष 2023 और 2025 की आपदाओं के दौरान हिमाचल प्रदेश सरकार की तैयारियों और त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि एसडीआरएफ ने अत्यंत प्रभावी भूमिका निभाई है तथा भविष्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को और मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिमाचल का अनुभव अन्य पर्वतीय राज्यों के लिए भी उपयोगी साबित हो सकता है।

सेचू-तुआन मार्ग छोटे वाहनों के लिए बहाल

अनंत ज्ञान, पांगी। जनजातीय क्षेत्र पांगी घाटी में बादल फटने से भारी तबाही का मंजर देखने को मिला। घिसल धार में बादल फटने के बाद घिसल और हिलौर नालों में आई भीषण बाढ़ ने सेचू-तुआन मार्ग को पूरी तरह मलबे और विशाल चट्टानों से पाट दिया। आपदा की सूचना मिलते ही लोक निर्माण विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मशीनरी और कर्मचारियों को मौके पर रवाना किया। विभाग ने युद्धस्तर पर राहत एवं बहाली अभियान चलाया और लगातार कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद सेचू-तुआन मार्ग पर छोटे वाहनों की आवाजाही बहाल कर दी। इससे घाटी के लोगों को बड़ी राहत मिली है। लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता इंजीनियर जीत सिंह ठाकुर ने बताया कि बाढ़ के कारण मार्ग को व्यापक नुकसान पहुंचा था, लेकिन विभागीय टीम ने दिन-रात काम करते हुए छोटे वाहनों के लिए रास्ता सुरक्षित बना दिया है। उन्होंने कहा कि बड़े वाहनों की आवाजाही भी जल्द बहाल कर दी जाएगी और इसके लिए कार्य तेजी से जारी है। उन्होंने क्षेत्र में लगातार खराब बने मौसम को देखते हुए लोगों और वाहन चालकों से नदी-नालों के समीप जाने से बचने तथा यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

नगर निगमों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत से कांग्रेस के दावों की खुली पोल: डॉ. बिंदल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने धर्मशाला, मंडी और सोलन नगर निगमों में भाजपा के मेयर और डिप्टी मेयर चुने जाने को प्रदेश की राजनीति में बड़ा जनादेश बताते हुए कहा कि इन परिणामों ने कांग्रेस के उन सभी दावों की पोल खोल दी है, जिनमें वह नगर निकाय और पंचायतीराज चुनावों में जनसमर्थन मिलने की बात कह रही थी। उन्होंने कहा कि जनता ने अपने मत से स्पष्ट संदेश दिया है कि वह कांग्रेस सरकार की कार्यशैली से संतुष्ट नहीं है और भाजपा की नीतियों व नेतृत्व पर भरोसा जता रही है। डॉ. बिंदल ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार शुरू से ही नगर निकाय चुनाव कराने के पक्ष में नहीं थी और

मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचने के बाद चुनाव कराए गए। इसके बावजूद मेयर, डिप्टी मेयर, चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के चुनावों को करीब डेढ़ महीने तक टालने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनादेश सर्वोपरि होता है, लेकिन कांग्रेस सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की, जिसे जनता ने पूरी तरह नकार दिया। डॉ. बिंदल ने कहा कि विशेष रूप से सोलन नगर निगम में लोकतांत्रिक परंपराओं की अनदेखी करते हुए पार्षदों के निर्वाचित होने के बाद भी लंबे समय तक शपथ प्रक्रिया लंबित रखी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद नियमों में बदलाव कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास किया गया। उनके अनुसार कांग्रेस सरकार ने पहले जिन नियमों के तहत धर्मशाला, पालमपुर और मंडी के चुनाव कराए, सोलन में हार की आशंका के बाद उन्हीं नियमों को बदल दिया, ताकि राजनीतिक दबाव और कथित हॉर्स ट्रेडिंग के जरिए जनादेश को प्रभावित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन के तमाम प्रयासों के बावजूद भाजपा ने स्पष्ट बहुमत के आधार पर मेयर और डिप्टी मेयर दोनों पदों पर विजय हासिल की।

कोलकाता में संसदीय मंथन में शामिल हुए विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया

लोकसभा अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री से भी की मुलाकात

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया शुक्रवार को कोलकाता पहुंचे, जहां उन्होंने समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए आयोजित पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन तथा पश्चिम बंगाल विधानसभा के नव निर्वाचित विधायकों के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम 3 और 4 जुलाई को न्यू टाउन कन्वेंशन सेंटर में पश्चिम बंगाल विधानसभा और लोकसभा के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से गठित सात राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों की समिति में कुलदीप सिंह पठानिया भी सदस्य हैं। सम्मेलन के दौरान वे तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करेंगे और गैर सरकारी सदस्य विधेयकों सहित संसदीय कार्यप्रणाली पर अपने अनुभव नव निर्वाचित विधायकों के साथ साझा करेंगे। इस सत्र में लोकसभा सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन और संसदीय मामलों के विशेषज्ञ प्रदीप चतुर्वेदी भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया, जबकि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू, राज्यसभा के उपसभापति डॉ. हरिवंश और पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष रथिंद्र बसु ने भी संबोधित किया। कोलकाता पहुंचने पर कुलदीप सिंह पठानिया का पश्चिम बंगाल सरकार और विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों ने स्वागत किया। सम्मेलन के दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर हिमाचल प्रदेश की ई-विधान प्रणाली और विधानसभा की आधुनिक कार्यप्रणाली की जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू से भी भेंट की।

उपलब्धि

उपमुख्यमंत्री ने 5.50 करोड़ के 'आईना' कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का किया लोकार्पण

हरोली बना हिमाचल का पहला सीसीटीवी निगरानी वाला विधानसभा क्षेत्र

अनंत ज्ञान

हरोली (ऊना)। ऊना जिले का हरोली विधानसभा क्षेत्र हिमाचल प्रदेश का पहला पूर्ण सीसीटीवी निगरानी वाला विधानसभा क्षेत्र बन गया है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शुक्रवार को 5.50 करोड़ की लागत से स्थापित अत्याधुनिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम) 'आईना' का लोकार्पण किया। मिनी सचिवालय स्थित डीएसपी कार्यालय में स्थापित यह सेंटर आधुनिक एवं तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हरोली में अपराध की मंशा से आने वाला कोई भी व्यक्ति अब कानून की नजर से बच नहीं सकेगा। संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र के 60 महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानों पर स्थापित 195 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाएगी। अपराध में प्रयुक्त या संदिग्ध वाहन क्षेत्र में प्रवेश करते ही कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को तत्काल अलर्ट प्राप्त होगा, जिससे पुलिस त्वरित कार्रवाई कर सकेगी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी तथा तकनीक के माध्यम से चालान की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

हरोली में 5.50 करोड़ के 'आईना' कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का लोकार्पण करते उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री। अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि हाई-रिजोल्यूशन कैमरों और अत्याधुनिक तकनीक से लैस 'आईना' के साथ हरोली देश के उन चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में शामिल हो गया है, जहां अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी आधारित निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस स्तर की तकनीक का उपयोग पहली बार हरोली में किया गया है। उन्होंने बताया कि 'आईना' प्रदेश की पहली पूर्णतः वायरलेस कमांड एंड कंट्रोल प्रणाली है। सेंटर में स्थापित 19 बड़ी एलईडी वीडियो वॉल के माध्यम से पूरे विधानसभा क्षेत्र की गतिविधियों की लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी। सिस्टम में तीन माह तक का डेटा सुरक्षित रखने की क्षमता है, जबकि किसी प्रकार की छेड़छाड़ की स्थिति में भी आठ घंटे तक का डेटा सुरक्षित रिकॉर्ड होता रहेगा। उन्होंने बताया कि लगभग 1.50 करोड़ रुपये की लागत से सात इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) भी स्थापित किए गए हैं, जो यातायात प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों एवं अपराधियों की पहचान में पुलिस के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।